सूर्योदय दि. 06-08-2020
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 31.1° | न्यूनतम तापमान 34.1°

Open Search

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सर्च

RNI No.DELHIN/2015/66886

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

... पृष्ठ-5

वर्ष : 05 | अंक : 242 | नई दिल्ली, गुरुवार, 06 अगस्त-2020 | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

एक नज़र

भूमि पूजन के लिये मोदी ने ली परम रामभक्त हनुमान की आज्ञा

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अयोध्या में ऐतिहासिक हनुमान गढ़ी मंदिर में परम रामभक्त हनुमान जी से राम मंदिर निर्माण के लिये भूमि पूजन की आज्ञा मांगी। श्री मोदी आज यहां सुबह करीब साढ़े 11 बजे साकेत डिग्री कालेज हेलीकाप्टर से पहुंचे जहां से उनका काफिला हनुमानगढ़ी के लिये रवाना हो गया। प्रधानमंत्री ने हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंच कर हनुमान जी की विधिवत पूजा अर्चना की और आरती उतारी। आरती माथे पर लगाने के बाद उन्होने दक्षिणा रख रामभक्त से भूमि पूजन की आज्ञा मांगी। इस दौरान दो गज की दूरी पर मास्क लगाये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर की परिक्रमा की। जाने से पहले श्री मोदी ने वहां मौजूद महंत को प्रणाम कर प्रस्थान करने की अनुमति मांगी। महंत ने उन्हे साफा पहनाया और रामनाम अंकित गमझा भेंट किया। श्री मोदी साफा पहने हुये मंदिर परिसर से बाहर आये और उनका काफिला श्रीरामजन्मभूमि की ओर रवाना हो गया।

घृणा और क्रूरता से प्रकट नहीं हो सकते राम : राहुल

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या में भगवान राम मंदिर का शिलान्यास करने के तत्काल बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि राम मर्यादा पुरुषोत्तम है और वह घृणा तथा क्रूरता से कभी प्रकट नहीं होते। श्री गांधी ने ट्वीट किया, ÷मानवता के मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम सर्वोत्तम मानवीय गुणों का स्वरूप हैं। वे हमारे मन की गहराइयों में बसी मानवता की मूल भावना हैं। उन्होंने कहा, राम प्रेम हैं, वे कभी घृणा में प्रकट नहीं हो सकते। राम करुणा हैं, वे कभी क्रूरता में प्रकट नहीं हो सकते। राम न्याय हैं, वे कभी अन्याय में प्रकट नहीं हो सकते। इससे पहले कॉंग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, राम मंदिर भूमिपूजन की शुभकामनाएँ। आशा है कि त्याग, कर्तव्य, करुणा, उदारता, एकता, बंधुत्व, सद्भाव, सदाचार के रामबाण मूल्य जीवन पथ का रास्ता बनेंगे। जय सिया राम।

ओडिशा में भारी बारिश, रविवार तक बरसात जारी रहने की संभावना

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण ओडिशा में भारी बारिश हो रही है। मौसम केंद्र ने बुधवार को पूर्वानुमान जताया कि बारिश रविवार तक जारी रह सकती है। भुवनेश्वर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि कम दबाव का क्षेत्र अभी उत्तर ओडिशा और पश्चिम बंगाल तट से सटे बंगाल की खाड़ी के उत्तर पश्चिम में है। इस वजह से ओडिशा के उत्तरी तथा दक्षिणी तटीय इलाकों और दक्षिणी अंदरूनी क्षेत्रों के अधिकतर हिस्सों में बारिश हो रही है। केंद्र ने कहा कि बरसात अगले कुछ और दिन तक जारी रह सकती है, क्योंकि नौ अगस्त को उत्तरी बंगाल की खाड़ी से सटे पश्चिम मध्य हिस्से के ऊपर नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

पूरा भारत हुआ राममय

मोदी ने अयोध्या में रखी राम मंदिर की आधारशिला,कहा-खत्म हुआ सदियों का इंतजार

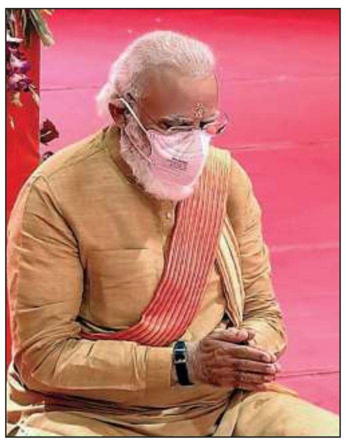

अयोध्या.(ओपनसर्च)

पौराणिक त्रेतायुग में इक्ष्वाकु वंश की राजधानी रही अयोध्या में भगवान श्री रामचंद्र की जन्मभूमि पर अधिकार को लेकर करीब पांच शताब्दियों के कड़े संघर्ष के बाद आज शांतिपूर्ण ढंग से नये भव्य मंदिर का निर्माण औपचारिक रूप से आरंभ हो गया।

टेलीविजन के कैमरे के माध्यम से साक्षी बने देश-विदेश के करोड़ों लोगों की भावनाओं के ज्वार के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंदिर की नींव में चांदी की आधारशिला रखी। श्री मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने अयोध्या में रामलला के दर्शन किये। न केवल भारत बल्कि अनेक देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीय समुदाय के लोगों ने मोबाइल स्क्रीन, टीवी एवं कम्प्यूटर स्क्रीन पर इस कार्यक्रम को देखा और अपने-अपने घरों में दीये जला कर श्रद्धा प्रकट की। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि राम जन्मभूमि आज मुक्त हुई है और आज पूरा भारत राममय हो गया है। ये मंदिर आने वाली पीढ़ियों को आस्था, श्रद्धा, और संकल्प की प्रेरणा देता रहेगा। श्री राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा आयोजित इस भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी वायुसेना के विमान से लखनऊ पहुंचे और वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा अयोध्या पहुंचे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं न्यास के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

सुनहरे रंग के कुर्ते, भगवा अंगवस्त्र और सफेद धोती पहने बढ़ी हुई दाढ़ी एवं बालों में श्री मोदी राजनेता कम एक संत अधिक नजर आ रहे थे। वह सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचे और अयोध्या के सेनापति से भगवान के मंदिर के निर्माण की आज्ञा मांगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हनुमान जी के दर्शन-पूजन के बाद वहां के मुख्य पुजारी ने श्री मोदी को आशीर्वाद स्वरूप चांदी का मुकुट पहनाया। उसके बाद श्री मोदी श्रीराम जन्मभूमि परिसर में पहुंचे और वहां उनका स्वागत न्यास के सदस्य एवं प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेन्द्र मिश्र ने की। प्रधानमंत्री सबसे पहले अस्थायी मंदिर में विराजित रामलला के दर्शन के लिए गये। वह दोनों हाथ ऊपर करके ज़मीन पर लेट गये और रामलला को साष्टांग प्रणाम किया। रामलला की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पूर्ण भक्तिभाव से आरती की। उसके बाद श्री मोदी ने वहां भगवान विष्णु के प्रिय पारिजात वृक्ष की एक शाखा का रोपण किया। मध्याह्न करीब 12 बज कर सात मिनट पर प्रधानमंत्री भूमिपूजन स्थल पहुंचे। श्री रामजन्म भूमि के गर्भगृह वाले स्थान पर करीब 40 मिनट तक चले अनुष्ठान के बाद श्री मोदी ने 12 बजकर 44 मिनट 32 सेकेंड पर गर्भगृह में खोदे गये एक गड्ढे में रखी गयी चांदी की मुख्य कूर्मशिला पर मंत्रोच्चार के बीच गंध, अक्षत एवं पुष्प अर्पण किये। करीब 22 किलोग्राम 600 ग्राम वजन की मुख्य शिला के साथ ही पत्थर की आठ उपशिलाएं भी नींव में रखीं गयीं थी। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, राज्यपाल श्रीमती पटेल, मुख्यमंत्री तथा अयोध्या के पूर्व राजा एवं न्यास के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा सपत्नीक विराजमान थे। भूमिपूजन के पश्चात अपने साथ लाये गये सोने का एक छोटा कलश भी प्रधानमंत्री ने नींव में अर्पित किया। डॉ भागवत और श्रीमती पटेल ने भी नींव में अपने साथ लाये उपहार अर्पित किये। भूमिपूजन के अनुष्ठान में श्री मोदी ने राष्ट्रवासियों के प्रतिनिधि के रूप में यजमान बन कर शिरकत की।

भूमि पूजन के बाद अयोध्या में दिवाली

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमि पूजन के बाद शिलान्यास किया। अब मंदिर निर्माण शुरू हो जाएगा। वहीं आज अयोध्या में हर तरफ दिवाली मनाई जा रही है। यूपी के सीएम योगी दित्यनाथ ने पटाखे फोड़कर खुशी का इजहार किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राम मंदिर की आधारशिला रखना नए युग का प्रारंभ है और यह युग 'रामराज्य' और 'नए भारत के निर्माण' का है। यह नया युग लोककल्याण के लिए तपोमयी सेवा का है। यह युग रामराज्य का है। यह युग प्रभु श्री राम के आदर्शों के अनुरूप नए भारत के निर्माण का है।

opensearch

भारतीय संस्कृति की आधुनिकता का प्रतीक होगा राम मंदिर : मोदी

देश दुनिया के करोड़ो रामभक्तों के राम मंदिर के सपने को साकार करते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अयोध्या में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का मंदिर समृद्धता से परिपूर्ण भारतीय संस्कृति की आधुनिकता का परिचायक होगा और मंदिर के बनने से न सिर्फ पौराणिक नगरी की भव्यता बढ़ेगी बल्कि इस क्षेत्र का पूरा अर्थतंत्र बदल जायेगा। रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिये भूमि पूजन करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुये श्री मोदी ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण की प्रक्रिया राष्ट्र को जोड़ने का उपक्रम बनेगी। मंदिर के बनने के बाद पौराणिक नगरी की न सिर्फ भव्यता बढ़ेगी बल्कि इस क्षेत्र का पूरा अर्थतंत्र भी बदल जाएगा। श्रीराम का मंदिर भारतीय संस्कृति का आधुनिक प्रतीक बनेगा। यहां हर क्षेत्र में नए अवसर बनेंगे। पूरी दुनिया प्रभु राम और माता जानकी का दर्शन करने आएगी। श्री मोदी ने कहा कि राममंदिर के निर्माण की यह प्रक्रिया राष्ट्र को जोडने का उपक्रम है। यह विश्वास को विद्यमान से जोड़ने का,नर को नारायण से जोड़ने का, लोक को आस्था से जोड़ने का,वर्तमान को अतीत से जोड़ने का और स्वयं को संस्कार से जोडने का महोत्सव है।

उन्होने कहा कि श्रीराम का संदेश है अपनी मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर होती है।

भारतीय संस्कृति, सभ्यता के इतिहास में जुड़ा एक स्वर्णिम अध्याय : अमित शाह

नयी दिल्ली.एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भूमि पूजन को देश के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण पल बताया और कहा कि इससे भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा गया है और आज एक नये युग की शुरुआत हुई है। दिल्ली के समीप हरियाणा के गुरुग्राम में एक निजी अस्पताल में कोरोना संक्रमण का उपचार करा रहे श्री शाह ने अपने संदेश में कहा, ÷आज का दिन भारत के लिए एक ऐतिहासिक व गौरवपूर्ण दिन है।

प्रभु श्री राम की जन्मभूमि पर प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा भव्य राम मंदिर का भूमि पूजन व शिलान्यास किया गया, जिसने महान भारतीय संस्कृति व सभ्यता के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है और एक नए युग की शुरुआत की है।÷

गृह मंत्री ने कहा, ÷अयोध्या में राम मंदिर निर्माण सदियों से दुनिया भर के हिंदुओं की आस्था का प्रतीक रहा है।

आज श्री मोदी और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने राम मंदिर का भूमिपूजन करके करोड़ों लोगों की आस्था को सम्मान देने का काम किया है, इसके लिए मैं उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम जी के आदर्श एवं विचार भारतवर्ष की आत्मा में बसते हैं। उनका चरित्र एवं जीवन दर्शन भारतीय संस्कृति की आधारशिला है। राम मंदिर निर्माण से यह पुण्यभूमि अयोध्या पुनः विश्व में अपने पूर्ण वैभव के साथ जग उठेगी। धर्म और विकास के समन्वय से रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। उन्होंने कहा, ÷श्री राम मंदिर निर्माण असंख्य नाम-अनाम रामभक्तों के सदियों के निरंतर त्याग, संघर्ष, तपस्या और बलिदान का परिणाम है।

आज के दिन मैं उन सभी तपस्वियों को नमन करता हूँ जिन्होंने इतने वर्षों तक सनातन संस्कृति की इस अमूल्य धरोहर के लिए संघर्ष किया।

LOC पर बंदूक के साथ महिला सैनिक तैनात, खास मकसद के तहत दी गई जिम्मेदारी

श्रीनगर.एजेंसी

एलओसी पर बंदूक के साथ महिला सैनिकों की तैनाती हो गई है। ये अपने आप में एक नया रिकॉर्ड है। जम्मू कश्मीर की कुपवाड़ा में दल हजार फीट की ऊंचाई का इलाका साधना पास का वो इलाका जहां पर पहली बार महिला सैनिकों की ड्यूटी लगाई गई है। पाकिस्तान की सीमा से सिर्फ दस-बारह किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस इलाके में चौकस निगाहों से महिला जवान इलाके के चप्पे-चप्पे पर नजर रख रही हैं। लगभग 30 महिला सैनिकों का नेतृत्व कैप्टन गुरसिमरन कौर द्वारा किया जा रहा है। महिला दल का नेतृत्व कर रही कैप्टन कौर अपने परिवार की थर्ड जेनरेशन महिला सैन्य अफसर हैं। उनके पिता और दादा भी सेना में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। साधना पास पर तैनात ये महिला जवान असम राइफल्स का हिस्सा हैं। इन्हें खास मकसद के तहत जम्मू कश्मीर में तैनाती दी गई है। आर्मी के टॉप ऑफिशल के अनुसार असम राइफल्स की महिला सैनिकों की तैनाती स्मगलिंग को रोकने के लिए की गई है। इस इलाके से स्मलिंग की घटनाओं के इनपुट सेना को ज्यादा मिल रहे थे। उस रिपोर्ट के अंतर्गत महिला, बच्चों और लड़कियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। जिनको सेना के जवान सही से सर्च नहीं कर पाते थे।

800 महिलाओं को मिलिट्री पुलिस में शामिल करने की योजना

13 लाख सैनिकों की क्षमता वाली इंडियन आर्मी 1990 से सीमित संख्या में महिलाओं को ऑफिसर लेवल पर ही शामिल कर रही है। महिलाओं को इन्फेंट्री के फाइटिंग आर्म्स, आर्मर्ड कॉर्प्स, मेकनाइज्ड इन्फेंट्री और आर्टिलरी में शामिल नहीं किया जाता रहा। पिछले वर्ष आर्मी ने 50 महिलाओं को कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिसमें शामिल किया था जो अभी ट्रेनिंग के दौर से गुजर रही हैं। इंडियन आर्मी की योजना करीब 800 महिलाओं को मिलिट्री पुलिस में शामिल करने की है।

राजधानी दिल्ली में कोरोना रिकवरी दर में आंशिक कमी

नयी दिल्ली.एजेंसी

राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से बुधवार को उस समय चिंता की लहर दौर गयी जब इस वायरस से संक्रमण के 1076 नये मामले सामने आये और केवल 890 मरीज संक्रमण से मुक्ति पाने में कामयाब रहे। राहत की बात यह भी है कि मरीजों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 90 फीसदी के करीब पहुंच गयी है। इससे पहले मंगलवार को केवल 674 नये मामले सामने आये थे जबकि सोमवार को भी एक हजार से कम 805 नये मामले सामने आये थे। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी बुलेटिन के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 1076 नये मामलों की पुष्टि होने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा 1,40,232 तक पहुंच गया। इसी अवधि में 890 लोग इस वायरस के संक्रमण से निजात पाने से स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़कर 1,26,116 हो गयी है। कोरोना वायरस के संक्रमण से 11 और लोगों की मौत के बाद से मृतकों की संख्या बढ़कर 4,044 तक पहुंच गयी है। बुलेटिन के अनुसार राजधानी में कुल मरीजों में से 89.93 फीसदी मरीज स्वस्थ हो चुके हैं जबकि मंगलवार को रिकवरी दर 89.98 प्रतिशत जा पहुंची थी। इस प्रकार रिकवरी दर में आंशिक कमी दर्ज की गयी। राजधानी में निषिद्ध क्षेत्रों की संख्या में 18 की कमी आई है और यह अब घटकर481 रह गई है। मंगलवार को यह संख्या 499 तक पहुंच गयी थी। राजधानी में सक्रिय मामले बढ़कर 10072 हो गये हैं जो मंगलवार को 9897 रह गये थे। इनमें से 5227 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। अस्पतालों के 13,578 बेड में 10,583 खाली हैं। पिछले 24 घंटों में 16,785 लोगों की कोरोना वायरस की जांच हुई। दिल्ली में कुल जांच अब करीब 11 लाख के करीब 10,99,882 हो चुकी है। दस लाख की आबादी पर जांच का औसत 57,888 है।

साढ़े तीन साल बाद कुछ ऐसा दिखेगा राम मंदिर

अयोध्या.एजेंसी

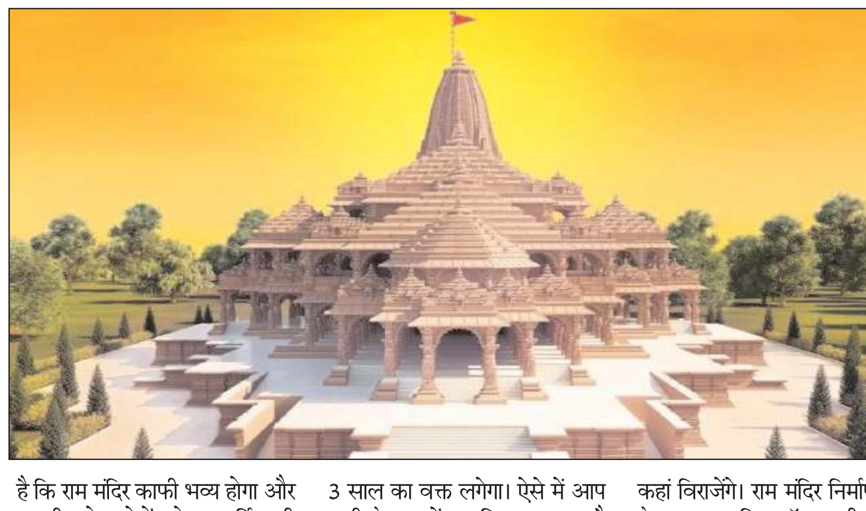

लगभग 500 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार राम मंदिर का सपना पूरा होता हुआ दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा भूमि पूजन के बाद अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही राम जन्मभूमि के सैकड़ों साल के अंधेरे इतिहास का पटाक्षेप भी हो गया। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ हुआ। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार केंद्र सरकार ने भी राम मंदिर ट्रस्ट का गठन कर दिया। 5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संस्कृति और इतिहास को मजबूत बनाने वाली राम मंदिर की आधारशिला रखी। यह माना जा रहा है कि राम मंदिर काफी भव्य होगा और अपनी ओर लोगों को आकर्षित भी करेगा। अभी कहा जा रहा है कि राम मंदिर के निर्माण में लगभग 3 से साढ़े 3 साल का वक्त लगेगा। ऐसे में आप सभी के मन में यह जिज्ञासा जरूर है कि आखिर यह मंदिर कैसा होगा और प्रभु श्री राम अपने भाइयों के साथ कहां विराजेंगे। राम मंदिर निर्माण ट्रस्ट के द्वारा प्रस्तावित मॉडल की तस्वीरें जारी कर दी गई है। इसके बाद हर राम भक्त भव्य मंदिर की कल्पना कर अभिभूत हो रहा है। पहले रामलला के मंदिर के लिए विश्व हिंदू परिषद का पुराना मॉडल हम सबके सामने था। इसे चंद्रकांत सोमपुरा ने तैयार किया था। फिलहाल पुराने डिजाइन को बदला गया है। इस बदलाव के कारण अब मंदिर की ऊंचाई, आकार, क्षेत्रफल और बुनियादी संरक्षण में काफी परिवर्तन देखने को मिलेगा। सबसे पहले हम आपको यह बता दें कि यह मंदिर 3 मंजिला इमारत होगा जिसे वास्तु शास्त्र के हिसाब से बनाया जाएगा। इस मंदिर में रामलला का गर्भ गृह बनेगा। उसी के ऊपर मुख्य शिखर बनाया जाएगा। पहले की तुलना में इस बार राम मंदिर की ऊंचाई में 33 फीट की वृद्धि की गई है। यही कारण है कि पहले की तुलना में अब इमारत में एक और मंजिल को बढ़ाना पड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस को छकाते 1990 में अयोध्या पहुंच गये थे सिंघल

सुलतानपुर। दशरथ नंदन प्रभु श्री रामचंद्र ने जिस रास्ते वन से अयोध्या वापसी की थी, सुल्तानपुर जिले के लगभग उसी रास्ते से होकर विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष दिवंगत अशोक सिंघल 1990 में छद्म वेश धारण कर पुलिस को छकाते हुए कार्यकर्ता की राजदूत मोटरसाइकिल से अयोध्या पहुंच गए थे। शासन और प्रशासन को खबर लगी तो सुरक्षा में लगे अधिकारियों के पैर तले जमीन खिसक गयी। अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि निर्माण के इतिहास में 23 और 24अक्टूबर 1990 की तारीख वह अहम पन्ना है जिसमें कारसेवा के लक्ष्य को पूरा करने के लिए विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष अशोक सिंघल को किसी भी दशा में अयोध्या पहुंचना ही था। संगठन की रणनीति के अनुसार उनकी अयोध्या यात्रा गोपनीय ढंग से तैयार की गई, इसकी भनक भी शासन और प्रशासन को नहीं लग पाई। सुल्तानपुर जिले के शाहपुर निवासी राम नायक पांडे ही वह विहिप नेता हैं, जिनकी मोटर साइकिल से अशोक सिंघल अयोध्या में दाखिल हुए थे। उन्होंने यूनीवार्ता से कहा कि देश में राम मंदिर के लिए आंदोलन शुरू हो चुका था।

मोदी ने भव्य राममंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया : शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कुशल नेतृत्व से न केवल पांच सौ वर्षों का विवाद समाप्त किया, बल्कि भगवान श्रीराम लला के भव्य मंदिर के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त किया। श्री चौहान ने ट्वीट के जरिये लिखा है ' भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने कुशल नेतृत्व से न केवल 500 वर्षों का विवाद समाप्त किया, बल्कि भगवान श्रीराम लला के भव्य मंदिर के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त किया। यह मा. मोदी जी की दृढ़ इच्छाशक्ति एवं श्रीराम की कृपा से ही संभव हुआ। भगवान श्रीराम के मंदिर के निर्माण का यह पुनीत कार्य श्री मोदी जी के शुभ हाथों से ही कराने की अद्भुत प्रभु कृपा के हम सब साक्षी हैं, यह हमारा सौभाग्य है। अपने सिलसिलेवार ट्वीट में श्री चौहान ने कहा 'देश में कई बड़े नेता हुए जिन्होंने देश का प्रभावी नेतृत्व किया। देश ने एक दशक के नेता देखे और एक शताब्दी के नेता भी देखे, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 5 शताब्दी (500 सालों) के नेता बने हैं।

राममंदिर निर्माण का काफी कुछ श्रेय उच्चतम न्यायालय को : माया

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने मंदिर निर्माण का श्रेय उच्चतम न्यायालय को देते हुए कहा कि अयोध्या विभिन्न धर्मों की पवित्र नगरी व स्थली है। उन्होंने कहा कि आज राम मंदिर निर्माण की नींव रखी जा रही है, जिसका काफी कुछ श्रेय उच्चतम न्यायालय को जाता है। बसपा को शुरू से ही यह कहना रहा है कि उच्चतम न्यायालय जो फैसला देगी उसे हमारी पार्टी स्वीकार करेगी। सुश्री मायावती ट्वीटकर कहा लेकिन इसका माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अन्त किया। साथ ही, इसकी आड़ में राजनीति कर रही पार्टियों पर भी काफी कुछ विराम लगाया। मा. कोर्ट के फैसले के तहत ही आज यहाँ राम-मंदिर निर्माण की नींव रखी जा रही है, जिसका काफी कुछ श्रेय मा. सुप्रीम कोर्ट को ही जाता है। उन्होंने कहा जबकि इस मामले में बी.एस.पी का शुरू से ही यह कहना रहा है कि इस प्रकरण को लेकर माननीय सुप्रीम कोर्ट, जो भी फैसला देगा, उसे हमारी पार्टी स्वीकार करेगी।

सदर अस्पताल में नवजात को बोतल से दूध पिलाने पर पूरी तरह रोक

समस्तीपुर। सदर अस्पताल में नवजात को बोतल से दूध पिलाने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। स्तनपान को बढ़ावा देने को लेकर दूध की बोतल मुक्त परिसर बनाया गया है। इस काम में मां का सहयोग जरूरी है। यदि विशेष परिस्थितियों में बच्चे को डिब्बा बंद दूध पिलाना हो तो चम्मच कटोरी की मदद लें न कि बोतल की। बोतल से दूध पीने से बच्चों को कई प्रकार के संक्रमण का खतरा रहता है। विश्व स्तनपान सप्ताह को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने इसे अमल में लाने की योजना बनाई है। स्तनपान नवजात और शिशु मृत्यु दर में कमी लाता है। साथ ही स्तनपान डायरिया, निमोनिया और कुपोषण से बच्चों को सुरक्षित रखने में कारगर साबित होता है। इसको लेकर कार्यपालक निदेशक मनोज कुमार ने इस बार के विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान जिला सदर अस्पताल सहित सभी प्रथम रेफरल इकाई को बोतल दूध मुक्त घोषित करने का निर्देश दिया है। मिल्क सब्सटीट्यूट एक्ट 1992 का वर्ष 2003 में संशोधन हुआ।

जम्मू-कश्मीर: शोपियां में सुरक्षा बलों पर आतंकवादी हमला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकवादियों ने बुधवार को सुरक्षा बलों पर हमला किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शोपियां के बोनबाजार में आंतकवादियों ने पुलिस तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के संयुक्त दल पर आज सुबह एक हथगोला फेंका और गोलीबारी की। सूत्रों ने कहा, 'सुरक्षा बलों ने भी आतंकवादियों की गोलीबारी का माकूल जवाब दिया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।' सूत्रों ने बताया कि आतंकवादी हथगोला फटने के कारण उठे धुएं का लाभ उठाकर भाग निकलने में कामयाब हो गये। सूत्रों ने कहा, 'अतिरिक्त सुरक्षा बल घटना स्थल पर पहुंच गये हैं और इस घटना में शामिल आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान शुरू कर दिया गया है।' दक्षिण कश्मीर में मंगलवार शाम से यह आतंकवादी हमले की तीसरी घटना है। पुलवामा के काजीगुंड तथा वानपोरा में मंगलवार को दो आतंकवादी घटनाओं में भारतीय जनता पार्टी के सरपंच तथा दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

नर्मदा नदी के तट पर भी बनेगा अयोध्या जैसा राम मंदिर

खरगोन। मध्य प्रदेश में भी राम की नगरी अयोध्या की तर्ज पर खरगोन में नर्मदा नदी के तट पर राम मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। इसका बुधवार को शिलान्यास किया गया। कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव की मौजूदगी में ग्रामीणों ने संकल्प लिया। खरगोन में नर्मदा नदी के तट पर महेश्वर जल विद्युत परियोजना प्रस्तावित थी, इसके चलते लेपा गांव के लगभग ढाई सौ परिवारों को यहां से लगभग एक दशक पहले चार किलोमीटर दूर बसाया गया था। बाद में यह परियोजना निरस्त हो गई। यहां निवासरत परिवार गांव को छोड़ गए थे मगर यहां स्थित श्रीराम का मंदिर नर्मदा जल से डूब गया था। अब पुर्नवास स्थल पर राम का मंदिर बनाने की योजना बनाई गई है। सामाजिक कार्यकर्ता भागीरथ पाटीदे ने कहा कि राम की नगरी अयोध्या में जब राम मंदिर की आधारशिला रखी जा रही थी, उसी समय इस लेपा गांव में भी राम मंदिर निर्माण का संकल्प लिया जा रहा था।

श्रीनगर : चिनार कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बी एस राजू और पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह, सिविल, प्रशासन, खुफिया एजेंसियों के अधिकारी श्रीनगर में घाटी में सुरक्षा स्थिति पर चर्चा करते हुए।

जयराम ठाकुर आज से कांगड़ा जिला के चार दिवसीय प्रवास पर

शिमला/एजेंसी। कोरोना के साथ जीने की विवशता को देखते हुए मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का चार दिवसीय कांगड़ा दौरा तय हो गया है। वीरवार को सुबह साढ़े 11 बजे अनाडेल हेलीपैड से गगल हवाई अडडा के लिए हेलिकाप्टर उड़ान भरेगा। प्रदेश के निचले क्षेत्रों में विकास को धार देने के लिए मुख्यमंत्री का दौरा अहम माना जा रहा है। धर्मशाला पहुंचने के बाद धर्मशाला मिनी सचिवालय में मुख्यमंत्री की घोषणाओं और कई तरह के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक लेंगे। पिछले चार महीनों के दौरान हुए विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया जाएगा। मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं प्रधान निजी सचिव डॉ. आरएन बत्ता की ओर से जारी दो दिवसीय दौरे की जानकारी दी गई है। सात अगस्त को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास एवं वस्त्र के साथ छठे राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर कुल्लू कथकरघा गांव को लेकर प्रेजेंटेशन दी जाएगी। प्रदेश में हथकरघा की स्थिति को लेकर केंद्रीय मंत्री को अवगत करवाया जाएगा।

जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र के तहत विभिन्न विकास योजनाओं की आधारशिला रखेंगे। सड़क मार्ग से बैजनाथ से पालमपुर जाएंगे और वहीं पर रात्रि विश्राम होगा। कांगड़ा जिला के चार दिवसीय दौरे के अंतिम दिन मंछेड़ा पुल का उद्घाटन करेंगे।

विश्वस्तनपान सप्ताह पर महिला संगोष्ठी

जयपुर। युवा जागृति संगठन व महिला एवं बाल विकास मंत्रालय खाद एवं पोषण बोर्ड भारत सरकार जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में जयसिंह पुरा खोर स्थित लिटिलस एकेडमी स्कूल मे महिलाओं के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम संयोजक दौलत त्रिलोकानी ने बताया कि कार्यक्रम में ओ पी सैनी, डॉ रेखराज चौहान, रिया लोकवानी, स्कूल डायरेक्टर सन्नी शर्मा, करन अलवानी, राजेश शर्मा, तिलक राज लोकवानी आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे सभी ने अपने अपने विचार दिए डॉ रेखराज चौहान व ओ पी सैनी ने कहा कि मां का प्रथम दूध शिशुओं के लिए प्रति रक्षक टीके की तरह कार्य करता है बच्चों को प्रसव के पश्चात यथाशीघ्र आधे घंटे के अंदर स्तनपान करवाना चाहिए डॉक्टर रेखराज जी ने कहा संतुलित आहार तथा एनीमिया के लिए भोजन द्वारा चिकित्सा के टिप्स दिए व कोरोना के बारे में कैसे बचाव करें बताया कार्यक्रम के अंत में संयोजक दौलत त्रिलोकानी व स्कूल डायरेक्टर सन्नी शर्मा ने आए हुए सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।

कोरोना काल में चुनाव पर राजनीतिक दलों को होगी 100 करोड़ से ज्यादा की बचत

पटना/एजेंसी। कोरोना काल में विधानसभा चुनाव की चहल-पहल के बीच राजनीतिक दलों के तौर-तरीकों में भी बदलाव दिखने लगा है। निर्धारित समय पर चुनाव हुए तो अब समर में कूदने के लिए समय शेष नहीं है। 2015 में अगस्त-सितंबर से ही प्रचार अभियान के साथ राजनीतिक दलों के स्टार प्रचारकों और नेताओं की यात्राएं शुरू हो गई थीं। इस बार आलम ये है कि हेलीकॉप्टर की बुकिंग ही नहीं हो रही है। 2015 में तीन माह के दौरान स्टार प्रचारकों और नेताओं की यात्रा में राजनीतिक दलों ने 59.32 करोड़ रुपये खर्च कर डाले थे। 2020 में इसका आकलन करें तो राशि सौ करोड़ के पार चली जाएगी। कोरोना काल में चुनाव हुए तो राजनीतिक दलों की यात्रा

मद की कम से कम सौ करोड़ की बचत होनी तय है। चुनाव के दौरान यात्रा का खर्च राजनीतिक दलों का दूसरा सर्वाधिक व्यय वाला मद माना जाता है। बचत का ये अनुमान बुधवार को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और नेशनल इलेक्शन वॉच द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव 2015 में राजनीतिक दलों के आय-व्यय पर जारी रिपोर्ट के आधार पर है। भाजपा, जदयू, कांग्रेस, राजद समेत छह राष्ट्रीय और नौ क्षेत्रीय दलों द्वारा चुनाव की घोषणा से चुनाव समाप्ति के बीच आयोग को आय-व्यय की दी गई जानकारी पर रिपोर्ट तैयार की गई है। इन राजनीतिक दलों को चुनाव के दौरान 151.28 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है और 150.99 करोड़ का खर्च। आमदनी का ज्यादा हिस्सा दलों को केंद्रीय मुख्यालय से ही प्राप्त बताया गया है। 130.45 करोड़ रुपये राजनीतिक दलों को केंद्रीय मुख्यालय से प्राप्त हुए हैं।

दलों ने चुनाव के दौरान सर्वाधिक खर्च प्रचार-प्रसार, जनसभाओं और रैलियों पर किए हैं। इस मद में राजनीतिक दलों के 74.97 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। उम्मादवारों को चुनाव लड़ने के लिए 46.61 करोड़ रुपये दिए गए थे। अन्य खर्चों में 9.90 करोड़ रुपये शामिल हैं। रिपोर्ट जारी करते हुए एडीआर ने राजनीतिक दलों को दान और चंदा देने वालों का ब्यौरा सार्वजनिक किए जाने की अनुशंसा की है।

opensearch

श्री राम मंदिर निर्माण पर संगीत बधाई गोष्ठी सम्पन्न

श्री राम मंदिर निर्माण से करोड़ों हिन्दुओ का आत्मविश्वास मजबूत हुआ : अनिल आर्य

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण की खुशी में संगीत बधाई गोष्ठी का आयोजन किया गया तथा श्री राम मंदिर निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। यह कॅरोना काल मे 69 वा वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि 493 वर्ष के लम्बे संघर्ष और बलिदान के पश्चात आज भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण अत्यंत प्रसनता देने वाला है। हम उन सभी बलिदानियों को नमन करते हैं। इससे विश्व में करोड़ों हिन्दुओ का आत्म विश्वास और स्वाभिमान मजबूत हुआ है। हमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्शो को जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी वीना वोहरा ने

कहा कि श्री राम कण कण में विद्यमान हैं हमे उनके संदेश को जन जन तक पहुचाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि श्री राम मंदिर निर्माण हिन्दू राष्ट्र निर्माण की दिशा में पहला कदम है, राष्ट्र प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर आगे बढ़ेगा। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि श्री राम से नयी युवा पीढ़ी प्रेरणा ग्रहण करेगी। प्रेरणा दायक गीतों से संगीता आर्या, पुष्पा चुघ, शान्ता तनेजा, नरेश खन्ना, किरण सहगल, डॉ रचना आहूजा, प्रवीन भाटिया आदि ने समा बांध दिया। आचार्य महेंद्र भाई, यशोवीर आर्य, दुर्गेश आर्य, चंद्र प्रभा अरोड़ा, सुदर्शन तनेजा, ओम सपरा, सुरेन्द्र शास्त्री ने भी अपने विचार रखे।

झारखंड में 9 हजार के करीब सक्रिय मरीज, 161 की मौत

रांची/एजेंसी। झारखंड में कोरोना अब हर ओर दस्तक दे रहा है। आम से लेकर खास तक संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। अब तक राज्य में कोरोना के सक्रिय मामले 9 हजार के करीब हो गए हैं और 161 मरीजों की मौत हो गई है। झारखंड में मंगलवार को कुल 415 नए मरीज मिले, जबकि छह मरीजों की मौत हो गई। इस बीच राहत की बात यह है कि मंगलवार को रिकॉर्ड 383 मरीज स्वस्थ भी हुए। जिन मरीजों की मौत हुई, उनमें जमशेदपुर के चार और लातेहार व रांची के एक-एक मरीज शामिल हैं। रांची जेल में दोनों पूर्व मंत्रियों के अलावा अन्य 16 कैदी व जेलकर्मी भी संक्रमित पाए गए हैं। यहां अब तक 32 कैदियों व 22 सुरक्षाकर्मियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आ चुकी है, जबकि 250 लोगों की रिपोर्ट आनी बाकी है। रांची के रिम्स में तीन माइक्रोबायलॉजी विभाग के टेक्नीशियन भी संक्रमित हुए हैं। वहीं, रांची में नामकुम के महाराणा प्रताप चौक के समीप रहने वाले एक परिवार के सात सदस्य कोरोना पॉजिटिव मिले हैं।

झारखंड में अब तक कोरोना मरीजों की कुल संख?या 14086 हो गई है। मंगलवार को 5,953 जांच हुई। राज्य में अबतक 3,45,907 लोगों की कोरोना जांच हुई है। राज्य में अब सक्रिय मरीजों की संख्या 8,726 हो गई है। वहीं, राज्य में अबतक 5,199 मरीज कोरोना को मात दे चुके हैं।

बस्तर संभाग में मिले कोरोना के 26 मरीज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में कोरोना संक्रमित 26 मरीज पाये गये। जिनमें से 25 केन्द्रीय सुरक्षा बल के जवान शामिल हैं। अधिकारिक जानकारी के अनुसार कोण्डागांव जिले में कल रात 26 कोरोना पॉजिटिव पाये गये। जवान छुट्टी से लौटने के बाद क्वारेंटाइन सेंटर में रखा गया था। जिसमें से केन्द्रीय सुरक्षा बल के 188 बटालियन के जवान शामिल हैं। वहीं नारायणपुर जिले में 9 और बीजापुर जिले में एक सरकारी कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाया गया। जवान छुट्टी से लौटने के बाद क्वारेंटाइन सेंटर में रखा गया था। इन सभी को जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए लाया जा रहा है।

प्रशासन ने नहीं होने दी डॉ फारूक के घर बैठक, गुप्कार रोड किया सील

श्रीनगर/एजेंसी। अनुच्छेद 370 की बहाली की युक्ति निकालने के लिए डॉ. फारुक अब्दुल्ला के निवास पर बुधवार को होने वाली सर्वदलीय बैठक नहीं हो पायी। नेकांध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. अब्दुल्ला के गुप्कार रोड पर स्थित घर की तरफ आने-जाने वाले सभी रास्ते प्रशासन ने बंद कर दिए हैं। यही नहीं बैठक में बुलाए गए नेताओं को भी उनके घरों से बाहर नहीं आने दिया जा रहा है। घरों के बाहर पुलिस जवानों की तैनाती कर दी गई है। डॉ फारुक अब्दुल्ला ने प्रशासनिक पाबंदियों को लोकतंत्र के खिलाफ बताते हुए कहा कि आज पूरा कश्मीर कैद है। डॉ. फारूक अब्दुल्ला के घर की ओर जाने वाले मार्ग पर कंटीली तारें बिछा दी गई है। कांग्रेस, सीपीआई (एम),

पीडीपी, जेकेपीएम, पीडीएफ समेत अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं को आज होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने के लिए डॉ अब्दुल्ला ने गुप्कार रोड पर स्थित अपने घर बुलाया था। सूत्रों का कहना है कि यह विभिन्न राजनीतिक दलों की बुलाई गई इस बैठक में अनुच्छेद 370 की पुन- बहाली पर चर्चा की जानी थी। कई नेताओं ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि सुबह से ही पुलिस को उनके घरों के बाहर तैनात कर दिया गया था। उन्हें घर में नजरबंद रखा गया है और घरों से बाहर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने अपने ट्वीटर हैंडल पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए लिखा कि एक साल बाद, आज यह गुप्कर रोड है - हमारे घर के सामने पुलिस वाहन लगे हैं, सड़क पर कंटीली तार बिछाई गई है, किसी वाहन को गुजरने की अनुमति नहीं है। मेरे पिता ने मौजूदा स्थिति पर विचार-विमर्श करने के लिए राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठक बुलाई थी। एक अन्य ट्वीट में, उमर ने लिखा यह स्पष्ट है कि बैठक करने की अनुमति नहीं दी जा रही है, भाजपा ने 5 अगस्त को जश्न के तौर पर मनाने की बात करते हुए 15 दिन के उत्सव की घोषणा की है परंतु मुट्ठी भर लोगों को मेरे पिता के लॉन में मिलने की अनुमति नहीं मिली।

501 दीपको से की आरती

जयपुर/ब्यूरो। आजाद हिन्द सेना युवा जागृति संगठन एवं मनीराम जी की कोठी व्यापार मंडल की ओर से आज अयोध्या में राम मंदिर निर्माण होने की खुशी में श्री शीतलेश्ववर महादेव मंदिर में 501 दीपको से आरती उतारी कार्यक्रम में आजाद हिन्द संस्थापक सुमित खंडेलवाल, समाजसेवी तुलसी त्रिलोकानी, युवा जागृति संगठन अध्यक्ष दौलत त्रिलोकानी, करन अलवानी हेमंत सिंघानिया राजन सरदार, रतन पंजवानी, दीपक सक्सेना, कैलाश चंद शर्मा, गिरधारी कृष्णानी, विक्की हरीरामानी, जय लालवानी, अनिल सोनी, जय सोनी ,विशाल खंडेलवाल, विशाल डेगाना, नवनीत सोनी, घनश्याम नारवानी, कैलाश पंडित, विनोद जयसिंघानी, आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बैंक कर्मी बन लोगों को ठगने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बैंक कर्मी बन लोगों को कम ब्याज पर कर्ज दिलाने के बहाने से कथित रूप से ठगने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया है। वह एमबीए किया हुआ है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मूल रूप से बिहार के सीवान का रहने वाला 28 वर्षीय हफीज उर रहमान फिलहाल दिल्ली के मदनगीर गांव में रहता है। पुलिस ने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब मंगलवार को कमल कुमार को ग्रेटर कैलाश-एक में स्थित बैंक से फोन आया, जहां उनका बचत खाता है। बैंक कर्मी ने उन्हें इस बात की पुष्टि करने के लिए कॉल की थी कि क्या उन्होंने 10 लाख रुपये निकालने के लिए एक चेक जमा कराया है। इसपर कुमार को शक हुआ, क्योंकि उन्होंने कभी भी इतनी बड़ी राशि का चेक नहीं दिया। कुमार बैंक पहुंचे और पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि पुलिस ने चेक जमा कराने वाले रहमान से पूछताछ की और बाद में उसे हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया, 'जांच में हमें पता चला कि कुमार ने दो करोड़ रुपये के कर्ज के लिए दो व्यक्तियों को तीन कैंसल्ड चेक दिए थे और रहमान उनमें से एक था। दोनों ने बैंक का कर्मी बनकर बड़ी राशि का कर्ज कम ब्याज पर और कुछ औपचारिकताओं के जरिए दिलाने के बहाने से पीड़ित से ठगी की थी। 'पुलिस उपायुक्त ने बताया कि ग्रेटर कैलाश थाने में मामला दर्ज कर लिया गया और रहमान को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके साथियों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान, रहमान ने खुलासा किया कि उसने तथा उसके साथियों ने अवैध तरीके से पैसे कमाने के लिए साजिश रची।

नरेला में दम्पत्ति की हत्या कर व्यक्ति ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला इलाके में एक व्यक्ति ने दम्पत्ति की चाकू मारकर कथित तौर पर हत्या करने के बाद खुद भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली।पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार देर रात की है।उन्होंने बताया कि दम्पत्ति और उनके पड़ोसी के बीच किसी बात को लेकर कोई झगड़ा हो गया था, जिसके बाद 50 वर्षीय आरोपी ने दम्पत्ति की चाकू मार कर हत्या कर दी।पुलिस ने बताया कि उसके बाद उसने घर जाकर कपड़े बदले और कथित तौर पर जहर खा लिया। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दम्पत्ति के दो बच्चे हैं, जिनकी देखभाल अभी उनके एक अन्य पड़ोसी कर रहे हैं। उनके रिश्तेदारों का इंतजार किया जा रहा है, जो बिहार में उनके पैतृक निवास से यहां आ रहे हैं।जांच में पता चला है कि आरोपी के दम्पत्ति और अन्य पड़ोसियों से पहले भी कई बार झगड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि घटना वाली रात हुए झगड़े के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) गौरव शर्मा ने कहा, ''हमें देर रात करीब दो बजकर 40 मिनट पर हत्या की जानकारी देने के लिए पीसीआर पर फोन आया था। वहां पहुंचने पर महिला और उसका पति मृत मिला। वहीं मोहम्मद मुश्ताक ने हत्या करने के बाद जहर खा लिया था और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।'' एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने पुलिस के पहुंचने पर छत से उन्हें देखा और फिर छिप गया। वह तब तक जहर खा चुका था। इस बीच एक पड़ोसी ने पुलिस को आरोपी को लेकर सतर्क किया और उसे पकड़ निया गया। पकड़े जाने के बाद उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

बाहरी दिल्ली के नरेला में कुछ लोगों ने गोलीबारी की, दो लोग घायल

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला में कथित रूप से एक समूह द्वारा की गई गोलीबारी में दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मंगलवार देर रात सागर और उसके तीन दोस्त.. संदीप, सागर और आदिल... कार से घर लौट रहे थे, तभी साबोली रोड पर दो बाइकों और एक कार में सवार छह लोग आए और उनपर गोलियां चलायीं। पुलिस ने बताया कि कार में ड्राइवर और उसके साथ वाली सीट पर बैठे सागर और संदीप घायल हो गए जबकि पिछली सीट पर बैठे उसके दोस्तों को कोई चोट नहीं आयी है। उन्होंने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि आरोपी पीड़ितों की जान-पहचान वाले हैं। पुलिस उपायुक्त (बाहरी-उत्तर) गौरव शर्मा ने कहा, ''सागर और संदीप को पास के अस्पताल में ले जाया गया। सागर को प्राथमिक चिकित्सा के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, लेकिन संदीप को दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। उसकी हालत स्थिर बतायी जा रही है।'' शर्मा ने बताया कि घटना में शामिल सभी लोगों की पहचान हो गई है। पुलिस को लगता है कि पैसे की लेनदेन में विवाद के कारण ऐसा हुआ है। जांच से जुड़े एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सागर कुछ दिन पहले तक आरोपियों में से किसी एक के साथ कपड़े का व्यापार करता था। उन्होंने बताया कि व्यापार में नुकसान के बाद उनमें मतभेद हो गया और सागर अलग हो गया। आरोपी ने बाद में सागर से बात करने की कोशिश की, लेकिन उसने इंकार कर दिया।

राम मंदिर निर्माण के आरम्भ पर विहिप कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने दी बधाई

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केन्द्रीय कार्याध्यक्ष एडवोकेट आलोक कुमार ने सभी देशवासियों तथा विश्वभर के रामभक्तों को भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर के निर्माण कार्य के शुभारम्भ पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। आलोक कुमार ने कहा है कि लगभग पांच शताब्दियों के सतत् संघर्ष, असंख्य बलिदानों तथा सात दशकों की कानूनी लड़ाई के बाद आई इस शुभ-घड़ी को साक्षात अपने नेत्रों से देख कर हम सभी आज भाव विव्हल हैं। यह सब भगवत् कृपा, पूज्य संतों-महापुरुषों के आशीर्वाद तथा मार्ग दर्शन के अतिरिक्त विश्व भर के रामभक्तों के पुरुषार्थ के कारण ही सम्भव हो सका है। अब हमें भगवान् श्री राम के आदर्शों व जीवन चरित को जन-जन में उतारना होगा जिससे भारत में रामत्व की पुनर्स्थापना हो सके। श्री कुमार ने कहा कि आज श्रीराम जन्मभूमि पर हुए इस ऐतिहासिक महापर्व में एकत्र दुनियाभर के श्रेष्ठ आध्यात्मिक संतों, महा-पुरुषों के साथ विभिन्न मत-पन्थ-सम्प्रदायों के धर्म गुरुओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं के एक साथ दर्शन का दृश्य भी अनूठा व अविस्मरणीय था। मंदिर निर्माण प्रारम्भ की खुशी में आज सम्पूर्ण भारत ही नहीं अपितु, विश्व भर में दीपावली मनाई जा रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जन्मभूमि पर उपस्थित प्रत्येक आगंतुक के साथ विश्वभर के राम भक्त अब भगवान के दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने में अपने-अपने तरीके से योगदान देंगे। विहिप कार्याध्यक्ष ने यह भी कहा कि अब हमें पृथ्वी पर रामत्व की स्थापना के लिए अग्रसर होकर देश से दरिद्रता, अस्वस्थता, विषमता, अशिक्षा व वेरोजगारी को मिटाकर सबको रोटी, कपडा और मकान के साथ शिक्षा व रोजगार हेतु जुटना होगा।

दिल्ली दंगे : अदालत ने पिंजड़ा तोड़ की सदस्य की जमानत अर्जी पर पुलिस से जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उत्तर पूर्व दिल्ली में फरवरी में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान सांप्रदायिक हिंसा से जुड़े एक मामले में बुधवार को महिला संगठन 'पिंजड़ा तोड़' की एक सदस्य की जमानत अर्जी पर पुलिस से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। निचली अदालत ने जेएनयू छात्रा देवांगना कलीता की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय ने अगली सुनवाई के लिए 14 अगस्त की तारीख तय की। कलीता और समूह की एक अन्य सदस्य नताशा नरवाल को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मामले में मई में गिरफ्तार किया था और उन पर दंगा फैलाने, गैरकानूनी तरीके से जमा होने तथा हत्या के प्रयास समेत आईपीसी की अनेक धाराओं में मामले दर्ज किये। उन पर दंगों में कथित रूप से पूर्व नियोजित साजिश का हिस्सा होने पर सांप्रदायिक हिंसा से जुड़े एक अन्य मामले में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

चारों ओर सुनाई पड़ा एक ही नाम-राम ही राम, राम ही राम

घरों में जहां लोग टी.वी.पर जमे रहे वहीं अनेक स्थानों पर स्क्रीन लगा श्रद्धालु सीधा प्रसारण देखते दिखे

नई दिल्ली (ओपन सर्च)

देश भर में चारों ओर राम मंदिर निर्माण की नीवं रखे जाने पर हर्षोल्लास के साथ लोगों नें नाचते गाते खुशी मनाते उत्सव मनाया। इस मौके पर मन्दिर सजाये गए, लोगो नें अपने घर सजाए, दीप जला उत्सव मनाया। अनेक स्थानों पर लड्डू व अन्य मिठाईयां बांट अपनी खुशी का इजहार किया। हर कोई रामजी के रंग में रंगता दिखा। महिलाओं में खास उत्साह दिखा।

घरों में जहां लोग टी.वी.पर जमे रहे वहीं अनेक स्थानों पर स्क्रीन लगा श्रद्धालु सीधा प्रसारण देखते दिखे। अनेक स्थानों पर इस तरह की व्यवस्था की हुई थी। कुल मिलाकर आज का दिन पूरा देश राममय नजर आया। अनेक स्थानों पर रामायण अखंड पाठ, सुंदर कांड पाठ, यज्ञ, हवन आयोजित किये गये। इस अवसर पर भंडारे भी खूब होते दिखे। आई.पी.विस्तार में कई सोसाइटी तीन दिनों से इस उत्सव की तैयारी में जुटी

थी वहां मुख्य द्वार से ले अनकर पार्क तक जन्माष्टमी की तरह सजाए गये थे। विवेक विहार में श्री राम मन्दिर की सजावट देखते ही बनती थी।

विवेक विहार डी.बलोक आर.डब्लू ए. प्रधान निर्मल गुप्ता के मुताबिक पूरे क्षेत्र में जबर्दस्त उत्साह रहा लोगो ने एक दुसरे को मिठाइयाँ बांटी। निर्मल गुप्ता ने बताया कोरोना काल में पहली बार लोगो में इतना आत्मविश्वास झलका। न्यू अशोक नगर से निगम पार्षद रजनी पाण्डेय के कार्यालय में कीर्तन रखा गया। इस अवसर पर बब्लू पाण्डेय, जय राम धामा, अनिल कुमार निशांत पाण्डेय, विद्या सागर सहित अनेक लोग मौजूद थे। रजनी पाण्डेय ने इस अवसर पर क्षेत्र के तमाम मन्दिरों के बाहर सफाई भी कराई। राम नगर विस्तार में शिव मन्दिर में दीप प्रज्वलन का शानदार आयोजन किया गया। इस मौके पर ब्राह्मण समाज के राष्ट्रिय अध्यक्ष पंडित जगदीश प्रसाद शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

कृष्णा नगर में कई स्थानों पर शिलान्यासका सीधा प्रसारण दिखाया जा रहा था। इस अवसर पर स्थाई समिति के पूर्व अध्यक्ष संदीप कपूर भी मौजूद थे। शाहदरा के बाबू राम स्कूल के पास शानदार आयोजन में लड्डू बांटे गए। इस अवसर पर मेयर निर्मल जैन, पूर्व डिप्टी मेयर संजय गोयल, एडवोकेट राजेन्द्र पाल सहित कई लोग मौजूद थे।

इस सदी का सबसे स्वर्णिम दिन है राम जन्म भूमि पर श्री राम मन्दिर शिलान्यास दिवस : महात्यागी

अयोध्या में बुधवार को राम मंदिर निर्माण की नीवं रखे जाने पर हर्षोल्लास के साथ लोगों नें नाचते गाते खुशी मनाते उत्सव मनाया। इस मौके पर मन्दिर सजाये गए, लोगो नें अपने घर सजाए, दीप जला उत्सव मनाया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय महात्यागी खालसा के श्री महंत एवं महामंडलेश्वर श्री राम गोविन्द दास महात्यागी जी महाराज (मुख्य महंत श्री सीताराम संत सेवा मन्दिर एवं गौ सेवा सदन स्थित चंदू पार्क 10 नम्बर पुरानी अनारकली कालोनी दिल्ली) ने कहा है कि विक्रमी संवत 2077 में भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वितीया (ईस्वी संवत 2020 का 5 अगस्त) का दिन इस सदी का सबसे स्वर्णिम दिन है। क्योंकि इस दिन अयोध्या में विश्व के करोड़ों हिन्दुओं की अटूट आस्था के प्रेरणास्रोत मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की जन्म स्थली पर लगभग 492 साल से चली आ रही कानूनी जंग के बाद प्रभु राम के भव्य मन्दिर का निर्माण शुरू हुआ है।

एनयूजे-आई के स्वर्ण जयंती वर्ष में होंगे साल भर आयोजन

अच्युतानंद मिश्र की अगुवाई में बनेगी आयोजन समिति, पत्रकारों में जागरूकता और एनयूजे के इतिहास पर होगी बात

नई दिल्ली.एजेंसी

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (इंडिया) अगले वर्ष अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस वर्ष प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के सफर में पत्रकारिता ने क्या हासिल किया? कोरोना काल में हम किस प्रकार पत्रकार धर्म को जीवित रख पाए? संगठन के तौर पर इस 50 वर्ष के कार्यकाल में हमने पत्रकारों के लिए क्या और कितना किया, इन तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों एक बरस तक चर्चा तथा मंथन और विश्लेषण किया जाएगा। देश के इस सबसे बड़े पत्रकार संगठन नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (इंडिया) का नेतृत्व अनेकों मूर्धन्य पत्रकारों ने किया है। संगठन ने अपने स्वर्ण जयंती वर्ष को पूरे देश भर में भव्य तरीके से मनाने की योजना तैयार की है। एन यू जे-आई के अध्यक्ष मनोज मिश्र तथा महामंत्री सुरेश शर्मा ने एक प्रेस बयान में बताया कि इस संबंध में ऑनलाइन बैठक हुई जिसमें निर्णय लिया गया कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व कुलपति तथा एन यू जे-आई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे अच्युतानंद मिश्र स्वर्ण जयंती आयोजन की अगुवाई करेंगे।

वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया जा रहा है। एनयूजे-आई के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेश शर्मा के मुताबिक पहला बड़ा और भव्य कार्यक्रम नई दिल्ली में होगा। एनयूजे-आई स्वर्ण जयंती वर्ष के बड़े कार्यक्रम देश के सभी राज्यों में होंगे। एक वर्ष बाद इसका समापन समारोह होगा। एनयूजे-आई के अध्यक्ष मनोज मिश्र ने बताया कि अगले वर्ष जनवरी में शुरू होने जा रहे एनयूजे-आई के स्वर्ण जयंती वर्ष के आयोजनों की तैयारियां शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष भर के कार्यक्रमों की पूरी रूपरेखा जल्द ही जारी की जाएगी। इन आयोजनों में देश के सभी क्षेत्रों में प्रतिष्ठित पत्रकारों को शामिल करके पत्रकार जागरूकता के इस अभियान को तथा राष्ट्रवादी पत्रकारिता आंदोलन को और ताकतवर किया जाएगा।

लूटपाट की घटना में व्यक्ति की मौत, एक घायल

नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली के तिलक नगर में अपने कार्यस्थल से घर लौटने के दौरान लूटपाट की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना में घायल हुए रंजन (25) को दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया जबकि धीरज (26) की बायीं जांघ पर चाकू से हमला किया गया था। वह अस्पताल की सघन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार की रात दोनों अपने कार्यस्थल से एक स्कूटर से घर लौट रहे थे। तिलक नगर में ब्लॉक-24 पार्क के पास बाइक पर सवार तीन लोगों ने उन्हें रोक लिया और उनसे लैपटॉप, मोबाइल फोन और नकदी लूट ली। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल पर स्कूटर पड़ा हुआ मिला और यह लूटपाट का मामला प्रतीत हो रहा है। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए जांच की जा रही है। रंजन के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया गया।

महात्मा गांधी के जीवन पर योग और गीता का पूरा प्रभव था : जीतराम भट्ट

नई दिल्ली.एजेंसी।

संस्कृत के अवसर पर आयोजित वेविनार योग एवं स्वच्छता पर महात्मा गांधी की अवधारणा पर अपने विचार रखते हुये दिल्ली संस्कृत अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा कि संस्कृत साहित्यों में योग एवं स्वच्छता को बहुत महत्व दिया गया है। आज के वर्तमान समय में इस महामारी के प्रकोप में दन के महत्व को सभी समझ रहे है। महात्मा गांधी ने अपने जीवन में इन दांनां को अपना श्रेष्ठ धर्म माना है और समय समय पर देश वासियों को इन्हें अपने के लिये प्रोत्साहित करते रहते थे। विश्व में शब्द सम्पदा को बढ़ाना है तो संस्कृत का आश्रय लेना होता है, महात्मा गांधी गीता को अपना आदर्श मानते थे। गीता कोई सूत्रग्रंथ नहीं है। गीता एक महान धर्मकाव्य है। हम उसमें जितने गहरे उतरेंगे उतने ही उसमें से नए और सुंदर अर्थ हमें मिलेंगे। गीता जनसमाज के लिए है, इसलिए उसमें एक ही बात को अनेक प्रकार से कहा गया है। गीता में आए हुए महान शब्दों के अर्थ प्रत्येक युग में बदलेंगे और व्यापक बनेंगे। परंतु गीता का मूल मंत्र नही बदलेगा। यह मंत्र जिस रीति से जीवन में साधा जा सके उस रीति को दृष्टि में रखकर जिज्ञासु गीता के महाशब्दों का मनचाहा अर्थ कर सकता है। गीता में ज्ञान की महिमा गाई गई है। गीता योग का साक्षात दर्शन है। स्वच्छता के बारे में महात्मा गांधी के विचारों के बारे में डॉ. भट्ट ने कहा कि 'देश के अपने भ्रमण के दौरान गांधी जी ने उल्लेख किया थ कि मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ गंदगी को देखकर हुई। इस संबंध में अपने आप से समझौता करना मेरी मजबूरी है।' 'गांव में रहने वाले प्रत्येक बच्चे, पुरुष या स्त्री की प्राथमिक शिक्षा के लिए, घर-घर में चरखा पहुंचाने के लिए, संगठित रूप से सफाई और स्वच्छता के लिए हर व्यक्ति की जिम्मेदारी होनी चाहिए'।

opensearch

राम मंदिर भूमि पूजन के अवसर पर दिल्ली में सजाए गए मंदिर, विशेष पूजा का आयोजन

नई दिल्ली.एजेंसी

अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन के अवसर पर बुधवार को दिल्ली के मंदिरों को रंग-बिरंगे प्रकाश और भगवा झंडों से सजाया गया तथा श्रद्धालुओं ने ''जय श्री राम'' के नारे लगाए। छतरपुर मंदिर के प्रशासक किशोर चावला ने बताया कि श्रद्धालुओं ने सुबह की पूजा संपन्न होते ही करीब छह बजे मंदिर में आना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा, ''पिछले तीन घंटे से लगातार पूजा चल रही है। 'राम दरबार' सजाया गया है। 'शिला' की प्रतिकृति बनाई गई है और अन्य सामग्री के साथ इसे अयोध्या भेजा जाएगा।'' मंदिर प्रशासक ने कहा कि 32 पंडितों ने भजनों और ढोलकों एवं डफलियों की थाप के बीच विशेष पूजा की। चावला ने बताया कि कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों के कारण सीमित लोगों को ही मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई। छतरपुर निवासी 57 वर्षीय अलंकार यादव ने कहा, ''यह सपना साकार होने जैसा है। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे यह दिन देखने का मौका मिला।'' बारिश के बीच मंदिर में 'राम लला' के दर्शन करने आई अनुकृति बंसल ने कहा, ''मैं इसे टेलीविजन पर देख सकती थी, लेकिन मैंने यहां आकर सुंदरकांड का पाठ करने का फैसला किया।'' करोल बाग के झंडेवालान मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने सुबह पांच बजे ही पहुंचना शुरू कर दिया। मंदिर के प्रबंधक विनोद गांधी ने बताया कि पूरे परिसर को रंग बिरंगे प्रकाश से सजाया गया है और पिछले 24 घंटे से रामायण का पाठ जारी है। पूजा के बाद मंदिर कर्मी प्रसाद वितरित करेंगे। मंदिर के कर्मियों ने बताया कि शाम को मंदिर में दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे और पटाखे चलाए जाएंगे। मध्य दिल्ली स्थित बिरला मंदिर के विनोद मिश्रा ने कहा कि मंदिर ने अपनी मिट्टी अयोध्या भिजवाई है जिसे राम मंदिर के निर्माण में इस्तेमाल किया जाएगा। श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा की, लगातार राम भजन गाए और कीर्तन किया।

अयोध्या में श्री राम मंदिर की आधारशिला रखे जाने के उपलक्ष्य पश्चिम विहार में कार रैली का आयोजन

नई दिल्ली (ओपन सर्च)

पश्चिम विहार के सभी मंदिरों के प्रतिनिधियों ने बुधवार को श्री राम जन्म भूमि अयोध्या में मंदिर की आधारशिला रखे जाने के उपलक्ष्य में हिन्दू स्वाभिमान को समर्पित सभी रामभक्तों के प्रति आभार प्रकट करने के हिन्दुओं के रक्षार्थ काम करने वाली संस्था 'शंखनाद' के तत्वाधान में धन्यवाद कार रैली का आयोजन किया गया। 'शंखनाद' संस्था के प्रान्त संयोजक धीरज कक्कड़ ने नारियल फोड़कर एवं वैदिक मंत्रोचारण के साथ रैली का आरम्भ किया।

इस रैली की जानकारी देते हुए जी-17 फेडरेशन के अध्यक्ष लोकेश मुंजाल ने बताया कि पीरागढ़ी के बाबा बालकनाथ मंदिर से रैली की शुरुवात हुई और विभिन्न मार्गों और मंदिरों से होते हुए श्री सनातन धर्म मंदिर अम्बिका विहार में रैली का समापन हुआ। रैली में जगह जगह रामभक्तों ने प्रसाद व जलपान की व्यवस्था और फूलमालाओं से रैली में भाग लेने वाले रामभक्तों का फूलमालाओं व गुलाब

की पंखडियाँ बिखेर कर स्वागत किया। इस रैली के समापन अवसर पर आयोजित समारोह में जी-17 फेडरेशन एवं अम्बिका विहार को-ऑपरेटिव ग्रुप हाऊसिंग सोसाइटी के अध्यक्ष लोकेश मुंजाल व मंदिर समिति ने पश्चिम विहार क्षेत्र के सभी मंदिरों की प्रबंध समितियों, धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का अंगवस्त्र उढ़ाकर एवं फूलमालाओं से स्वागत किया गया। इस रैली के समापन अवसर सभी का आभार ज्ञापित करते हुए जी-17 फेडरेशन के अध्यक्ष लोकेश मुंजाल ने बताया कि क्षेत्र के सभी मंदिरों के प्रधानों हमारे वरिष्ठ सहयोगी अनिल रावल, राकेश शौकीन, महावीर, राजकुमार जिंदल, अनिल किशनानी, शीतल, रोहित कुमार, राजकुमार सपरा, आरके मित्तल, शर्मा, श्रीमती कमलेश सूजी, राकेश सूरी, आर के मित्तल, आर के मलिक, ओबराय, पी.पी चोपड़ा, हंसराज मेहन्दीरत्ता आदि महानुभवों ने हिस्सा लेकर रैली को सफल बनाया।

लोकेश मुंजाल व उनकी टीम ने उपस्थित सभी श्रीराम भक्त व श्रद्धालुओं से अपील है कि 500 सालों के बाद यह ऐतिहासिक दिन आया है जो हम मिलकर भव्य राममंदिर की आधरशिला रखे जाने का उत्सव मना रहे हैं।

यूपीएससी एग्जाम में सफल हुए कैंडिडेट्स को दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने दी शाबाशी

नई दिल्ली (ओपन सर्च)

सिविल सेवा परीक्षा में सफल हुए कैंडिडेट्स में इस बार 5 ऐसे कैंडिडेट्स भी शामिल रहे, जिनका नाता दिल्ली पुलिस से है। इनमें दो अंडर ट्रेनी एसीपी, एक सेवारत कॉन्स्टेबल और दो सेवारत पुलिसकर्मियों के बच्चे शामिल हैं। बुधवार को पुलिस कमिश्नर एस.एन. श्रीवास्तव ने इन सभी सफल रैंक होल्डर्स से मुलाकात कर उन्हें इस सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं और कई विषयों पर उनके साथ बातचीत भी की। पुलिस कमिश्नर जिन सफल अभ्यार्थियों से मिले, उनमें देशभर में छठा स्थान हासिल करने वाली विशाखा यादव, 33वें स्थान पर आई नवनीत मान, 37वां स्थान हासिल करने वाली नतिशा माथुरा, 459वीं रैंक पाने वाली गरिमा, 475वें स्थान पर आए गौरव कुमार और 645वां स्थान प्राप्त करने वाले फिरोज आलम शामिल थे। कमिश्नर ने सभी को दिल्ली पुलिस की

तरफसे मोमेंटो देकर सम्मानित किया। साथ ही उनके द्वारा की गई कड़ी मेहनत की भी प्रशंसा की। कमिश्नर ने कहा कि आप लोगों की सफलता दिल्ली पुलिस के लिए गर्व का विषय है और इससे दिल्ली पुलिस में काम करने वाले अन्य कर्मचारियों और उनके बच्चों को भी भविष्य में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी। विशाखा यादव द्वारका जिले में तैनात दिल्ली पुलिस के एएसआई राजकुमार यादव की बेटी हैं, तो वहीं नवनीत मान के पिता इंस्पेक्टर सुखदेव सिंह मान दिल्ली पुलिस की विजिलेंस यूनिट में तैनात हैं। नतीशा और गरिमा प्रोबेशनर एसीपी हैं और पहले से ही झड़ौदा कलां स्थित दिल्ली पुलिस के ट्रेनिंग कॉलेज में ट्रेनिंग ले रहीं हैं। दोनों ने अपनी पिछली रैंकिंग में इस साल सुधार किया है। गरिमा दिल्ली पुलिस की पीसीआर यूनिट के तहत मॉडल टाउन में तैनात एएसआई किशन की बेटी हैं, तो वहीं गौरव कुमार सदर बाजार थाने में एडिशनल एसएचओ रह चुके दिवंगत इंस्पैक्टर वी.के. सिंह के बेटे हैं।

उधर, फिरोज आलम दिल्ली पुलिस में ही कॉन्स्टेबल हैं और इन दिनों हैदरपुर स्थित सीपीसीआर यूनिट में तैनात हैं। उन्होंने 2010 में दिल्ली पुलिस जॉइन की थी और वह लंबे समय से सिविज सर्विसेज की तैयारियों में जुटे हुए थे। उन्होंने अपनी कठिन ड्यूटी के साथ-साथ परीक्षा की तैयारी भी जारी रखी और अंततः सफलता प्राप्त की।

सर्वशक्ति सेना ने पूरे भारत में मनाया राम दिवस

नई दिल्ली.एजेंसी। अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राम मंदिर का शिलान्यास किया। यह पल देखने के लिए करोडो लोग बेहद उत्सुक हैं लेकिन कोरोना काल के चलते इस मौके पर केवल दो सौ लोगों की ही उपस्थिति रही। जैसा की अभी कोरोना के चलते अधिक लोग एकत्रित होने से संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है तो शासन-प्रशासन हर तरह का एहतियात बरत रहा है। यदि ऐसे में और अधिक वीआईपी लोगों की सूची तैयार की जाए तो एक हजार से ज्यादा लोग हो सकते हैं लेकिन ऐसा न करके फिलहाल मात्र 200 लोगों के ही नाम की सूची बनाई गई है।

लेकिन दुनिया में जहां भी रामभक्त है वहां अपनी तरीके से खुशियां मना रहे हैं। सर्व शक्ति सेना ने पूरे भारत में अपने ही अंदाज में इस दिन को पर्व मानते हुए कार्यक्रम किए। कहीं कीर्तन किया तो कहीं लड्डू बांटे तो कहीं दिये बाटे। संस्था के अध्यक्ष नीरज सेठी ने कहा कि यह देश ही दुनिया के गौरवान्वित करने वाला दिन हैं। हम आज इसे दीवाली की तरह मना रहे हैं। आज हर उस रामभक्त की तपस्या सफल हुई जिन्होंने इसके लिए संघर्ष किया। मैंने हमेशा से राम मंदिर बनने के संघर्ष किया। आज भगवान श्री राम से हमारा वादा पूरा हुआ। मेरे तमाम साथीबबलू घोगा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, जय सुमनक्षर प्रमुख दिल्ली, पवन खत्री राष्ट्रीय सचिव, सिला भाई, करमबीर सोलंकी रोहित, संकल्प दीपक गांधी व मोहित मालिक मौजूद थे।

सम्पादकीय...

ओपन सर्च

राम का काज पूरा

492 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा आखिरकार खत्म हो गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में बुधवार को 12 बजकर 15 मिनट और 15 सेकंड पर राम मंदिर का भूमिपूजन किया। खास बात यह है कि भगवान श्रीराम ने अभिजित मुहूर्त में जन्म लिया था और उसी मुहूर्त में मंदिर के लिए भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन के लिए गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, सिंधु, ब्रह्मपुत्र, सतलुज, रावी, चिनाब व व्यास समेत अन्य नदियां। रामभक्तों ने देश के प्रसिद्ध पवित्र कुंडों का जल भी अयोध्या लाया गया। साथ ही हल्दीघाटी, चित्तौड़, दुर्ग, स्वर्ण मंदिर के कुंड का जल व मिट्टी, वैष्णो देवी, मैसेकर घाट, सभी ज्योतिर्लिंगों के प्रांगण की मिट्टी, सरस्वती उद्गम स्थल का जल व रज, रविदास मंदिर काशी, बाबा साहेब आंबेडकर की इच्छा भूमि व संघ की उद्गम स्थली नागपुर की रज व पवित्र जल, मानसरोवर की पवित्र रज भी शामिल किया गया। वैसे तो अयोध्या अपने आप में इतिहास है। सप्तपुरियों में एक मानी जाने वाली इस नगरी को पांच बैकुंठों में एक साकेत से भी सुंदर नगरी की संज्ञा स्वयं भगवान राम ने दी है। माना जाता है कि महात्मा राजा मनु के लिए स्वयं भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी ने इसे धरती पर उतारा था। इसे विडंबना कहा जाए या संयोग कि इस नगरी में स्थित श्री रामजन्मभूमि स्थल पर मंदिर-मस्जिद का विवाद खड़ा हुआ और वह इतना लंबा खिंचा कि कई तारीखें इतिहास बनती और बनाती चली गई। ठीक वैसे ही जैसे 5 अगस्त की तारीख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों श्रीरामजन्मभूमि मंदिर की शुरुआत के साथ अयोध्या के इतिहास में जुड़ गई है। इसके साथ ही मोदने एक और इतिहास रचा। मोदी अयोध्या जाने वाले और रामलला के दर्शन करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए।

ऐसा नहीं है कि आजादी के बाद देश के प्रधानमंत्री अयोध्या गए नहीं। पर, अलग-अलग प्रायोजन से और इस स्थान से दूरी बनाते हुए। पिछले पांच दशकों में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी बतौर प्रधानमंत्री यहां आए तो लेकिन, जन्मस्थान से दूरी रखी।इंदिरा गांधी 1966 में नया घाट पर बने सरयू पुल का लोकार्पण करने आई फिर आचार्य नरेन्द्र देव विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में आई। इसके बाद 1979 में हनुमान गढ़ी दर्शन करने आई। राजीव गांधी भी प्रधानमंत्री रहते दो बार और पूर्व प्रधानमंत्री के रूप में एक बार आए। उन्होंने 1984 में चुनावी सभा को यहां संबोधित किया और फिर 1989 के लोकसभा चुनाव के अभियान की फैजाबाद (अयोध्या) से शुरुआत कर प्रतीकात्मक रूप से राम नाम के सरोकारों का सियासी लाभ लेने की कोशिश की। माना जाता है कि फैजाबाद (अयोध्या) से चुनाव प्रचार शुरू करने और रामराज्य की घोषणा के पीछे राजीव गांधी की मंशा 1986 में जन्मभूमि का ताला खुलवाने और नवंबर 1989 में शिलान्यास कराने के कामों का परोक्ष्य रूप से राजनीतिक लाभ लेने की थी। पर, कांग्रेस को पराजय का मुंह देखना पड़ा। इसके बाद राजीव कारसेवा आंदोलन की तपिश के बीच 1990 में सद्भावना यात्रा के सिलसिले में यहां आए। पर, जन्मभूमि मंदिर से दूर रहे। भाजपा की केंद्र में दो बार सरकार बनी और दोनों प्रधानमंत्री सीधे अयोध्या ही आए। मोदी से पहले अटल बिहारी वाजपेयी 2003 में अयोध्या आए थे। पर, मंदिर के निमित्त किसी सीधे अनुष्ठान में शामिल होने के बजाय इस आंदोलन के प्रमुख व शीर्ष चेहरे महंत रामचंद्र परमहंस के अंतिम संस्कार में शामिल होने।

यह बात दीगर है कि तब उन्होंने सरयू तट पर महंत की चिता के सामने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की उनकी इच्छा पूरी करने की घोषणा की थी। अब अटल जी की इच्छा भी पूरी हो गई है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण अब शुरू होने वाला है, तो यह पूरे देश के लिए गौरव का पल है। अयोध्या में राम का मंदिर कानून की कई कसौटी पर खरा उतरने के बाद यहां तक पहुंचा है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण दरअसल, जनआस्था से जुड़ा मामला है। शुरू से बहुमत मंदिर के पक्ष में रहा है। मगर लगभग सभी राजनीतिक दलों ने इसे सियासी मुद्दा बना दिया था, जिसके चलते यह और उलझता चला गया था। जबकि हकीकत यह भी है कि मुसलिम समुदाय के बहुत सारे लोग इस बात से सहमत थे कि विवादित भूमि पर राम मंदिर बनना चाहिए। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले का मुसलिम समुदाय ने भी स्वागत किया है। इस फैसले पर सद्भाव और सौहार्द्र का जैसा परिचय मिला है, वह निस्संदेह सराहनीय है। लगभग पांच सदी तक चले संघर्ष के बावजूद भक्तों को विश्वास था कि एक न एक दिन रामलला का भव्य मंदिर बनेगा और रामलला उसमें विराजेंगे। आज उस मंदिर का भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों हुआ है।

संघर्ष की जीत है राम मंदिर निर्माण

ललित गर्ग

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम मन्दिर का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में होना, नये भारत के अभ्युदय की शुभ एवं गौरवमय ऐतिहासिक घटना है, जो युग-युगों तक इस देश को सशक्त बनाने का माध्यम बनती रहेगी। हिन्दू धर्मशास्त्रों के अनुसार त्रेतायुग में रावण के अत्याचारों को समाप्त करने तथा धर्म की स्थापना के लिये भगवान विष्णु ने मृत्यु लोक में श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। आज असंख्य जनमानस की व्यापक आस्थाओं के कण-कण में विद्यमान श्रीराम के मन्दिर का निर्माण की शुभ शुरुआत होना, एक अनूठी एवं प्रेरक घटना है, एक कालजयी आस्था के प्रकटीकरण का अवसर है, जो भारत के लिये शक्ति, स्वाभिमान, गुरुता एवं प्रेरणा का माध्यम बनेगी। इससे हिन्दू राष्ट्र के निस्तेज होते सूर्य को पुनः तेजस्विता एवं गुरुता प्राप्त होगी।

श्रीराम मन्दिर निर्माण की भूमिका तक पहुंचने के लिये असंख्य लोगों की आस्था एवं भक्ति के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, भारतीय जनता पार्टी का लम्बा संघर्ष रहा है, यह मन्दिर निर्माण उनके सुदीर्घ संघर्ष की जीत है। इस जीत के बाद भी अभी और भी बहुत तरह के संघर्ष बाकी हैं। असली मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा तभी होगी जब हिन्दू समाज कुरीतियों-कुरूढ़ियों-विकृतियों मुक्त होगा, आडम्बर एवं प्रदर्शन मुक्त होकर समतामूलक समाज की स्थापना करेगा। भारत अपने आत्म-सम्मान एवं शक्ति को हासिल करते हुए सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं बौद्धिक-आर्थिक स्तर पर विश्व गुरु की भूमिका का निर्वाह करेगा। हमें शांतिप्रिय होने के साथ-साथ शक्तिशाली बनकर उभरना होगा, ताकि फिर कोई आक्रांता हमें कुचले नहीं, हम पर शासन करने का दुस्साहस न कर सकें।

सचमुच श्रीराम भारत के जन-जन के लिये एक संबल है, एक समाधान है, एक आश्वासन है, निष्कंटक जीवन का, अंधेरों में उजालों का। भारत की संस्कृति एवं विशाल आबादी के साथ दर्जनभर देशों के लोगों में यह नाम चेतन-अचेतन अवस्था में समाया हुआ है। यह भारत जिसे आर्यावर्त भी कहा गया है, उसके ज्ञात इतिहास के श्रीराम प्रथम पुरुष एवं राष्ट्रपुरुष हैं, जिन्होंने सम्पूर्ण राष्ट्र को उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व तक जोड़ा था। दीन-दुखियों और सदाचारियों की दुराचारियों एवं राक्षसों से रक्षा की थी। सबल आपराधिक एवं अन्यायी ताकतों का दमन किया। सर्वोच्च लोकनायक के रूप में उन्होंने जन-जन की आवाज को सुना और राजतंत्र एवं लोकतंत्र में जन-गण की आवाज को सर्वोच्चता प्रदान की। इस मायने में श्रीराम मन्दिर लोकतंत्र का

भी पवित्र तीर्थ होगा। भगवान श्रीराम अविनाशी परमात्मा हैं जो सबके सृजनहार व पालनहार हैं। दरअसल श्रीराम के लोकनायक चरित्र ने जाति, धर्म और संप्रदाय की संकीर्ण सीमाओं को लांघ कर जन-जन को अनुप्राणित किया। भारत में ही नहीं, दुनिया में श्रीराम अत्यंत पूज्यनीय हैं और आदर्श पुरुष हैं। थाईलैंड, इंडोनेशिया आदि कई देशों में भी श्रीराम आदर्श के रूप में पूजे जाते हैं। श्रीराम केवल भारतवासियों या केवल हिन्दुओं के मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं हैं, बल्कि बहुत से देशों, जातियों के भी मर्यादा पुरुष हैं जो भारतीय नहीं। रामायण में जो मानवीय मूल्य दृष्टि सामने आई, वह देशकाल की सीमाओं से ऊपर उठ गई। वह उन तत्वों को प्रतिष्ठित करती है, जिन्हें वह केवल पढ़े-लिखे लोगों की चीज न रहकर लोक मानस का अंग बन गई। इंडोनेशिया जैसे मुस्लिम राष्ट्र में नागरिक रामलीला का मंचन करते हैं तो क्या वे अपने धर्म से भ्रष्ट हो जाते हैं? इस मुस्लिम देश में रामलीलाओं का मंचन भारत से कहीं बेहतर और शास्त्रीय कलात्मकता, उच्च धार्मिक आस्था के साथ किया जाता है। ऐसा इसलिये संभव हुआ है कि श्रीराम मानवीय आत्मा की विजय के प्रतीक महापुरुष हैं, जिन्होंने धर्म एवं सत्य की स्थापना करने के लिये अधर्म एवं अत्याचार को ललकारा। इस तरह वे अंधेरों में उजालों, असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई के प्रतीक बने। श्रीराम मन्दिर बनना रामराज्य की परिकल्पना को साकार रूप देने का सशक्त माध्यम बनेगा।

आजाद भारत में संकीर्ण मानसिकता, तथाकथित धर्मनिरपेक्षता, घृणा, उन्माद, कट्टरवाद और साम्प्रदायिकता राजनीति के आधार बने एवं इस तरह की राष्ट्र एवं समाज तोड़क तत्वों से सत्ताएं बनती एवं बिगड़ती रही है। इस तरह की घृणित एवं तथाकथित राजनीति की जड़ें गहरी न होती तो श्रीराम मंदिर निर्माण कब का हो गया होता। अब जबकि श्रीराम मंदिर निर्माण होने जा रहा है तो हमें गर्व भी हो रहा है और इस तरह का आभास भी हो रहा है कि अब समाज एवं राष्ट्र को तोड़ने वाली ताकतों का वर्चस्व समाप्त होगा, राजनीति में भी स्वस्थ मूल्यों को बल मिलेगा। यह मन्दिर धर्म की स्थापना एवं बुराइयों से संघर्ष का प्रतीक बनेगा, जरूरत है अंधेरों से संघर्ष करने के लिये इस प्रेरक एवं प्रेरणादायी मन्दिर की संस्कृति एवं आस्था को जीवंत बनाने की। बहुत कठिन है धर्म की स्थापना का यह अभियान एवं तेजस्विता की यह साधना। क्योंकि कैसे संघर्ष करें घर में छिपी बुराइयों से, जब घर आंगन में रावण-ही-रावण पैदा हो रहे हों। हमें भगवान श्रीराम को अपना जीवन-आदर्श बनाना ही होगा, उनके साहस, संयम एवं मर्यादा के मूल्यों को जीवनशैली बनाना ही होगा। तभी श्रीराम मंदिर जीवनमूल्यों की महक एवं प्रयोगशाला के रूप में उभरेगा। क्योंकि श्रीराम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, अयुद्ध, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन का साम्राज्य स्थापित होगा।

श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मर्यादाओं के प्रतीक पुरुष हैं इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर-वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मर्यादाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुनः स्थापना की। लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मर्यादाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है। श्रीराम मन्दिर का शिलान्यास स्वयं की पहचान एवं अस्मिता को जीवंतता देने का अवसर है, जो हमें फिर से अपनी जड़ों को मजबूती देने के लिये सोचने का धरातल दे रहा है कि कथित धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा के जोश में हम अपने अतीत को अनदेखा नहीं करें, अपने गौरवमय अतीत को धुंधला न होने दे। यदि राष्ट्र की धरती अथवा राजसत्ता छिन जाये तो शौर्य से उसे वापस हासिल किया जा सकता है। यदि धन नष्ट हो जाए तो परिश्रम से कमाया जा सकता है, परन्तु यदि राष्ट्र अपनी पहचान ही खो दे तो कोई भी शौर्य या परिश्रम उसे वापस नहीं ला सकता। हमारे राष्ट्र की पहचान को धुंधलाने के अनेक षड्यंत्र एवं कथित दमनकारी इरादे हावी होते रहे हैं, लेकिन हमारी एकता एवं संस्कृति के प्रति आस्था ने उनके नापाक इरादों को कभी सफल नहीं होने दिया।

उपभोक्ता कानून : उपभोक्ताओं को ताकतवर बनाएगा नया कानून

योगेश कुमार गोयल

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार देश की जनता के उपभोक्ता अधिकारों को मजबूती प्रदान करने के लिए पिछले दिनों केन्द्र सरकार द्वारा 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू कर दिया गया। ग्राहकों के साथ आए दिन होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए बने इस कानून ने अब 34 वर्ष पुराने 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986' का स्थान ले लिया है। इस कानून के तहत उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए उपभोक्ता अदालतों के साथ-साथ एक सलाहकार निकाय के रूप में केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की स्थापना की व्यवस्था की गई है, जो उपभोक्ता अधिकारों, अनुचित व्यापार प्रथाओं और भ्रामक विज्ञापनों से संबंधित मामलों में पूछताछ और जांच करेगा। परिषद का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा और इसके अध्यक्ष केन्द्रीय उपभोक्ता मंत्री तथा उपाध्यक्ष केन्द्रीय उपभोक्ता राज्यमंत्री होंगे जबकि विभिन्न क्षेत्रों के 34 अन्य व्यक्ति इसके सदस्य होंगे।

नए कानून के लागू होते ही ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए कई ऐसे नए नियम भी लागू हो गए हैं. जो

नए कानून के तहत उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। पहली बार उपभोक्ता मध्यस्थता सेल के गठन का भी प्रावधान किया गया है ताकि दोनों पक्ष आपसी सहमति से मध्यस्थता का विकल्प चुन सकें।

opensearch

पुराने कानून में नहीं थे। इस कानून को क्रांतिकारी बताते हुए केन्द्रीय उपभोक्ता मंत्री रामविलास पासवान का कहना है कि पहले का उपभोक्ता कानून उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने की दृष्टि से समय खपाऊ था। नए कानून के तहत उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। पहली बार 'उपभोक्ता मध्यस्थता सेल' के गठन का भी प्रावधान किया गया है ताकि दोनों पक्ष आपसी सहमति से मध्यस्थता का विकल्प चुन सकें। हालांकि मध्यस्थता दोनों पक्षों की सहमति के बाद ही किया जाना संभव होगा और ऐसी स्थिति में दोनों पक्षों को उपभोक्ता अदालत का निर्णय मानना अनिवार्य होगा तथा इस निर्णय के खिलाफ अपील भी नहीं की जा सकेगी। नए कानून में प्रयास किया गया है कि दावों का यथाशीघ्र निपटारा हो। उपभोक्ता आयोगों में स्थगन प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ राज्य और जिला आयोगों को अपने आदेशों की समीक्षा करने का अधिकार भी दिया गया है।

देश में पारम्परिक विक्रेताओं के अलावा तेजी से बढ़ते ऑनलाइन कारोबार को भी पहली बार उपभोक्ता कानून के दायरे में लाया गया है। इससे ऑनलाइन कारोबार में उपभोक्ता हितों की अनदेखी इन कम्पनियों पर भारी पड़ सकती है। अब ई-कॉमर्स कम्पनियां खराब सामान बेचकर उपभोक्ताओं की शिकायतों को दरकिनार नहीं कर सकेंगी। किसी भी उपभोक्ता की शिकायत मिलने पर अब ई-कॉमर्स कम्पनी को 48 घंटे के भीतर उस शिकायत को स्वीकार करना होगा और एक महीने के भीतर उसका निवारण भी करना होगा। अगर कोई ई-कॉमर्स कम्पनी ऐसा नहीं करती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ई-कॉमर्स नियमों के तहत ई-रिटेलर्स के लिए मूल्य, समाप्ति तिथि, रिटर्न, रिफंड, एक्सचेंज, वारंटी-गारंटी, वितरण और शिपमेंट, भुगतान के तरीके, शिकायत निवारण तंत्र, भुगतान के तरीकों के बारे में विवरण प्रदर्शित करना अनिवार्य किया गया है। ई-कॉमर्स कम्पनियों को सामान के 'मूल उद्गम देश' का विवरण भी देना होगा। उपभोक्ता अधिकारों को नई ऊंचाई देने वाले नए कानून के तहत उपभोक्ता अब देश की किसी भी उपभोक्ता अदालत में मामला दर्ज करा सकेंगे। वे किसी भी स्थान और किसी भी माध्यम के जरिये शिकायत कर सकते हैं अर्थात् उपभोक्ता को अब उस स्थान पर जाकर शिकायत करने की आवश्यकता नहीं है, जहां से उसने सामान खरीदा है। नया कानून उपभोक्ताओं को इलैक्ट्रॉनिक रूप से शिकायतें दर्ज कराने और उपभोक्ता आयोगों में शिकायतें दर्ज करने में भी सक्षम बनाता है।

खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावट करने वाली कम्पनियों और भ्रामक विज्ञापनों पर निर्माता तथा सेलिब्रिटी पर जुर्माने तथा सख्त सजा जैसे प्रावधान भी एक्ट में जोड़े गए हैं। कम्पनी अपने जिस उत्पाद का प्रचार कर रही है, वह वास्तव में उसी गुणवत्ता वाला है या नहीं, इसकी जवाबदेही अब सेलिब्रिटी की भी होगी क्योंकि अगर विज्ञापन में किए गए दावे झूठे पाए गए तो उस पर भी कार्रवाई होगी। शरीर को आकर्षक बनाने वाले झूठे विज्ञापन दिखाने पर एक लाख रुपये तक जुर्माना और छह माह तक की कैद हो सकती है। इसके अलावा ऐसे उत्पादों से कोई नुकसान होने या मौत हो जाने पर बड़ा जुर्माना और लंबी सजा हो सकती है। भ्रमित करने वाले विज्ञापनों पर अब सीसीपीए को अधिकार दिया गया है कि वह जिम्मेदार व्यक्तियों को 2-5 वर्ष की सजा के साथ कम्पनी पर दस लाख रुपये तक का जुर्माना लगा सके। यही नहीं, बड़े और ज्यादा गंभीर मामलों में जुर्माने की राशि 50 लाख रुपये तक भी संभव है। सीसीपीए के पास उपभोक्ता अधिकारों की जांच करने के अलावा वस्तु और सेवाओं को वापस लेने का अधिकार भी होगा।

संसद द्वारा पिछले साल ही 'उपभोक्ता संरक्षण विधेयक 2019' को मंजूरी दे दी गई थी और यह नया कानून पहले इसी वर्ष जनवरी में और फिर बाद में मार्च में लागू किया जाना तय किया गया किन्तु मार्च में कोरोना प्रकोप और लॉकडाउन के कारण लागू नहीं किया जा सका। अब इसके लागू हो जाने के बाद उपभोक्ताओं की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई शुरू हो जाएगी। नए कानून के तहत अब कैरी-बैग के पैसे वसूलना कानूनन गलत होगा और सिनेमा हॉल में खाने-पीने की वस्तुओं पर ज्यादा पैसे लेने की शिकायत पर भी कार्रवाई होगी। पुराने उपभोक्ता कानून में पीआईएल या जनहित याचिका उपभोक्ता अदालतों में दायर करने का प्रावधान नहीं था लेकिन नए कानून के तहत अब ये याचिकाएं भी उपभोक्ता अदालतों में दायर की जा सकेंगी।

नए कानून के तहत कन्ज्यूमर फोरम में एक कराड़ रुपये तक के मामले जबकि राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (स्टेट कन्ज्यूमर डिस्प्यूट रिड्रेसल कमीशन) में एक करोड़ से 10 करोड़ तक के और राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में 10 करोड़ रुपये से ऊपर के मामलों की सुनवाई हो सकेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि नया उपभोक्ता कानून देश के उपभोक्ताओं को और ज्यादा ताकतवर बनाएगा तथा इसके तहत उपभोक्ता विवादों को समय पर और प्रभावी एवं त्वरित गति से सुलझाने में मदद मिलेगी।

राष्ट्रपति प्रणाली अपनाने से सही चलेगा लोकतंत्र

शशि थरूर

देश आज जिस शर्मनाक राजनीतिक छल-कपट का गवाह बन रहा है-हाल ही में कर्नाटक, मध्य प्रदेश और राजस्थान में-और सत्ता व धन के लिए निष्ठाएं पलटने को विधायकों की खरीद-फरोख्त केवल राजनीति में अनैतिकता या दौलतमंद सत्ताधारी पार्टी की मौकापरस्ती पर छाती पीटने का ही अवसर नहीं है। हम कभी सुर्खियों से आगे जाकर मूल समस्या को नहीं देखतेः वह प्रणाली जो इस शर्मनाक व्यवहार को संभव बनाती है। संसदीय प्रणाली जिसे हमने अंग्रेजों से अपना लिया भारतीय परिस्थितियों में कामयाब नहीं हो पाई है। समय आ गया है कि हम बदलाव की मांग करें।

तथ्य तो स्पष्ट हैं-हमारी संसदीय प्रणाली ने सांसदों व विधायकों की एक ऐसी विशिष्ट प्रजाति तैयार की है, जो काफी हद तक कानून निर्माताओं के रूप में तो अयोग्य हैं, पर चुनाव इसलिए लड़ते हैं कि कार्यकारी शक्तियां उनके हाथ लगें। इससे अस्थिर विधायी बहुमत पर आधारित सरकारें बनती हैं, जो नीतियां या परिणाम दिखाने के बजाय राजनीति पर ज्यादा ध्यान देती हैं। इससे मतदाता की वोटिंग पसंद विकृत होती है क्योंकि वह यह तो जानता है कि किस व्यक्ति को वोट देना चाहता है, पर आवश्यक रूप से यह नहीं जानता कि किन पार्टियों को। इससे ऐसी पार्टियों को बढ़ावा मिलता है जो व्यक्तिगत स्वार्थों के लिए बदलती रहती हैं, और स्पष्ट विचारधाओं की वाहक नहीं बनतीं। इससे सरकारों को मजबूर होना पड़ता है कि वे शासन पर कम केंद्रित हों और गठबंधन के न्यूनतम कार्यक्रमों पर ज्यादा। संसदीय प्रणाली हमें विफल कर चुकी है।

बहुलतावादी लोकतंत्र भारत का महानतम शक्ति है, परंतु इसको चलाने का हमारा वर्तमान तरीका हमारी प्रमुख दुर्बलताओं का कारण है। ऐसा इशारा भी करना आज एक अपवित्र राजनीतिक अपराध बन गया है। मैंने इस विषय पर कई राजनेताओं से बात की, परंतु उनमें से शायद ही कोई बदलाव पर विचार भी करने को तैयार है। इसका मुख्य कारण यह है कि वे जानते हैं कि वर्तमान प्रणाली में कैसे काम सिद्ध करना है और वे उन तौर-तरीकों को बदलना नहीं चाहते जिनके वे अभ्यस्त हैं।

हालांकि ब्रिटेन में तैयार हुई संसदीय प्रणाली-एक द्वीपीय देश जिसके हर चुनाव क्षेत्र में एक लाख से कम मतदाता हैं-ऐसी परंपराओं पर आधारित है जो भारत में उपस्थित नहीं। इनमें शामिल हैं स्पष्ट परिभाषित राजनीतिक पार्टियां, जिनमें से प्रत्येक की नीतियां और प्राथमिकताएं स्पष्ट हों और जो इसे दूसरी पार्टी से भिन्न बनाती हों। जबकि भारत में पार्टी अकसर एक सुविधा की वस्तु है जिसे राजनेता उसी प्रकार अपनाते या त्यागते हैं जैसे बालीवुड फिल्म अभिनेता जल्दी-जल्दी कपड़े बदलते हैं। एक पार्टी से अगली में कूद जाना-जो किसी अन्य संसदीय लोकतांत्रिक देश की राजनीतिक प्रणाली को सदमे में डाल दे-हमारे देश में आम और साधारण बात मानी जाती है।

एक असल पार्टी व्यवस्था के अभाव में, मतदाता पार्टियों के बीच नहीं अपितु व्यक्तियों के बीच चयन करता है, अकसर उनकी जाति के आधार पर, या उनकी सार्वजनिक छवि या अन्य व्यक्तिगत गुणों को देखते हुए। परंतु क्योंकि एक व्यक्ति उस बहुमत का हिस्सा होने के आधार पर चुना जाता है जो सरकार बनाए, पार्टी से संबद्धता मायने रखती है।

इसलिए लोगों से कहा जाता है कि अगर वे एक नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, या एक ममता बनर्जी या जगन रेड्डी को मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं, तो उन्हें किसी और को सांसद या विधायक के तौर पर वोट देना होगा ताकि अप्रत्यक्ष रूप से वह परिणाम पाया जा सके। यह ऐसी विकृति है जिसे केवल ब्रिटिश ही ईजाद कर सकते थे-एक विधायक को विधायी कार्य के लिए नहीं, बल्कि कार्यपालिका के निर्माण के लिए वोट दो। यह तथ्य कि संसद में दाखिल होने का मुख्य कारण सरकारी कार्यालय उपलब्ध करना होता है, चार विशिष्ट समस्याएं पैदा करता है।

पहला, यह कार्यकारी पद उनके लिए सीमित कर देता है जो चुनाव में जीतने योग्य हैं बजाय इसके कि जो योग्य हैं। प्रधानमंत्री अपनी पसंद का मंत्रिमंडल नियुक्त नहीं कर सकताय उसे कई राजनीतिक दलों के राजनेताओं की इच्छाओं को जगह देनी पड़ती है। (हां, वह राज्यसभा के रास्ते कुछ सदस्यों को ला सकता है, परंतु हमारा ऊपरी सदन भी बड़े पैमाने पर पूर्णतया राजनीति करने वालों के लिए ही बन कर रह गया है, इसलिए टेलेंट-पूल सही रूप से बढ़ नहीं पाया है।)

दूसरा, यह दलबदल और खरीद-फरोख्त को अधिक मूल्य देता है। वर्ष 1985 का दलबदल विरोधी कानून समस्या दूर करने में असफल रहा है, क्योंकि मोलभाव सरकार गिराने के लिए आवश्यक विधायकों से इस्तीफे दिलवाने की ओर पलट गया है और उनसे यह वादा किया जाता है कि उन्हें उपचुनाव जीतने पर पद दिया जाएगा।

तीसरा, कानून निर्माण प्रभावित होता है। अधिकतर कानून विधायिका द्वारा ड्राफ्ट किए जाते हैं-व्यवहार में नौकरशाही द्वारा-और उन्हें बनाने व पारित करवाने में संसदीय योगदान न्यूनतम होता है, बहुत से कानून मात्र कुछ मिनट की बहस के बाद पास हो जाते हैं। एक विधेयक बेरोकटोक पास हो, ऐसा सुनिश्चित करने के लिए सत्ताधारी दल अनिवार्य रूप से अपने सदस्यों को व्हिप जारी करता है और क्योंकि व्हिप का उल्लंघन उन्हें अयोग्य ठहरा सकता है, सांसद आंख मूंद कर पार्टी के निर्देश अनुसार अपना वोट देते हैं।

संसदीय प्रणाली कार्यपालिका से अलग विधायिका के अस्तित्व की अनुमति नहीं देती, जो स्वतंत्रता से अपनी सामूहिक सोच देश के कानून बनाने में इस्तेमाल कर सके। इससे जनता के प्रति सरकार का उत्तरदायित्व, उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से, कमजोर पड़ गया है।

चौथा, जो पार्टियां सरकार नहीं बना पातीं और जिन्हें अहसास होता है कि अधिकतम वोटों का परिणाम पहले से ही निश्चित है, उनके लिए संसद या विधानसभा पवित्र विचार-विमर्श करने का स्थान नहीं बल्कि एक ऐसा थियेटर बन जाता है जहां वे अपनी बाधा डालने की शक्ति का प्रदर्शन कर सकें। सदन का वैल-जो पुनीत होना चाहिए-विपक्षी सदस्यों के लिए भीड़ लगाने और धक्का-मुक्की का स्टेज बन जाता है, जहां वे तख्तियां दिखाते हैं और नारे लगाते हैं जब तक कि सभापति व्यवस्था बनाए रखने के तमाम निरर्थक प्रयासों के बाद निराशा में बैठक स्थगित नहीं कर दें। भारत की संसद में कई विपक्षी सदस्य महसूस करते हैं कि उनके विचारों की ताकत दिखाने का सर्वोत्तम तरीका कानून पर बहस करने के बजाय कानून-निर्माण बाधित करना है।

मौजूदा प्रणाली के समर्थक इसके बचाव में कहते हैं कि इसने देश को इकट्ठा रखने में मदद दी है और हर भारतीय को देश के राजनीतिक भाग्य में हिस्सा दिया है। परंतु यह लोकतंत्र ने किया है, संसदीय प्रणाली ने नहीं। हमारी वर्तमान प्रणाली ने जो नहीं किया और जो अन्य लोकतांत्रिक प्रणालियों ने किया होता, वह है प्रभावी परफार्मेंस सुनिश्चित करना। भारत की बहुत सी चुनौतियां ऐसे राजनीतिक प्रबंध चाहती हैं जो निर्णायक कदमों की अनुमति दें, जबकि हमारे इंतजाम लगातार लटकाने और निष्क्रियता को बढ़ावा देते हैं। हमारे यहां लोकतंत्र की ऐसी प्रणाली होनी चाहिए जिसमें नेता सत्ता में बने रहने के बजाय शासन पर ध्यान केंद्रित कर सकें। भारत में राजनीतिक प्रक्रिया जिस बदनामी में आ फंसी है, और हमारे राजनेताओं के मंतव्य के बारे में व्यापक अविश्वास, सीधे संसदीय प्रणाली के कामकाज में तलाशा जा सकता है। कार्यपालिका को विभिन्न प्रकार के विधायकों के एजेंडा का बंधक बनाना और कुछ नहीं बल्कि सरकारी अस्थिरता का नुस्खा है। और अस्थिरता ठीक वही चीज है जिसे भारत अपनी नाजुक आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों के चलते झेल नहीं सकता। राष्ट्रपति प्रणाली के पक्ष में मामला, मेरी नजर में, इससे स्पष्ट कभी नहीं था।

नई दिल्ली और हर राज्य में एक सीधे जनता द्वारा निर्वाचित मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्यकाल का स्थायित्व पाएगा। बदलती गठबंधन राजनीति के खतरों के बजाय, और विधायिका की मनमर्जी से परे। वह प्रतिभा से परिपूर्ण मंत्रिमंडल बना पाएगा।

और सबसे बढ़कर, वह अपनी ऊर्जा केवल सरकार को देने के बजाय शासन को समर्पित कर पाएगा। भारतीय मतदाता सीधे उस व्यक्ति को वोट दे पाएगा जिसका वह शासन चाहता है। और राष्ट्रपति भी सांसदों के बहुमत के बजाय सच्चे अर्थों में बहुसंख्यक भारतीयों की ओर से बोलने का दावा करने के योग्य होगा। एक पूर्व निर्धारित समय के अंत में, भारतीयों का जीवन बेहतर बनाने में प्रदर्शन के आधार पर जनता एक व्यक्ति को जांच पाएगी, न कि सरकार को बनाए रखने की राजनीतिक कुशलता के आधार पर।

संक्षिप्त समाचार

बेरुत विस्फोटों के पीड़ितों के प्रति गुतारेस ने संवेदनाएं व्यक्त की

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि वह बेरुत के बंदरगाह पर हुए भयानक विस्फोटों के बाद वह राहत कार्यों में ''सक्रियता से मदद'' कर रहा है तथा उसने लेबनान के लोगों तथा इस विस्फोट में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की।संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''महासचिव बेरुत में भयानक विस्फोटों के बाद लेबनान की सरकार और लोगों के साथ ही पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।''गुतारेस ने लेबनान में काम कर रहे संयुक्त राष्ट्र के कर्मियों समेत घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) ने कहा कि उसके समुद्री कार्य बल का एक जहाज क्षतिग्रस्त हुआ है जिससे यूएनआईएफआईएल के कुछ नौसैन्य शांतिरक्षक घायल हो गए और उनमें से कुछ की हालत गंभीर है। लेबनान की राजधानी बेरूत में मंगलवार को हुए एक भीषण विस्फोट में शहर के बंदरगाह का एक बड़ा हिस्सा और कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

भारत में हथियारों की बिक्री बढ़ाने की योजना बना रहा है अमेरिका: रिपोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिका, भारत में हथियारों की बिक्री बढ़ाने की योजना बना रहा है। मीडिया की एक खबर के अनुसार इन हथियारों में सशस्त्र ड्रोन भी शामिल हैं, जो 1,000 पौंड से अधिक बम और मिसाइल ले जा सकते हैं। भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद यह कदम काफी मायने रखता है। भारतीय सेना के 20 जवान 15 जून को हुई झड़प में शहीद हो गए थे। चीनी सैनिक भी हताहत हुए थे, लेकिन उसने इसकी आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी है। फॉरेन पॉलिसी' पत्रिका ने अमेरिकी अधिकारियों और संसद के सहयोगियों के साक्षात्कारों के आधार पर एक रिपोर्ट में कहा, ''(अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रम्प का प्रशासन भारत और चीन के बीच सीमा पर हिंसक झड़प के मद्देनजर भारत में हथियारों की बिक्री बढ़ाने की योजना बना रहा है, जिससे वाशिंगटन और बीजिंग के बीच तनाव का एक और मुद्दा खड़ा हो गया जाएगा।'' पत्रिका ने अधिकारियों के हवाले से कहा कि अमेरिका ने हाल के महीनों में भारत को नए हथियारों की बिक्री की योजना तैयार की है, ''जिसमें सशस्त्र ड्रोन जैसी उच्च स्तर की हथियार प्रणाली और उच्च स्तर की प्रौद्योगिकी शामिल हैं।'

हसीना ने मारे गए पूर्व सैन्य अधिकारी की मां से बात की, न्याय का भरोसा दिलाया

ढाका। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सेना के एक पूर्व अधिकारी सिन्हा राशिद चौधरी की मां से बात कर उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है। इस अधिकारी की पिछले महीने टेकनफ में मरीन ड्राइव रोड पर कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 31 जुलाई की शाम छह बजे टेकनपुर के बहरछरा यूनियन में शामलापुर पुलिस चेक पोस्ट पर चौधरी को कथित तौर पर गोली मारी गई थी। मंगलवार को चौधरी की मां नसीमा अख्तर के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान हसीना ने अपनी संवेदना व्यक्त की और कहा कि मामले की पूरी जांच की जाएगी। अख्तर ने कहा, प्रधानमंत्री ने मुझे फोन किया और मेरे बेटे की मौत पर सहानुभूति और संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा मैं भी आपके जैसी स्थिति में हूं। मेरे पास आपको इस तकलीफ से राहत देने के लिए कोई शब्द नहीं हैं। मैंने भी अपना पूरा परिवार खोया है। उन्होंने आगे कहा, मैंने प्रधानमंत्री से कहा .. मुझे अपना बेटा वापस नहीं मिलेगा, लेकिन मैं उचित जांच और न्याय चाहती हूं।

विस्फोट में एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक की मौत : स्कॉट

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मोरिसन ने कहा है कि लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए विस्फोट में एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक की भी मौत हुई है। श्री स्कॉट ने बुधवार को कहा, 'मैं इसकी पुष्टि कर सकता हूं कि इस घटना में एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक की मौत हुई है। हम फिलहाल उसकी बारे में और जानकारी नहीं दे सकते। हमारी सहानुभूति लेबनान के सभी नागरिकों के साथ है। यहां पर काफी संख्या में लेबनान तथा ऑस्ट्रेलिया के नागरिक रहते हैं और इस घटना के बाद वे सभी चिंतित होंगे।' उधर, अल जदीद न्यूज चौनल ने लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री हमद हसन के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि राजधानी बेरूत में मंगलवार को हुए विस्फोट में 50 अधिक लोग मारे गये हैं तथा लगभग 2500 लोग घायल हुए हैं। यह वारदात स्थानीय समयानुसार शाम 6:10 बजे हुई और इसमें दो भीषण विस्फोट हुए थे।

वैश्विक नेताओं ने लेबनान के प्रति व्यक्त की एकजुटता

बेरूत। दुनिया के तमाम नेताओं ने लेबनान के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए उसकी हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है। लेबनान की राजधानी बेरूत के पोत पर मंगलवार शाम को हुए एक भीषण विस्फोट में कम से कम 78 लोगों की मौत हो गयी है जबकि 4000 से अधिक अन्य लोग घायल हो गये। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए भीषण विस्फोट को भयानक हमला करार देते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। श्री ट्रम्प ने मंगलवार शाम को पत्रकारों से कहा, 'यह एक भयानक हमला प्रतीत होता है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका लेबनान के साथ खड़ा हुआ है और हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। इजरायल के राष्ट्रपति रूवेन रिवलिन ने कहा कि इजरायल के लोग अपने पड़ोसी देश लेबनान के लोगों का दर्द समझते हैं और संकट की इस स्थिति में उनकी हर संभव मदद करेंगे। श्री रिवलिन ने ट्विटर पर लिखा, 'हम लेबनान के लोगों का दर्द समझते हैं और उसे साझा करने के लिए इस चुनौतीपूर्ण समय में उनकी हर संभव मदद करने की पेशकश करते हैं।

ब्राजील में कोरोना संक्रमितों की संख्या 28 लाख के पार

रियो डि जेनेरो। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से गंभीर रूप से जूझ रहे लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 51,603 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या 28 लाख का आंकड़ा पार कर 28,01,921 हो गयी है। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों के दौरान इस महामारी से 1154 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 95 हजार के आंकड़े को पार कर 95,819 पहुंच गयी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोरोना संक्रमितों की संख्या के मामले में ब्राजील (28.01 लाख) पहले से ही अमेरिका (47.68 लाख) के बाद दूसरे स्थान पर है।

वैंकूवर : कनाडा के ब्रिटिश कोलम्बिया के वैंकूवर में क्लीन सोबर और प्राउड वॉक में लोग भाग लेते हुए।

श्रीलंका संसदीय चुनाव के लिए मतदान शुरू

कोलंबो। श्रीलंका में बुधवार को संसदीय चुनाव के लिए मतदान हो रहे हैं, जिसमें राजपक्षे परिवार द्वारा संचालित पार्टी के जीतने की संभावा है। इससे पहले यह चुनाव दो बार स्थगित कर दिया गया था। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और यह स्थानीय समय के अनुसार शाम पांच बजे तक जारी रहेगा। कोरोना वायरस महामारी की वजह से दो बार इस चुनाव को टालना पड़ा था। संसद के 225 सदस्यों के पांच साल तक के निर्वाचन के लिए चुनाव हो रहे हैं। करीब 1.6 करोड़ लोग 225 सांसदों में से 196 के निर्वाचन के लिए मतदान कर रहे हैं। वहीं 29 अन्य सांसदों का चयन प्रत्येक पार्टी द्वारा हासिल किए गए मतों के अनुसार बनने वाली राष्ट्रीय सूची से होगा। पहले यह चुनाव 25 अप्रैल को होने वाला था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर इसकी तारीख बढ़ाकर 20 जून की गई।

कोरोना से विश्व में लगभग सात लाख लोगों की मौत, 1.84 करोड़ संक्रमित

बीजिंग/जिनेवा/नयी दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है और इसके कारण अब तक लगभग सात लाख लोगों की मौत हो चुकी है तथा 1.84 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं। कोविड-19 के संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे, मेक्सिको तीसरे और ब्रिटेन चौथे स्थान पर है जबकि भारत मृतकों की संख्या के मामले में पांचवें स्थान पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार [illegible] विश्वभर में 69925[illegible] लोगों की मृत्यु हुई है तथा 18,4[illegible] लोग संक्रमित हुए हैं। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 4786829 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं तथा 156771 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 2801921 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 95819

लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों में 51,706 लोग स्वस्थ हुए तथा 857 की मृत्यु हुई। [illegible] देश में कोरोना से संक्रमित [illegible] लोगों की संख्या [illegible]08215 तथा मृतकों का आंकड़ा 39795 हो गया है।

बेरूत विस्फोट में 90 से अधिक लोगों की मौत, हजारों घायल

बेरूत/एजेंसी। लेबनान की राजधानी बेरूत में मंगलवार को हुए एक भीषण विस्फोट में शहर के बंदरगाह का एक बड़ा हिस्सा और कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसमें 90 से अधिक लोगों की जान चली गई और करीब 3,000 लोग घायल हो गए। जर्मनी के जियोसाइंस केन्द्र 'जीएफजेड' के अनुसार विस्फोट से 3.5 की तीव्रता का भूकम्प भी आया। विस्फोट इतनी भीषण था कि उसकी आवाज 200 किलोमीटर से अधिक दूरी तक सुनी गई। कोरोना वायरस और आर्थिक संकट से जूझ रहे देश में विस्फोट के बाद एक नया संकट आ खड़ा हुआ है। विस्फोट के [illegible] घंटे [illegible] भी एं[illegible] घायलों [illegible] अस्पताल पहु[illegible] रही थीं। अस्पतालों में घायलों की भीड़ है। विस्फोट का

कारण अभी पता नहीं चल पाया है लेकिन प्राथमिक रिपोर्टों के अनुसार आग के कारण बंदरगाह पर बने गोदाम में विस्फोट हो गया। वहीं [illegible] के हेलीकॉप्टर बंदरगाह [illegible] को बुझाने में मदद कर र[illegible] हैं। [illegible] के स्वास्थ्य मंत्री [illegible] बताया कि 70 से अधिक लोगों की जान गई है और 3,000 से अधिक लोग घायल हैं। लेबनान के सामान्य सुरक्षा के प्रमुख अब्बास इब्राहिम ने कहा कि हो सकता है कि धमाका अत्यधिक विस्फोटक सामग्री के कारण हुआ हो,जिसे कुछ समय पहले एक जहाज से जब्त किया गया था और बंदरगाह पर रखा गया था। स्थानीय टेलीविजन चौनल 'एलबीसी' ने बताया कि यह सामग्री सोडियम नाइट्रेट थी। वहीं इजराइल सरकार के एक अधिकारी ने पहचान उजागर ना करने की शर्त पर कहा कि इजराइल का विस्फोट के साथ ''कोई लेना-देना नहीं है''। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह विस्फोट एक हमला हो सकता है। ट्रम्प ने कहा, ''मैंने कुछ जनरलों से मुलाकात की और उनका मानना है कि यह किसी विनिर्माण गतिविधि के कारण हुआ विस्फोट नहीं था... उन्हें लगता है कि यह एक हमला था। यह कोई बम था।'' अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने बेरूत के लोगों के प्रति ''गहरी संवेदना'' व्यक्त की और कहा कि अमेरिका स्थिति पर करीबी नजर बनाए है।

opensearch

उष्णकटिबंधीय तूफान इसायस ने पूर्वी अमेरिका में मचाई तबाही

विंडसर/एजेंसी। अमेरिका के पूर्वी तट पर उष्ण कटिबंधीय तूफान 'इसायस' की वजह से बवंडर उठने और तेज बारिश के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। इससे पहले इसायस के कारण उत्तरी कैरोलाइना में तूफान की वजह से बाढ़ आने और आग लगने की घटनाओं में कई लोग विस्थापित हो गए। इसायस के कारण उत्तरी कैरोलाइना में दो लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा पेंसिल्वेनिया, मैरीलैंड और न्यूयार्क में एक-एक व्यक्ति की तेज बारिश और आंधी के कारण मौत हो गई। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार इसायस के कारण शुरुआत में 65 मील प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं लेकिन मंगलवार रात इनकी रफ्तार 50 मील प्रति घंटा हो गई। इसायस के उत्तर की ओर बढ़ने पर बाढ़ की चेतावनी जारी की गई

थी। फिलाडेल्फिया में शूइलकिल नदी में बुधवार को जलस्तर 15.4 फुट तक हो जाने की आशंका जताई गई है जो पिछले 150 साल से भी अधिक समय में सर्वाधिक जलस्तर है। बर्टी काउंटी बोर्ड ऑफकमीशनर्स के अध्यक्ष रोन वेसन ने बताया कि उत्तर कैरोलाइना में मंगलवार को दो लोगों की मौत हो गई और 12 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। उत्तर की ओर बढ़ते इसायस के कारण भारी बारिश होने और पेड़ों के गिरने का पूर्वानुमान जताया गया था। तूफान के कारण करीब 5,00,000 उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इससे पहले, ओशन आइल तट में चक्रवात से कई जगह पानी भर गया और पांच घरों में आग लग गई। यहां के मेयर डेबी स्मिथ ने यह जानकारी थी।

डब्ल्यूएचओ ने लेबनान को भेजी चिकित्सा मदद

संयुक्त राष्ट्र/एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने लेबनान में हुए भीषण विस्फोट के बाद उसकी मदद के लिए 500 घायल लोगों के लिए इलाज के लिए चिकित्सा उपकरणों के अलावा दवाईयां और 500 सर्जरी किट भी भेजने की घोषणा की है। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता इनास हमाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। श्री हमाम ने कहा, 'विस्फोट के बाद लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री की ओर से किए गए अनुरोध के आधार पर डब्ल्यूएचओ 500 घायल लोगों के लिए इलाज के लिए सभी आवश्यक चिकित्सा उपकरणों के अलावा दवाईयां और 500 सर्जरी किट भी भेज रहा है।' लेबनान की राजधानी बेरूत के पोत पर मंगलवार शाम को हुए एक भीषण विस्फोट में कम से कम 63 लोगों की मौत हो गयी जबकि 3000 से अधिक अन्य लोग घायल हो गये। इस भीषण धमाके के कारण बेरूत के रफीक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी नुकसान पहुंचा है। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता ने कहा कि संगठन लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री के अलावा उन अस्पतालों के नियमित संपर्क में है जहां घायलों का इलाज चल रहा है।

उन्होंने कहा, 'इस धमाके से प्रभावित हुए सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं हैं। लेबनान में मौजूद डब्ल्यूएचओ का मिशन देश में लोगों के बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना जारी रखेगा।' डब्ल्यूएचओ ने इस धमाके के बीच लेबनान के पड़ोसी देशों से एकजुट होने की अपील की है।

चीन के हार्बिन में गोदाम ढहने से नौ की मौत

बीजिंग। चीन के उत्तरी प्रांत हीलोंगजियांग की राजधानी हार्बिन में एक गोदाम के ढहने के कारण नौ लोगों की मौत हो गयी है। स्थानीय प्रचार विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी है। प्रचार विभाग ने बताया कि यह हादसा शहर के डाओली जिले में मंगलवार को सुबह 8:55 बजे घटित हुई। यहां पर एक खाद्य कंपनी का गोदाम धराशायी हो गया। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया गया और आज तडके 4:50 बजे तक नौ लोगों के शव बरामद किये गये। राहत और बचाव कार्य के लिए 350 सदस्यों को मौके पर भेजा गया था। इस सिलसिले में गोदाम मालिक, पट्टेदार, और पट्टिका को हिरासत में ले लिया गया है।

लेबनान में हुआ विस्फोट एक भयानक हमला, हम मदद के लिए तैयार : ट्रम्प

वाशिंगटन/एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए भीषण विस्फोट को भयानक हमला करार देते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। श्री ट्रम्प ने मंगलवार शाम को पत्रकारों से कहा, 'यह एक भयानक हमला प्रतीत होता है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका लेबनान के साथ खड़ा हुआ है और हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने कहा कि बेरूत में हुए भीषण धमाके की जांच के निष्कर्ष का अमेरिका इंतजार कर रहा है। श्री पोम्पियो ने एक वक्तव्य में कहा, 'हम समझते हैं कि लेबनान की सरकार इस धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए जांच में जुटी हुई है। हम जांच के निष्कर्ष का इंतजार कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और हर तरह से लेबनान की मदद करने के लिए तैयार है।' अमेरिका ने इस विस्फोट के बाद जहरीली गैसों का रिसाव होने की बात कही है और हादसे के आस-पास रहने वाले लोगों को घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। अमेरिकी विदेश

मंत्रालय ने एक परामर्श जारी करते हुए कहा, 'हम लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए धमाके की रिपोर्ट पर नजर बनाए हुए हैं। इस विस्फोट के बाद जहरीली गैसों का रिसाव होने की रिपोर्ट सामने आ रही है इसलिए हादसे के आस-पास रहने वाले लोगों को घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी जाती है।'

ग्रीन कार्ड पर रोक हटाएंगे, भारत के साथ सामरिक साझेदारी में निवेश करते रहेंगे : डेमोक्रेटिक पार्टी

वाशिंगटन/एजेंसी। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी ने अपने प्रस्तावित चुनावी घोषणा पत्र में कहा कि अगर वह नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में सत्ता में आती है तो ग्रीन कार्ड पर लगी रोक को खत्म करेगी और पहले की अर्जियों का निपटारा करने के लिए कदम उठाएगी। आधिकारिक रूप से परमानेंट रेजिडेंट कार्ड (पीआरसी) के तौर पर पहचाने जाने वाला ग्रीन कार्ड अमेरिका में प्रवासियों को दिया जाने वाला ऐसा दस्तावेज है, जो धारक को देश में स्थायी रूप से रहने का अधिकार देता है। घोषणापत्र में एच-1बी वीजा जारी करने की प्रक्रिया पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अस्थायी रोक लगाने के फैसले का विरोध किया गया है। इस चुनाव घोषणा पत्र को 2020 डेमोक्रेटिक पार्टी प्लेटफॉर्म कहा जाता है जिसे विस्कॉन्सिन में राष्ट्रीय सम्मेलन के

दौरान इसे मंजूरी दी जायेगी । 17 से 20 अगस्त तक होने वाले इस चार दिवसीय सम्मेलन के दौरान पार्टी पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन को तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से पार्टी का उम्मीदवार नामित करेगी । एच-1बी वीजा पर प्रौद्योगिकी कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों कर्मचारियों की भर्ती करने के लिए निर्भर रहती हैं। प्रस्तावित घोषणापत्र में कहा गया है, ''हम श्रम बाजार की जरूरतों के अनुसार स्थायी, रोजगार पर आधारित आव्रजन के लिए वीजा देने का समर्थन करते हैं। हम इस देश में प्रतिभाओं को आकर्षित करना और उन्हें संजोकर रखना चाहते हैं इसलिए डेमोक्रेट्स नए आव्रजकों के लिए ग्रीन कार्ड जारी करने पर ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाई रोक को खत्म करेंगे।'' 90 पृष्ठों के इस प्रस्तावित घोषणापत्र में कहा गया है कि बाइडेन प्रशासन लंबित आवेदनों का निपटारा करने के लिए अवरोधकों को हटाएगा और अमेरिकी आव्रजन प्रक्रिया को तेज, अधिक प्रभावी और कम खर्च वाली बनाएगा। साथ ही इसमें कहा गया है कि डेमोक्रेट्स मुस्लिम देशों के नागरिकों के देश में प्रवेश पर लगाई ट्रंप प्रशासन के रोक को भी हटाएंगे। उन्होंने कहा, ''हम ऐसा कानून लाएंगे जिससे कोई राष्ट्रपति फिर कभी ऐसा भेदभावपूर्ण प्रतिबंध लागू न कर सके।'' प्रस्तावित घोषणापत्र में कहा गया है कि सत्ता में आने पर जो बाइडेन प्रशासन के नेतृत्व में अमेरिका भारत के साथ सामरिक साझेदारी में निवेश करता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

विद्युत विभाग के खिलाफ खोला मोर्चा, सौंपा ज्ञापन

नोएडा। औद्योगिक शहर नोएडा की सामाजिक, आर्थिक, व्यापारिक और उद्योग से जुड़ी संस्थाओं ने बिजली वितरण व्यवस्था की आपूर्ति में आ रही समस्याओं और लॉकडाउन उत्पन्न रेशानियों को लेकर पश्चिमांचल विद्युत निगम के मुख्य अभियंता को ज्ञापन सौंपा है। मुख्य अभियंता को ज्ञापन सौंपते हुए नोएडा एंटरप्रिन्योर एसोसिएशन से विपिन मल्हन, फोनरवा से योगेन्द्र शर्मा व के के जैन, मौलिक भारत से अनुज अग्रवाल व उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल से नरेश कुच्छल और नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना। इन सभी संस्थाए द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि नोएडा शहर की बिजली आपूर्ति व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह से चरमराई हुई है। नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना ने कहा कि हम सभी कोरोना के आपातकाल से गुजर रहे हैं और उद्योग व्यापार ठप होने के कारण नौकरियां छीन जाने के कारण सभी लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में भी सभी लोग अपने बिजली का बिल समय पर दे रहे हैं, लेकिन भारी मात्रा में राजस्व प्राप्त करने के बाद भी विद्युत विभाग सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पा रहा है।

बच्ची को अपहरण कर ले जा रहे बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल

ग्रेटर नोएडा। देर रात हिंडन पुस्ते पर ऑटो में एक बच्ची को किडनैप कर ले जा रहे बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। इस दौरान पुलिस ने सफलतापूर्वक बच्ची को बदमाशों के चंगुल से मुक्त करा लिया। पुलिस ने बदमाशों के पास से ऑटो, तमंच और कारतूस बरामद किया हैं। ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी विशाल पांडे ने बताया कि एसएचओ नॉलेज पार्क रात को टीम के साथ हिंडन पुस्ते के टी पॉइंट पर चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान सफीपुर रोड से एक ऑटो गुजरा। पुलिस को ऑटो पर सवार लोगों की गतिविधिया संदिग्ध लगी। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन ऑटो नहीं रुका। इस बीच ऑटो से किसी के चिल्लाने की आवाज आई, मामले की गंभीरता देख पुलिस ने ऑटो का पीछा करना शुरू कर दिया। कुछ दूर जाने के बाद बदमाश ऑटो छोड़कर भागने लगे और पुलिस पार्टी पर फायर करने लगे। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैरो में गोली लगी, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रणदीप भाटी गैंग का शार्प शूटर समेत 5 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के जुनपत गांव में 2 अगस्त को एक घर में घुसकर फायरिंग व तोड़फोड़ करने वाले 5 शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर 01 देशी पिस्टल .32 बोर व 05 जिन्दा कारतूस, 02 तमंचे व 04 जिन्दा कारतूस आदि बरामद किया है। सूरजपुर थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि 2 अगस्त को जुनपत गांव निवासी संदीप शर्मा के घर में हुई फायरिंग व तोडफोड के सम्बन्ध में थाना सूरजपुर पर पंजीकृत मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त व ग्राम के हिस्ट्रीशीटर व वांछित अभियुक्त रोपी उर्फसुनील पुत्र बृजपाल, अतुल शर्मा पुत्र अनिल शर्मा, हितेश शर्मा पुत्र अनिल शर्मा, गौरव शर्मा पुत्र राजेन्द्र शर्मा एवं लोकेश पुत्र किरनपाल को आज एक सूचना के आधार पर ग्राम जुनपत से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गये अभियुक्तगणों मे रोपी उर्फसुनील रणदीप भाटी गैंग का शार्प शूटर है जो ग्राम जुनपत का मुख्य हिस्ट्रीशीटर है। गौरतलब हो कि दो दोस्तों के बीच आपस में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था।

एमिटी विवि में ''रियल एस्टेट पर कोविड 19 का प्रभाव'' पर हुआ वेबिनार

नोएडा। छात्रों को रियल एस्टेट पर कोविड 19 के प्रभाव एंव उससे उभरी चुनौतीयों और अवसरों की जानकारी प्रदान करने के लिए एमिटी इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में आशियाना हाउसिंग लिमिटेड के ज्वांइट मैनेजिंग डायरेक्टर अंकुर गुप्ता ने ''रियन एस्टेट पर को कविड 19 का प्रभाव'' पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर एमिटी इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल की श्रीमती काजल दूबे एंव गौरव भटनागर ने उनका स्वागत किया। आशियाना हाउसिंग लिमिटेड के ज्वांइट मैनेजिंग डायरेक्टर अंकुर गुप्ता ने ''रियल एस्टेट पर को कविड 19 का प्रभाव'' पर जानकारी देते हुए कहा कि हम अभी भी इस अनिश्चित महामारी के नतीजे के संदंभ में जानकारी नही है लेकिन पिछले चार पांच माह में कोविड ने रियल एस्टेट के क्षेत्र को काफी प्रभावित किया है। गुप्ता ने आशियाना हाउसिंग लिमिटेड के इतिहास एंव किस प्रकार कोविड 19 की चुनौतीयों का सामना किया इसकी जानकारी देते हुए कहा कि आशियाना हाउसिंग लिमिटेड एक 40 वर्ष पुरानी कंपनी है जिन्होनें अपना कार्य बिहार से प्रारंभ किया और आज दिल्ली, भिवाड़ी, कलकत्ता, चेन्नई और गुजरात में विभिन्न प्रोजेक्टों का संचालन कर रही है।

गौतमबुद्ध नगर जनपद में कोरोना वायरस संक्रमण के 105 नये मामले

नोएडा। उत्तर प्रदेश के जनपद गौतम बुद्ध नगर में बुधवार को कोविड-19 के 105 नए मामले सामने आए जबकि पिछले 24 घंटे के अंदर 60 मरीज ठीक हो चुके हैं। जनपद में मरने वालों का आंकड़ा 43 पर पहुंच गया है।जिला निगरानी अधिकारी डॉ मनोज कश्यप ने बताया कि बुधवार को कोविड-19 के 105 नए मामले सामने आए हैं जिसके साथ ही जनपद में अब तक 5,644 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए जा चुके हैं। कश्यप ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 60 लोगों को सफल उपचार के बाद स्पताल से छुट्टी दी गयी है और अबतक 4,658 मरीज ठीक हो कर अपने अपने घर जा चुके हैं। अधिकारी ने बताया कि जिले में 932 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। जनपद गौतम बुध नगर में कोरोनावायरस की वजह से 43 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है।

ब्रम्हचारी कुटी मन्दिर परिसर में 151 दीप प्रज्ज्वलित

नोएडा। अयोध्या में रामजन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन के ऐतिहासिक क्षण की खुशी में महंत ओम भारती के सानिध्य में सेक्टर-82 स्थित निरंजनी अखाड़ा ब्रम्हचारी कुटी मन्दिर परिसर में भगवान राम एवं अन्य स्थापित देवताओं का विधिवत पूजन किया गया। पूजन के उपरांत भक्तों द्वारा सुंदरकांड का पाठ किया गया। सायं को दीपोत्सव का कार्यक्रम हुआ जिसमें 151 दीपों को प्रज्ज्वलित कर मन्दिर परिसर को सजाया गया। दीपों द्वारा जय श्रीराम लिखा गया। जय श्रीराम के जयघोष से सम्पूर्ण वातावरण राममय हो गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक राघवेंद्र दुबे ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हम सभी की आध्यत्मिक चेतना के केंद्र बिंदु हैं।

संकल्प पूरा हुआ, सबके राम, सबमें राम : मोहन भागवत

अयोध्या। अयोध्या में आज श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमि पूजन हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर का भूमि पूजन किया। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत भी भूमि पूजन में शामिल हुए। इस दौरान अपने संबोधन में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज पूरा देश आनंद से भर गया है। आज हमारा संकल्प पूरा हुआ है। उन्होंने इस दौरान राम मंदिर के लिए बलिदान देने वाले संघ के लोगों को याद किया और उनके योगदान को सराहा। इस मौके पर मोहन भागवत ने भारत की प्राचीन परंपरा 'वसुधैव कुटुम्बकम' का जिक्र करते हुए कहा कि हमारा देश 'वसुधैव कुटुम्बकम' में विश्वास करता है यानि हमारे लिए विश्व एक परिवार है। हम सभी को साथ लेकर चलने में यकीन करते हैं।

भागवत ने कहा कि आज एक नए भारत की नई शुरुआत है। श्रीरान जन्मभूमि मंदिर के भूमि पूजन पर दिए गए अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि यह आनंद का क्षण है। उन्होंने कहा कि बहुत प्रकार से हमें आनंद है एक संकल्प लिया था, लेकिन मुझे याद है तब हमारे संघ के सरसंघचालक बाला साहब देवरस जी ने यह बात हमको कदम आगे बढ़ाने से पहले याद दिलाई थी। उन्होंने कहा था कि 30 साल काम करना होगा तब यह काम पूरा होगा। आज हमने उस संकल्प को पूरा कर दिया। इस संकल्प की पूर्ति का आनंद मिल रहा है। उन्होंने साथ ही कहा कि राम मंदिर के लिए अनेक लोगों ने बलिदान दिए हैं और वह सूक्ष्मरूप में यहां उपस्थित हैं। भागवत ने कहा कि ऐसे बहुत से लोग हैं जो आज यहां आ नहीं सकते। इस मौके पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के योगदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि आडवाणी जी अपने घर में बैठकर इस कार्यक्रम को देख रहे होंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में आनंद की लहर है। लोगों की सदियों की आस पूरे होने की खुशी है। सबसे बड़ा आनंद है भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिस आत्मविश्वास की आवश्यकता थी, जिस आत्म भान की आवश्यकता थी उसका शुभारंभ आज हो रहा है।

मऊ में नाव पलटने से तीन लोगों की मौत

मऊ/एजेंसी। सरयू में बुधवार दोपहर बाद एक नाव चक्की मुसाडोही में डूब गई। स्थानीय लोगों के अनुसार नाव पलटने के बाद कुछ लोगों को मौके से बचा लिया गया जबकि पांच अन्य लोग लापता हो गए हैं। उनकी खोजबीन के लिए पुलिस गोताखोरों को लगाया गया है। मऊ जिले के चक्की मुसाडोही में तेलिया कला जाते समय एक नाव बीच धारा के करीब पलट गई। आनन फानन कुछ लोगों को स्थानीय लोगों के सहयोग से बचा लिया गया तो कुछ तैरकर बाहर आ गए। नाव पर सवार बचे लोगों के अनुसार पांच लोग इस समय लापता हैं। अन्य लोगों की खोजबीन प्रशासन को सूचना देने के बाद की जा रही है। स्थानीय थाना क्षेत्र के चक्कीमुसाडोही में नाव पलटने से एक बड़ा हादसा हो गया। बाढ़ के चलते अपने परिवार और गृहस्थी के सामान के साथ बुधवार की शाम को चक्की मुसाडोही से देवरिया जनपद के तेलियाकलां स्थित राहत शिविर में शरण लेने जा रहे बाढ़ पीड़ितों की नाव पलट गई। इससे नाव पर सवार तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो अभी लापता हैं। ग्रामीणों और गोताखोरों के सहयोग से डूबे

लोगों की तलाश देर शाम तक जारी रही। दर्जनों लोगों के घरों में बाढ़ का पानी आ जाने से अरविंद अपनी मां के साथ अपने तीन बच्चों, राजेश अपनी लड़की के साथ तथा सीताराम की पत्नी बुधवार की शाम को अपने गांव से छोटी नाव से तेलियाकलां बाढ़ राहत शिविर जा रहे थे।

संक्रमित 25 सिपाहियों को बैरक में किया आइसोलेट

गोरखपुर। पुलिस ट्रेनिंग स्कूल (पीटीएस) में दीवान पद पर प्रमोशन की ट्रेनिंग चल रही है। विभिन्?न क्षेत्रों से सिपाही आए हुए हैं। इसमें 25 कोरोना संक्रमित मिल गए। उन्हें बैरक में ही आइसोलेट कर दिया गया। आज तक डॉक्टर उनके स्वास्थ्य की जांच करने नहीं गए, जबकि अनेक उम्रदराज सिपाही शुगर, बीपी व सांस की तकलीफ से परेशान हैं। स्वजन ने बताया कि वहां चस्पा किए गए हेल्पलाइन नंबर पर फोन करने पर कोई उठा नहीं रहा है। स्वजन का कहना है कि संक्रमित होने के बाद अधिकारियों ने उन पर ध्यान देना बंद कर दिया है। न तो उनका इलाज हो रहा है और न ही हल्दी-दूध दिया जा रहा है। जबकि अनेक की तबीयत खराब है। संक्रमित सिपाहियों को निगरानी में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम के सहयोग से जरूरत पड़ने पर दवाएं दी जा रही हैं। एक अधिकारी भी संक्रमित हैं। वह भी वहीं पर हैं। सभी सिपाही हमारे परिवार के सदस्य हैं। किसी को दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने होम आइसोलेट मरीजों की निगरानी के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्रों

की राष्?ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की ए व बी टीमों अब शहर में लगा दिया है। ये टीमें यहां कोरोना की रोकथाम के लिए प्रयास करेगी। डॉक्टर शहरी स्वास्थ्य केंद्रों पर वाहन के साथ जाएंगे और क्षेत्रीय स्वास्थ्य कर्मियों के साथ कोरोना पॉजिटिव मरीजों के घर जाकर उनकी जांच व इलाज करेंगे।

ऐतिहासिक क्षण पर बेहद भावुक हो गए गोरखपुर के सांसद रवि किशन

गोरखपुर। रामनगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर के भूमि पूजन के दौरान विश्व की निगाह पीएम नरेंद्र मोदी पर लगी थी। इस अवसर पर गोरखपुर के सांसद तथा भोजपुरी फिल्म के अभिनेता रवि किशन बेहद भावुक हो गए। वह तो मीडिया को राम मंदिर के भूमि पूजन पर अपनी प्रतिक्रिया देने के दौरान रोने लगे। सीएम योगी आदित्यनाथ की कर्मस्थली गोरखपुर से सांसद रवि किशन ने मंगलवार को अपने आवास पर सुंदरकांड का पाठ रखा था। अयोध्या में भूमि पूजन के दौरान वह गोरखपुर में अपने आवास पर समर्थकों के साथ सुंदरकांड में व्यस्त थे। सांसद रवि किशन अपने आवास पर सुंदरकांड का पाठ रखा। उन्होंने खुद पाठ व भजन कीर्तन किया। सांसद रवि

किशन ने कहा यह मंदिर का आरंभ नहीं एक नए युग का प्रारंभ है। भूमि पूजन के बाद उनके समर्थकों ने काफी प्रसन्नता व्यक्त की। इसी दौरान मीडिया से वार्ता के दौरान भाजपा सांसद रवि किशन बेहद भावुक हो गए। मीडिया ने जब उनसे राम मंदिर की आधारशिला रखे जाने पर अनुभव पूछा तो उन्होंने कहा की आदरणीय मोहन भागवत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महंत नृत्यगोपाल महाराज और उन कारसेवकों ने जिन्होंने रामजन्म भूमि के लिए अपने प्राण तक आहूत कर दिया उनको नमन करता हूं। उनके अथक प्रयास से आज हम फिर हिंदुत्व को एक उचित स्थान दिलाने में कामयाब हुए हैं। इनके लिए इसके लिए महापुरुषों को कोटि-कोटि धन्यवाद। सांसद रवि किशन ने अपने स्वर्गीय पिता जी को याद करके भावुक हो गए।

उन्होंने कहा कि अगर आज मेरे पिता जिंदा होते तो उनको आज का दिन उनके लिए सबसे बड़ा दिन होता, लेकिन आज वह नहीं है फिर भी जहां भी होंगे उनको संतुष्टि पहुंच गई होगी। सदर सांसद रवि किशन ने कहा कि गोरखनाथ मंदिर का अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि से बहुत पुराना नाता रहा है। उन्हें जितना साधुवाद दिया जाए वह कम ही है।

opensearch

श्रीराम के नाम पर जलाएं दीपक, प्राणों की आहुति देने वालों को करें नमन : धर्मगुरु

प्रयागराज। सदियों की प्रतीक्षा के बाद आज मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रोच्चार की कर्णप्रिय गूंज के बीच भूमि पूजन किया। पूजन के बाद श्रीराम मंदिर निर्माण का सिलसिला आरंभ हो गया। इस पावन घड़ी को यादगार बनाने के लिए हर सनातनी ने विशेष तैयारी की। घरों में पूजा-पाठ के साथ भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। संतों ने इस पल को यादगार बनाने के लिए शाम को श्रीराम के नाम पर दीपक जलाने व श्रीराम मंदिर आंदोलन में प्राणों की आहुति देने वाले संतों व कारसेवकों को नमन करने की अपील की है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य जगद्गुरु स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती कहते हैं कि प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण

होना राष्ट्र व हिंदू जनमानस के लिए बड़ी उपलब्धि है। हर सनातनी व मानवता पर विश्वास रखने वाले व्यक्ति अपने घर में दीपक जलाकर श्रीराम व हनुमान जी की स्तुति करें। प्रयाग पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी ओंकारानंद सरस्वती ने कहा कि प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण का कार्य निर्विघ्नता से संपन्न हो गया। सभी लोग हनुमान चालीसा व सुंदरकांड का पाठ करें। दीपक जलाकर मंदिर आंदोलन में प्राणों की आहुति देने वालों को नमन करें। जगद्गुरु घनश्यामाचार्य जी महाराज कहते हैं कि मैं आज उन संतों व कारसेवकों को नमन कर रहा हूं, जिन्होंने श्रीराम मंदिर आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति दी है। हर सनातनी उनके नाम से अपने पूजा घर में कम से कम पांच दीपक जलाएं। भारत रक्षा मंच के प्रभारी विश्वस्वरूप ब्रह्मचारी ने कहा कि आज कलियुग में प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक होने जैसा पल है। राष्ट्र की दशा आज के बाद बदल जाएगी।

स्वर्णिम पल को यादगार बनाने को टीवी के समक्ष जुटे लोग

प्रयागराज/एजेंसी। अयोध्या में श्री राम मंदिर के भूमि पूजन को लेकर प्रयागराज के लोगों में जबरदस्त उत्साह और रोमांच रहा। आलम यह था कि भूमि पूजन कार्यक्रम कार्यक्रम को देखने के लिए लोग घरों में परिवार के साथ टीवी के समक्ष डटे रहे। वहीं जिन्हें आवश्यक कार्य से बाहर निकलना था या ऑफिस में जो मौजूद थे, वह वहीं टीवी प्रोग्राम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण समाप्त होने तक देखते रहे। वहीं दूसरी ओर बाहर सड़कों और बाजार में सन्नाटा भी पसरा रहा। राम मंदिर के भूमि पूजन को लेकर शहरवासी प्रफुल्लित हैं। हर तरफ उल्लास व दीपोत्सव जैसा माहौल सुबह से ही रहा। कस्बों व प्रमुख बाजार के साथ ही गांवों में भी राम भक्तों ने

इस स्वर्णिम पल को यादगार बनाने के लिए पहले ही सभी तैयारियां मुकम्मल कर ली थी। भूमि पूजन समारोह का लाइव प्रसारण देखने के लिए अधिकांश लोगों ने अपने मोबाइल का डॉटा तथा डिस रिचार्ज करवा कर उन्हें दुरुस्त करवा लिया था। मंदिर आंदोलन में शामिल क्षेत्र के कई बुजुर्ग नेताओं के जेहन में कारसेवा के दौरान पुलिस एवं खुफिया तंत्र की निगाह से बचने के लिए पगडंडियों के सहारे पैदल अयोध्या पहुंचने की स्मृतियां एक बार फिर ताजा हो गई। भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के क्रम में भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल न हो सकने वाले लोगों ने कार्यक्रम का टीवी चैनलों पर लाइव प्रसारण देखा।

सोशल मीडिया हुआ राममय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाया 'पधारोराम अयोध्या धाम'

लखनऊ/एजेंसी। रामनगरी अयोध्या के साथ ही उत्तर प्रदेश तथा देश का पांच सौ वर्ष का लम्बा इंतजार आज समाप्त हो गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के लिए भूमि पूजन करने के साथ ही आधारशिला भी रखी। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या इसके बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी छाई रही। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का भूमि पूजन कार्यक्रम न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विकस्तर पर आस्था और आकर्षण का केंद्र बना रहा। इसका साक्षी सोशल मीडिया बना। जहां ट्विटर पर हैश टैग पधारोराम अयोध्याधाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नंबर-1 पर ट्रेंड कर रहा था। वैश्विक कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण लाखों की संख्या में लोग

भले ही इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके मगर उन्होंने अपनी भावनाएं और आस्था सोशल मीडिया पर जमकर व्यक्त की। इस दौरान लोगों ने इस ऐतिहासिक एवं दिव्य कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा एक संत के शासन में अयोध्या बिल्कुल त्रेतायुग जैसी नजर आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभिजीत मुहूर्त में रामजन्म भूमि स्थल पर मंदिर का शिलान्यास कर रहे थे, जिस पर देश और दुनिया की निगाहें लगी हुई थीं। ऐसे में लोगों ने अपनी भावनाएं व्यक्त करने का जरिया सोशल मीडिया को बनाया और ट्विटर पर हैश टैग पधारोरामअयोध्याधाम के साथ जमकर पोस्ट किया गया। बुधवार प्रात: 5 बजे से ही पधारो राम अयोध्या धाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नंबर-1 में ट्रेंड कर रहा था।

इस दौरान दुनियाभर से लाखों लोग राम मंदिर के प्रस्तावित मॉडल की तस्वीरें, दीपोत्सव कार्यक्रम व योगी सरकार द्वारा दुल्हन की तरह सजाई गई अयोध्या की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे थे। इसी कारण ही आज सुबह से ही पधारोरामअयोध्याधाम दिनभर टॉप-1 में ट्रेंड करता रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामचरित मानस की चौपाई लिखते हुए ट्वीट किया।

काशी में रामजन्मभूमि पूजन का छाया उत्साह

वाराणसी/एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अयोध्या के राम जन्म भूमि पूजन को लेकर एक दिन पूर्व से ही आस्थावानों का उत्साह चरम पर नजर आया। काशी से भी कई दिग्गज जहां अयोध्या में हुए आयोजन में शामिल हुए वहीं न जा पाने वालों ने टीवी पर ही आयोजन का प्रसारण देखकर खुशियां मनाई। भूमि पूजन के दौरान काशी में आस्था का कोई ओर छोर नहीं रहा। हर मंदिर हर शिवाले पर हर हर महादेव और जय श्री राम के बोल ने काशी से राम के नेह का नाता जोड़ दिया। कांची मठ की ओर से अयोध्या में रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के निमित्त आयोजित भूमि पूजन समारोह को समर्पित किया गया ताम्र पत्र भेजा गया है। इसे शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती के निर्देशानुसार वाराणसी मठ प्रबंधक सुब्रह्मण्यम मणि ने काशी में बनवाया। इसे लेकर दो अगस्त की रात ही वह अयोध्या पहुंचे थे। सुबह कांचीपुरम से आई पंचरत्न की पुड़िया, शंकु, ताम्र पत्र आदि का अयोध्या स्थित कांची मठ में पूजन

किया गया और शंकराचार्य के प्रतिनिधि के तौर पर सुब्रह्मण्यम मणि लेकर उत्सव स्थल पहुंचे थे। दूसरी ओर सुरक्षा कारणों से घाट से लेकर बाबा दरबार तक सुरक्षा बल चहलकदमी करते रहे और संकट मोचन मंदिर की बैरिकेडिंग कर फोर्स का कड़ा पहरा बैठा दिया गया।

साइरस मिस्त्री को बाहर करने का फैसला सुखद नहीं था : रतन टाटा

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप के पूर्व चैयरमैन रतन टाटा ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि साइरस मिस्त्री को बाहर करने का निर्णय सुखद नहीं था, लेकिन उसमें टाटा ग्रुप कि गरिमा के अनुरूप गुणों की कमी थी। रतन टाटा और साइरस मिस्त्री के कानूनी दांव-पेच के बीच यह एक नया मोड़ आया है। टाटा ने अपने प्रतिउत्तर में साइरस मिस्त्री को ट्रोजन हॉर्स कहते हुए कहा कि उसके द्वारा किया गया कार्य और लगाए गए आरोप मर्यादाहीन हैं। टाटा ने अपने नवीनतम हलफनामे में कहा, मैं विनम्रता के साथ यह कहता हूं कि यदि यह मामला मेरे प्रदर्शन का मूल्यांकन है और मैंने अपने कार्यकाल के दौरान टाटा समूह के लिए क्या किया है, तो यह दूसरों को तय करना है। मैं सम्मानपूर्वक इस तरह की बहस से बचूंगा। अपने जीवन के इस पड़ाव में, मैं अपने प्रदर्शन का समर्थन या बचाव नहीं करना चाहूंगा।

इससे पहले टाटा संस द्वारा राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के 18 दिसंबर के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती देने के एक दिन बाद टाटा संस के पूर्व प्रमुख सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। अक्टूबर 2016 में टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में मिस्त्री को बर्खास्त किए जाने के बाद टाटा समूह और शापूरजी पल्लोनजी समूह अपनी दो निवेश फर्मों के माध्यम से एक लंबी कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं। 18 दिसंबर 2019 को नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल ने साइरस को आरोपों से मुक्त करते हुए उनके पक्ष में फैसला दिया। ट्रिब्यूनल ने उन्हें फिर से टाटा सन्स का चेयरमैन नियुक्त करने का आदेश दिया था। इसके बाद टाटा संस ने ट्रिब्यूनल के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। बता दें रतन टाटा के रिटायर होने के बाद साइरस मिस्त्री 2012 में टाटा संस के छठे चेयरमैन बने। उनको अक्टूबर 2016 में उनके पद से हटा दिया गया था। दो महीने बाद मिस्त्री की ओर से उनके परिवार की दो इन्वेस्टमेंट कंपनियों- साइरस इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड और स्टर्लिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्प ने टाटा सन्स के फैसले को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की मुंबई बेंच में चुनौती दी थी।

कोरोना के इलाज में काम आने वाली एक और दवा आई, जानें सबसे सस्ती कौन

एजेंसी, नई दिल्ली। दवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लुल्यूपिन ने बुधवार को कोविड- 19 के हल्के और कम गंभीर रोगियों के इलाज के लिये दवा फेविपिराविर को 'कोविहाल्ट ब्रांड नाम के साथ बाजार में उतारा है। इसकी एक गोली का मूल्य 49 रुपये रखा गया है। लुल्यूपिन ने शेयर बाजारों को भेजी नियामकीय जानकारी में कहा है कि फेविपिराविर को आपात स्थिति में इस्तेमाल के लिये भारत के औषधि महानियंत्रक से अनुमति मिल गई है। इसमें कहा गया है कि कोविहाल्ट में दवा की मात्रा को प्रशासन की सुविधा को ध्यान में रखते हुये विकसित किया गया है। उसने कहा कि यह दवा 200 मिलीग्राम की गोली के रूप में 10 गोलियों की स्ट्रिप के रूप में उपलब्ध होगी। प्रत्येक गोली का दाम 49 रुपये रखा गया है। लुल्यूपिन के भारत क्षेत्रीय फार्म्यूलेशन (आईआरएफ) के अध्यक्ष राजीव सिब्बल ने कहा कि कंपनी को तपेदिक जैसे तेजी से फैलने वाले संक्रमण रोगों को व्यवस्थित करने के क्षेत्र में जो अनुभव है उसका लाभ वह उठा सकेगी।

फ्ल्यूगार्ड की एक गोली की कीमत 35 रुपये

वह अपने मजबूत वितरण नेटवर्क और मैदानी क्षेत्र में काम करने वाले कार्यबल के बलबूते देशभर में कोविहाल्ट की पहुंच सुनिश्चित कर सकेगी। इससे पहले सन फार्मा ने भी फेविपिराविर को ''फ्ल्यूगार्ड ब्रांड नाम के तहत बाजार में उतारा है। उसने अपनी एक गोली की कीमत 35 रुपये रखी है।

जेनेरिक दवा फेविविर की एक गोली का दाम 59 रुपये

वहीं हेटेरो समूह का हिस्सा हेटेरो लैब्स ने भी कोविड- 19 के इलाज में काम आने वाली फेविपिराविर जेनेरिक दवा पेश की है। इसे 'फेविविर ब्रांड नाम के तहत बाजार में उतारा गया है। शहर स्थिति इस दवा कंपनी की जारी विज्ञप्ति में कहा गया है हेटेरो को भारत के दवा महा नियंत्रक (डीसीजीआई) से फेविपिराविर के विनिर्माण और विपणन की मंजूरी मिल गई है। हेटेरो की इस जेनेरिक दवा फेविविर की एक गोली का दाम 59 रुपये है और हेटेरो हेल्थकेयर लिमिटेड इसका वितरण और विपणन कर रही है।

फेबिफ्लू 75 रुपये प्रति गोली

दवा कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने कोविड- 19 के इलाज में काम आने वाली अपनी एंटीवायरल दवा फेविपिराविर का दाम 27 प्रतिशत घटाकर 75 रुपये प्रति गोली कर दिया है। कंपनी की यह दवा 'फेबिफ्लू ब्रांड नाम से बाजार में उतारी गई है। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसने अपनी दवा 'फेबिफ्लू का दाम 27 प्रतिशत घटा दिया है। अब दवा का नया अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 75 रुपये प्रति टैबलेट होगा।

रेमडेसिवीर की एक शीशी की कीमत 390 डॉलर विदेशों में कोरोना की दवा रेमडेसिवीर की एक शीशी की कीमत 390 डॉलर है। इस हिसाब से इलाज के लिए 5 दिन के पूरे कोर्स की कुल कीमत 2,340 डॉलर (करीब 1,75,500 रुपये) होगी।

एक मरीज के 5 दिन के कोर्स में रेमडेसिवीर की 6 शीशी का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ मामलों में यह 10 दिन या 11 शीशी का भी इस्तेमाल करना होता है। गिलीड साइंसेज ने कहा है कि वो अमेरिकी सरकार और अन्य विकसित देशों से कोरोना वायरस ड्रग रेमडेसिवीर की एक शीशी के लिए 390 डॉलर चार्ज करेगी।

आईटीसी की भद्राचलम स्थित पेपरबोर्ड इकाई को ग्रीनको प्लेटिनम प्लस रेटिंग

नई दिल्ली । आईटीसी के भद्राचलम स्थित विश्वस्तरीय पेपरबोर्ड्स एंड स्पेशियलिटी पेपर्स बिजनेस (पीएसपीडी) कारखाने को ग्रीन कंपनी रेटिंग सिस्टम के तहत कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) ग्रीन बिजनेस सेंटर की ओर से ग्रीनको प्लेटिनम प्लस रेटिंग मिली है। यह पल्प एंड पेपर सेक्टर का इकलौता और देश का दूसरा कारखाना है जिसे यह प्रतिष्ठित रेटिंग मिली है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नेतृत्वकारी पहल और प्रतिबद्धता के लिए मिलने वाली यह प्रतिष्ठित रेटिंग सतत कारोबारी (सस्टेनेबल) गतिविधियों के प्रति आईटीसी की प्रतिबद्धता तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में कंपनी के प्रयासों का प्रमाण है। आईटीसी 15 साल से कार्बन पॉजिटिव, 18 साल से वाटर पॉजिटिव और 13 साल से सॉलिड वेस्ट रिसाइकिलिंग पॉजिटिव है। इस उपलब्धि पर आईटीसी लिमिटेड के कॉरपोरेट मैनेजमेंट कमेटी मेंबर संजय सिंह ने कहा द्धस्न आईटीसी के सिद्धांत के ही अनुरूप पर्यावरण संसाधनों के संरक्षण एवं उन्हें पुन- विकसित करने की दिशा में अग्रणी रहने के लिए पीएसपीडी की प्रतिबद्धता ने इसे पर्यावरण एवं आर्थिक टिकाऊपन (सस्टेनेबिलिटी) को एक साथ पाने में सहायता की है।

टाटा टेली बिजनेस सर्विसेस ने शुरू किया स्मार्ट होस्टेड पीबीएक्स

नई दिल्ली । व्यवसायों और उद्यमों को संयोजकता और संचार समाधान प्रदान करने वाली प्रमुख कंपनी टाटा टेली बिज़नेस सर्विसेस (टीटीबीएस) ने लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए नए स्मार्ट होस्टेड पीबीएक्स समाधान पेश किए हैं।

कंपनी ने मंगलवार को यहां जारी बयान में कहा कि सुरक्षा और गोपनीयता को सबसे अधिक महत्त्व देते हुए डिज़ाइन किए गए यह समाधान'वर्क फ्रॉम होम'स्थिति में काम करने में कोई भी बाधा न आए इसलिए बनाए गए हैं। यह समाधान उद्यमों को क्लाउड पर होस्टेड वर्चुअल पीबीएक्स की सहायता से बुनियादी टेलीकॉम सुविधाएं आसानी से और बहुत ही कम समय में स्थापित करने में सक्षम करते हैं। इसमें उनके एजेंट को संपूर्ण आउटबाउंड कॉल कनेक्ट सुविधा मिलती है, साथ ही कॉल डिटेल रेकॉर्ड्स तुरंत मिल जाते हैं, इसमें लीड मैनेजमेंट और कई अन्य विशेषताएं भी हैं। यह एक क्लिक-2-कॉल सेवा है जिसे ब्राउजर बेस्ड यूआरएल लॉगइन से शुरू किया जा सकता है, लैपटॉप / फोन ब्राउजर के जरिए इसका उपयोग किया जा सकता है। उसने कहा कि जिन उद्यमों, व्यवसायों में सुरक्षित, मजबूत, लागत प्रभावी, संपूर्णतः नियंत्रित वॉइस नेटवर्क्स की आवश्यकता होती है उनके लिए स्मार्ट होस्टेड पीबीएक्स आदर्श समाधान है।

मित्रों पर एक महीने में देखे गए 9 अरब वीडियो

नई दिल्ली । चीन के सोशल मीडिया एप बैन किए जाने के बाद से भारतीय सोशल नेटवर्क प्लेटफार्मों की लोकप्रियता बढ़ने लगी है और इसी क्रम में शार्ट-फॉर्म वीडियो एप मित्रों की लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। इस एप पर एक महीने में कुल 9 अरब वीडियो देखे गए हैं। कंपनी ने मंगलवार को यहां यह घोषणा करते हुए कहा कि गूगल प्ले स्टोर पर मित्रों एप के अब तक 3.3 करोड़ से ज्यादा डाउनलोड हो गए हैं।

मित्रों के संस्थापक और सीईओ शिवंक अग्रवाल ने कहा, ''हमने जब यह ऐप बनाया तो उसके पीछे हमारी कोशिश एक ऐसा मंच उपलब्ध कराने की थी जो यूजरों को शॉर्ट वीडियो अपलोड करने और देखने की सुविधा दें। मित्रों ने बहुत ही कम समय में लोकप्रियता हासिल की है और यह वाकई में बहुत अच्छा अनुभव है। मित्रों प्लेटफार्म पर लाखों नए वीडियो बन रहे हैं और देखे जा रहे हैं। हम अपने सभी यूजरों का धन्यवाद अदा करते हैं जो इस एप को मनोरंजन की अपनी दिनचर्या में शामिल कर रहे हैं। इस वर्ष अप्रैल में इस प्लेटफॉर्म को लॉंच किया गया था।

कोका-कोला ने उतारे फलों के रस से बने 2 नए उत्पाद

नईदिल्ली । कोका-कोला इंडिया ने मंगलवार को दो नए उत्पाद बाजार में उतारे जो देश में उगाए गए फलों से तैयार किए गए हैं और ये पोषण संबंधी नियमित जरूरतें पूरी करेंगे। कंपनी ने अपने प्रमुख ब्रांड ' मिनट मेड ' के तहत ' मिनट मेड न्यूट्रीफोर्स ' और 'मिनट मेड वीटा पंच ' नामक नए उत्पाद पेश किए हैं जो मानसिक-शारीरिक चुस्ती के साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी मददगार हैं।

इन नए पेयों की शुरुआत के साथ 'फ्रूट सर्कुलर इकोनॉमी' की पहल को लेकर भी कोका-कोला इंडिया की गंभीरता को दर्शाता है। इस पहल से फल आधारित पेय पदार्थों के लिए जरूरी फलों को उपलब्ध कराने और किसानों को अपनी फसल बढ़ाने को प्रोत्साहन मिलता है। कोका-कोला इंडिया ने 2023 तक भारतीय कृषि व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए फ्रूट सर्कुलर इकोनॉमी के निर्माण पर 1.7 अरब डॉलर के निवेश के लिए प्रतिबद्धता दर्शाई है। इस मौके पर कोका-कोला इंडिया और दक्षिण-पश्चिम एशिया के अध्यक्ष टी. कृष्णकुमार कहा,'' कोका-कोला सार्थक ब्रांडों को तैयार करने और अपने उपभोक्ताओं को ताजगी देने वाले पेय पदार्थों की पेशकश करने के अपने उद्देश्य को पूरा करने में जुटी हुई है।

हमारी दीर्घकालिक रणनीति उपभोक्ताओं की पसंद के अनुरूप ज्यादा से ज्यादा फल-आधारित पेय पदार्थों की पेशकश करने की है। मिनट मेड के तहत पौष्टिक जूस के हमारे पोर्टफोलियो का विस्तार हर भारतीय को पोषण देने और फलों से हमारी प्रतिबद्धता की दिशा में एक और कदम है। '' कोका-कोला इंडिया और दक्षिण-पश्चिम एशिया के उपाध्यक्ष विजय परशुरामन ने कहा कि बदलते समय के साथ, उपभोक्ता अब स्वास्थ्य के लिए लाभदायक पेय पदार्थों का विकल्प चुन रहे हैं। इसकी वजह है कि स्वास्थ्य के प्रति उनका दृष्टिकोण भी तेजी से बदल रहा है।

opensearch

बाजार समीक्षा

पॉलिसी में बदलाव से चावल निर्यात को मिलेगा लाभ

खरीद नीति में बदलाव की सिफारिश

इंदौर। उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई)की खरीद रणनीति में बदलाव की सिफारिश की है, जिससे अतिरिक्त चावल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके और भारत से गैर बासमती चावल के निर्यात को बढ़ावा मिले।

पंद्रहवें वित्त आयोग द्वारा गठित विशेषज्ञों की समिति ने राज्यों को प्रदर्शन पर आधारित प्रोत्साहन देने का सुझाव दिया है, जिससे कि कृषि निर्यात और फसलों को बढ़ावा मिले जिससे आयात का विकल्प तैयार हो सकता है। समिति ने कहा है कि एफसीआई घरेलू बाजार में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए चावल का सबसे बड़ा खरीदार है, जो सालाना 4 करोड़ टन खरीद करता है। हर साल न्यूनतम समर्थन मूल्य बढने से निर्यात के लिए अधिशेष कम बचता है और ग्लोबल मार्केट में भारतीय चावल की कीमतें अप्रतिस्पर्धी हो जाती हैं। यह एक प्रमुख वजह है, जिसके कारण कई साल से उत्पादन और निर्यात स्थिर है, जबकि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चावल उत्पादक है।समिति ने कहा है कि एफसीआई की अतिरिक्त खरीद और एमएसपी बढ़ना चावल निर्यात में बड़ा व्यवधान है। जिसका समाधान उचित सरकारी नीतियों के माध्यम से किया जाना चाहिए, जिसमें भावांतर भुगतान योजना जैसी योजनाएं शामिल हैं।यह सिफारिश ऐसे समय में आई है, जब सबसे बड़े मोटे अनाज के उत्पादक पंजाब के किसानों एमएसपी खरीद कम किए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा है। समिति ने कहा है कि चावल भारत का प्रमुख जिंस है। भारत में चावल का अनुमानित उत्पादन 11.5 करोड़ टन है, जिसमें 60-70 लाख टन बासमती उत्पादन होता है। समिति ने फसल मूल्य श्रृंखलाओं को चिह्नित किया है, जिसमें 340 कृषि एवं जिंस उत्पादों की सूची है।

सोयाबीन व पाम तेल में तेजी का रुख जारी

इंदौर। सोया खरीदी में प्लांटों की दिलचस्पी के बीच जहां कीमतों में सुधार रहा, वहीं पाम तेल के साथ सोया रिफाइंड भी मजबूत था। मलेशिया पाम तेल वायदा बढ़कर 717.50 डॉलर प्रतिटन था। केएलसीई 38 रिंगिट ऊंची बंद हुई। शिकागो सोया तेल वायदा रनिंग में 22 सेंट ऊंचा चल रहा था। गतरात्रि को 76 सेंट बढ़त पर बंद हुआ था। खाद्य तेल प्रति 10 किलो सोया रिफाइंड बढ़कर 880-882, साल्वेंट 820-825, मुंबई रिफाइंड 870, मूंगफली तेल 1270-1290, मुंबई 1270, गुजरात 1250, राजकोट तेलिया टीन 1990, मुंबई पाम तेल 830, इंदौर पाम तेल 880-882, कॉटन तेल इंदौर 830, महाराष्ट्र 830, गुजरात 845, कांडला 870, अलवर 885, कोटा 890, धुलिया 885 रु था। प्लांट डिलीवरी सोया तेल धानुका 873, बजरंग 885, विप्पी 880, रुचि 885, अवि 895, प्रकाश 878, एमएस नीमच 874, अंबुजा 885, केशव 885 रुपए था। सोयाबीन प्लांट सौदो में प्रकाश 3870, महाकाली 3800, प्रेस्टीज 3775, रूचि 3790, कृति 3775, सांवरिया 3775, इटारसी 3800, अवि 3825, खंडवा 3775, धानुका 3830, सिवनी 3950, एमएस नीमच 3800, एमएस पचोर 3840 रु था।

कच्चा तेल वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। कमजोर मांग से वायदा में सौदों के आकार को कम किए जिससे वायदा कारोबार में मंगलवार को कच्चातेल की कीमत 1 प्रतिशत की गिरकर 3072 रु प्रति बैरल रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चातेल के अगस्त अनुबंध की कीमत 31 रु अथवा एक प्रतिशत की हानि के साथ 3072 रुरह गई, जिसमें 3973 लॉट का कारोबार हुआ। सितंबर अनुबंध की कीमत 30 रु अथवा 0.96 प्रतिशत की हानि के साथ 3102 रुप्रति बैरल रह गई, जिसमें 86 लॉट का कारोबार हुआ।न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चातेल की कीमत 0.29 प्रतिशत गिरकर 40.89 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि ब्रेंट क्रुड 0.4 प्रतिशत गिरकर 44 डॉलर प्रति बैरल था।

वैश्विक समर्थन से सोना-चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल जारी

इंदौर। विश्वव्यापी [illegible] परिस्थितियों के बीच सोने-चांदी की वैश्विक कीमतों में सरपट तेजी का दौर चल रहा है।इसके चलते भारतीय बाजारों में भी सोना-चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल का सिलसिला मंगलवार को भी जारी था। इंदौर सराफा में गत दिवस के बंद भाव की तुलना में सोना 200 रु प्रति 10 ग्राम बढकर नगदी में 55525 रु (टैक्स अलग) था, चांदी 150 रु बढ़कर 62850 रु (टैक्स अलग) थी। कारोबार के दौरान में सोना ऊंचे में 55550 नीचे में 55475 रु पर एवं चांदी ऊंचे में 62950, नीचे में 62650 रुपए पर थी। इंदौर में सोना आरटीजीएस 57190 रु व चांदी आरटीजीएस 64735 रु थी। **उज्जैन सराफा**-सोना प्रति 10 ग्राम 55600 एवं चांदी प्रतिकिलो 63100 रु (टैक्स अलग) के भाव थी। **रतलाम सराफा**-चांदी आरटीजीएस 65500 रुपए व सोना आरटीजीएस 55575 रुपए पर कारोबार में था।

मसूर-तुवर तेज, मूंग मोगर मंदा

इंदौर। मंगलवार को मंडी में व्यापारिक गतिविधियां सुस्त थी। बावजूद इसके दिसावरी तेजी के चलते तुवर व मसूर में सुधार रहा, वहीं मूंग मोगर 100, उडद मोगर 200 रुपए मंदे थे। डॉलर चने में भी मांग सीमित रही।

चनाकांटा 4225-4250, मसूर 5425-5450, मूंग मोटा 6300-6500, एवरेज 5000-6000, उड़द बोल्ड 6300-6500, एवरेज 4000-5000, तुवर लोकल 5000-5500, कर्नाटक 6000-6100, महाराष्ट्र सफेद 5900 रु थी। डॉलर चना 5000-5800 निर्यात सौदो में 6250-6450 रु था।

पंजाब में जूने गेहूं का टेंडर आज

भारतीय खाद्य निगम ने पंजाब में वर्ष 2019-20 के तहत खरीदे गए जूने गेहूं का 5.31 लाख टन गेहूं बिक्री का टेंडर 5 अगस्त को 1840 रु क्विंटल पर आमंत्रित किया है। इसके तहत न्यूनतम 10 टन की मात्रा तय की है। इससे भाव में मंदी संभावित है।

बादाम, खोपरा गोला घटे

इंदौर। रक्षाबंधन की मांग पूर्ण होते ही थोक किराना बाजार में मांग कमजोर नजर आने लगी है। इसके चलते मंगलवार को बादाम के दाम 10-15 रुपए किलो घटकर 560-570 रु के रह गए। खोपरा गोला भी 2-3 रु गिरकर 118-130 रु किलो रह गया।

मंगलवार को शकर 3470-3520, जीरा पंजा 158 खुशबु 160, बेस्ट 180-200,हल्दी सांगली 134-135, निजामाबाद 95-110, काली मिर्च कालामोती 328, दीपक 341, गणेश 372, मटरदाना 392, नारियल प्रति बोरी 120 भर्ती 2100-2150, 160 भर्ती 2550-2600, 200 भर्ती 2850-2900, 250 भर्ती 2900-3000, लौंग 440-460, तरबूज मगज 105-110, गोला 120-133, जायफल 570-600, हरी इलायची 1700-2450 रु थी। गुड़ भेली 4000, कटोरा 4100 व लड्डू 4300 रुपए क्विंटल था।

अंचल की मंडी

नीमचः मैथी, असगंध, सोयाबीन व रायडा में तेजी, गेहूं, कलौंजी नरम

नीमच शंकर बंसल- मंडी में लंबे अरसे बाद मंगलवार से कामकाज फिर आरंभ हुआ। सामान्य कारोबार के बीच मैथी असगंध रायडा व सोयाबीन में तेजी रही, जबकि गेहूं कलौंजी नरम थे। भाव-गेहूं 1683-2050, जौ 1331-1340, मक्का 975-1230, सोया 3245-3800, रायडा 4400-4820, अलसी 4700-5151, मूंगफली 3275-4500, चना 3565-4012, डॉलर चना 3356-5600, मसूर 5100-5419, उडद 3200-5162, पोस्ता 74000-96000, मैथी 4700-6400, धनिया 4500-6300, अजवाइन 6600-12700, इसबगोल 7600-11600, कलौंजी 12000-20800, तिल्ली 7300-8100, असगंध 20000-50000, लहसुन 3200-10800 रुपए प्रति क्विंटल बताए गए।

मंदसौर- मंडी में मंगलवार को आवक का दायरा बेहद कमजोर था। कुल 7682 बोरी आवक हुई जिसमें सोयाबीन 1200, गेहूं 1100, चना 77, मसूर 69, धनिया 5, लहसुन 4000 कट्टे, मैथी 140, अलसी 402, सरसों 9, तारामीरा 9 इसबगोल 14, प्याज 600 कट्टे, कलौंजी 10, डॉलर चना 3, तिल्ली 15, असालिया 27 बोरी शामिल था। भाव-सोया 3350-3701, गेहूं 1640-1770, चना 3399-3868, मसूर 5000-5490, धनिया 5011, लहसुन 4950-11000, मैथी 5100-5758, अलसी 4400-5101, तारामीरा 3522-3531, सरसों 4490-4560, इसबगोल 10848-10877, प्याज 240-623, कलौंजी 17857-20491, डॉलर चना 3600-5350, तिल्ली 6801-7656, असालिया 3551-3877 रु क्विंटल।

जायडस केडिला कोविड-19 टीके का दूसरे चरण का मानव परीक्षण 6 अगस्त से शुरू करेगी

एजेंसी, नई दिल्ली। दवा कंपनी जायडस केडिला ने बुधवार को कहा कि उसके प्रस्तावित कोविड-19 के टीके 'जायकोव- डी के पहले चरण का चिकित्सकीय परीक्षण पूरा हो गया है और अब कंपनी 6 अगस्त से इसके दूसरे चरण का लोगों पर चिकित्सकीय परीक्षण शुरू करेगी। कंपनी ने कहा है कि पहले चरण के चिकित्सकीय परीक्षण में जायकोव- डी को सुरक्षित और सहनीय पाया गया। कंपनी अब 6 अगस्त 2020 से दूसरे चरण का चिकित्सकीय परीक्षण शुरू करेगी। जायडस केडिला के चेयरमैन पंकज आर पटेल ने कहा कि पहले चरण में दी गई दवा में जायकोव-डी को सुरक्षित पाना महत्वपूर्ण पड़ाव है जिसे हासिल किया गया। उन्होंने कहा कि पहले चरण में जिन लोगों पर भी चिकित्सकीय परीक्षण किया गया उनकी दवा देने के 24 घंटे तक चिकित्सा यूनिट में पूरी तरह देखभाल की गई। उसके बाद सात दिन तक उनकी निगरानी की गई जिसमें टीके को पूरी तरह सुरक्षित पाया गया।

''अब हम दूसरे चरण का चिकित्सकीय परीक्षण शुरू करने जा रहे हैं और बड़ी जनसंख्या में इस दवा से होने वाले बचाव और रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा करने की इसकी ताकत का मूल्यांकन किया जाएगा। जायडस केडिला को पिछले महीने उसके कोविड- 19 के उपचार के लिये तैयार टीके के मानव परीक्षण की घरेलू प्राधिकरण से अनुमति प्राप्त हुई। देश दुनिया में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच यह दूसरी भारतीय दवा कंपनी है जिसे सरकार की तरफ से परीक्षण की अनुमति मिली है। इससे पहले भारत के पहली कोविड-19 टीके 'कोवाक्सिन के परीक्षण की अनुमति भारत बायोटेक को दी गई। भारत बायोटेक ने भारतीय चिकित्सास अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वायरोलॉजी के साथ मिलकर कोरोना वायरस के इलाज में संभावित रूप से काम आने वाले इस टीके को तैयार किया है।

ईरान से भुगतान में देरी का बासमती चावल के नए निर्यात सौदों पर असर

नई दिल्ली। बासमती निर्यातकों को ईरान से पैमेंट मिलने में देरी हो रही है, जिससे निर्यातक नए सौदें सीमित मात्रा में कर रहे हैं। भारत से होने वाले बासमती के कुल निर्यात में ईरान की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है, इसलिए चालू वित्त वर्ष 2020-21 में देश से होने वाले बासमती निर्यात में कमी आने की आशंका है।

करनाल के एक निर्यातक ने बताया कि यूको बैंक व आईडीबीआई बैंक के माध्यम से भुगतान हो रहा था, लेकिन अब इसमें देरी हो रही है,जिसका असर चालू वित्त वर्ष में देश से होने वाले कुल निर्यात पर पड़ने की आशंका है। सूत्रों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में देश से 4.92 लाख टन बासमती का निर्यात हुआ है, जिसमें ईरान की हिस्सेदारी मात्र 51 हजार टन के करीब है। हरियाणाा के कैथल के बासमती के एक निर्यातक के अनुसार ईरान को देश से सीधे निर्यात सौदे कम हो रहे हैं, जो निर्यात इस समय हो रहा है, वह व्हाया दुबई ज्यादा हो रहा है। हालांकि, अन्य देशों खासकर यूरोपीय यूनियन और सऊदी अरब तथा अन्य देशों को चालू वित्त वर्ष में ज्यादा निर्यात सौदे हो रहे हैं। एपीडा के अनुसार ईरान भारत से सबसे ज्यादा बासमती आयात करता है, तथा वित्त वर्ष 2019-20 में ईरान ने भारत से कुल 13.19 लाख टन बासमती चावल आयात किया है, जोकि इसके पिछले वित्त वर्ष 2018-19 के 14.83 लाख टन से कम है। वित्त वर्ष 2019-20 में देश से कुल बासमती चावल का निर्यात 44.54 लाख टन का हुआ है, जोकि इसके पिछले वित्त वर्ष के 44.14 लाख टन से कम है। दिल्ली की नरेला मंडी के धान कारोबारी ने बताया कि इस समय धान में मिलों की मांग कमजोर है, तथा अगले महीने उत्तर प्रदेश से पूसा 1121 बासमती धान आवक शुरू हो जायेगी। इसलिए घरेलू मंडियों में आगे धान के साथ ही चावल की कीमतों में मंदा आने का अनुमान है। हरियाणा की मंडियों में पूसा 1121 बासमती चावल सेला 5150 से 5200 रुपये और पूसा 1121 बासमती धान का भाव 3150 से 3200 बोला गया। कमजोर मांग के कारण आगे मौजूदा कीमतों में और मंदा आयेगा।

शेयर बाजार ने गंवाई बढ़त, सेंसेक्स 24 अंक ऊपर तो निफ्टी 24 अंक नीचे बंद

एजेंसी, नई दिल्ली। सुबह की ऊंचाई से फिसलकर शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बाजार खुलने के शुरुआती 3 घंटे बाजार में रौनक रही। खरीददारी हावी थी, लेकिन दोपहर बाद बाजार में मुनाफावसूली हावी हो गई। अंत में सेंसेक्स 24.58 अंक गिरकर 37,663.33 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि आज सेंसेक्स दिन के उच्च स्तर 38,139.96 पर पहुंचकर 37,550.60 तक आया था। वहीं निफ्टी 24.85 अंकों की बढ़त के सात 11,120.10 के स्तर पर बंद हुआ।

सुबह का हाल

अमेरिका में विनिर्माण के बेहतर आंकड़ों के बाद शेयर बाजार में मंगलवार को आई तेजी का असर आज भी देखने को मिल रहा है। बुधवार को घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ खुले। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 204.45 अंक की छलांग लगाकर 37,892.36 के स्तर पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी दिन के कारोबार की शुरुआत हरे निशान के साथ की। सेंसेक्स के 30 स्टॉक में से 28 हरे निशान पर खुले।

महेंद्र मुणोत परिवार द्वारा राम मंदिर भूमिपूजन के समय ही की गई पूजा व आरती

पीएम मोदी का दृढ़ संकल्प हो रहा परिलक्षित : महेंद्र मुणोत

बेंगलुरु (ओपन सर्च)। अयोध्या में राममंदिर के भूमिपूजन के दिव्य, भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन का उत्साह देश और दुनिया में बुधवार को देखा गया। इसी क्रम में यहां के विजय नगर स्थित मारुती मेडिकल के निदेशक प्रमुख गौसेवी, भामाशाह महेंद्र मुणोत परिवार द्वारा भी एक संक्षिप्त

कार्यक्रम कर उल्लास मनाया गया। इस अवसर पर महेंद्र मुणोत ने सभी से घर-घर दीप रोशन कर दीपोत्सव मनाने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए यह सौभाग्यशाली अवसर आया है कि हम मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण के साक्षी बन रहे हैं। निश्चित ही यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से ही संभव हो पाया है। समाजसेवी सुरेश टपरावत ने बताया कि इस अवसर पर वैश्विक महामारी कोरोना से संबंधित बचाव की सीख देते हुए महेंद्र मुणोत ने अनेक जरूरतमंद लोगों को कोरोना बचाव सामग्री मास्क व सैनिटाइजर आदि वितरित किए। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर शुरू हुए कार्यक्रम में श्रीमती सुरक्षा मुनोत व आनंद कुमार सहित अनेक राम भक्त शामिल हुए। भूमि पूजन के मुहूर्त समय में ही मुणोत परिवार द्वारा इस कार्यक्रम में दीपक, आरती व पूजन कर प्रसाद वितरित किया गया।

राम मंदिर 'भूमि पूजन' के मद्देनजर दिल्ली-एनसीआर में बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए हो रहे 'भूमि पूजन' के मद्देनजर दिल्ली और एनसीआर में सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी खुद यहां स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। अयोध्या में 5 अगस्त के कार्यक्रम के चलते दिल्ली के सभी जिले अलर्ट पर हैं। बता दें कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री में हिस्सा ले रहे हैं। पुलिस व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी नजर रख रही है, ताकि कोई समूह या व्यक्ति राजधानी में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश न कर पाए। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'आज राजधानी में अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है। किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए पुलिस तैयार है।' बता दें कि स्वतंत्रता दिवस के लिए यहां पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था सख्त है। गुरुग्राम, गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद भी अलर्ट पर हैं। एनसीआर में भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। नोएडा में सड़कों पर वाहनों की तलाशी ली जा रही है। सीमावर्ती इलाकों में अतिरिक्त चौकसी की जा रही है। गाजियाबाद एसएसपी कलानिधि नैथानी ने मंगलवार की रात को सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी दी।

बिहार : गंडक नदी में नाव पलटी, 5 मरे, कई लापता

खगड़िया.एजेंसी। बिहार के खगड़िया जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम गंडक नदी की तेज धार में लोगों से भरी एक नाव के पलट जाने से पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि अभी भी 10 लोग लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि सोनवर्षा टीकारामपुर के कई ग्रामीण मानसी बाजार में जरूरत की सामग्री खरीदकर एक नाव पर सवार होकर वापस अपने गांव लौट रहे थे, तभी गंडक नदी के बीच में तेज बहाव में नाव पलट गई। मुफस्सिल थाना के प्रभारी रंजीत कुमार ने बताया कि घटना के बाद कई लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल गए, लेकिन कई लोग लापता बताए गए हैं। इसके बाद राहत और बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि इस कार्य में एनडीआरएफ को भी लगाया गया है। उन्होंने आगे इस बात की भी जानकारी दी कि अब तक पांच लोगों के शव नदी से बाहर निकाल लिए गए हैं, जबकि अभी भी करीब 10 लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बदलाव का दौर जारी है : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने केंद्र द्वारा जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त करने के निर्णय की पहली वर्षगांठ के अवसर पर बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बदलाव का दौर जारी है। जयशंकर ने ट्वीट करके क्षेत्र में हो रहे बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने इस बदलाव के तहत प्रगतिशील कानून लागू किए जाने, सामाजिक न्याय सुनिश्चित किए जाने, कमजोर वर्ग के लोगों का सशक्तिकरण एवं समर्थन तथा विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाये जाने का जिक्र किया। विदेश मंत्री ने शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने तथा महिला अधिकारों को सुनिश्चित करने सहित अन्य कदमों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, ''जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बदलाव का दौर जारी है।'' गौरतलब है कि पिछले वर्ष पांच अगस्त को केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने का निर्णय लिया था। इसके बाद से पाकिस्तान इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाने का विफल प्रयास कर रहा है। केंद्र सरकार ने पिछले एक वर्ष में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख् में अनेक विकास परियोजनाएं और कल्याण योजनाओं को आगे बढ़ाया है।

गोधन न्याय योजन से बारहों महीने मिलेगा रोजगार : भूपेश बघेल

शहीद महेन्द्र कर्मा के नाम पर तेंदूपत्ता संग्राहक,सामाजिक सुरक्षा योजना का शुभारंभ

गोधन न्याय योजना के तहत गोबर विक्रेताओं को मिला पहला भुगतान, मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अंतरित किए 1.65 करोड़ रूपए

46 हजार 964 गोबर विक्रेताओं को मिला लाभ

शहीद महेन्द्र कर्मा को उनकी जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गोबर विक्रेताओं से की चर्चा

रायपुर (ब्यूरो)

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि गोधन न्याय योजना देश-दुनिया की एक अनूठी योजना है। इस योजना पर सभी लोगों की निगाह है। उन्होंने कहा कि योजना के शुरूआत के एक पखवाड़े के भीतर इसके उत्साह जनक परिणाम देखने और सुनने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना ग्रामीणों, किसानों और पशुपालकों के जीवन में बदलाव लाने वाली तथा लोगों को बारहों महीने रोजगार देने वाली योजना है। मुख्यमंत्री श्री बघेल आज अपने निवास कार्यालय में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'गोधन न्याय योजना' के तहत गोबर खरीदी के पहले भुगतान का शुभारंभ करते हुए उक्त बातें कही। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 46 हजार 964 गोबर विक्रेताओं के खाते में एक करोड़ 65 लाख रूपए की राशि आनलाइन अंतरित की। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम की शुरूआत में शहीद महेन्द्र कर्मा की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके नाम पर प्रदेश में 'तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना' का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पूर्व मंत्री और लोकप्रिय नेता शहीद श्री महेंद्र कर्मा की जयंती पर उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मंत्रिमंडल के सभी सदस्यगणों ने भी शहीद श्री कर्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा है कि श्री महेन्द्र कर्मा बस्तर टाइगर के नाम से जाने जाते थे, वे आदिवासियों के हक की हर लड़ाई में दमदारी से खड़े रहे। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि गोधन न्याय योजना देश-दुनिया में अपने तरह की पहली अनूठी योजना है, जिसमें पशुपालकों, किसानों से 2 रूपए प्रति किलो की दर पर गौठानों में खरीदी की जा रही है। इस योजना के माध्यम से एक ओर जहां पशुपालकों को आर्थिक लाभ होगा, दूसरी ओर प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। इस योजना से लोगों को कई फायदे मिलेंगे। इससे गांवों में बारह महीने लोगों को रोजगार सुलभ होगा। गोबर विक्रय करने से ग्रामीणों, किसानों और पशुपालकों को नियमित आमदनी होगी।

इसके अलावा गौठानों में गोबर से वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन होगा। खुले में चराई पर रोक लगेगी और किसान एक से अधिक फसलों का उत्पादन कर सकेंगे। इससे पशुओं के संरक्षण तथा संवर्धन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के हर गौठानों में रोजगार ठौर स्थापित किए जाएंगे। गौठानों में इसके लिए एक-एक एकड़ जमीन को आय मूलक व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन के लिए सुरक्षित रखा जाएगा।

हमारी भाषा में हो माधुर्य : आचार्य महाश्रमण

ज्योतिचरण ने बताया जीवन में स्वरों का महत्व, 5 अगस्त 2020, बबुधवार, शमशाबाद, हैदराबाद

प्रधानता के आधार पर इन सात स्वरों के सात स्वर स्थान होते हैं। षड्ज का स्थान जिव्हा का अग्र भाग,ऋषभ का वक्ष,गांधार का कंठ, मध्यम का जिव्हा का मध्य भाग, पंचम का नासा,धैवत का दांत और होंठ का संयोग एवं निषाद का मुर्धा।

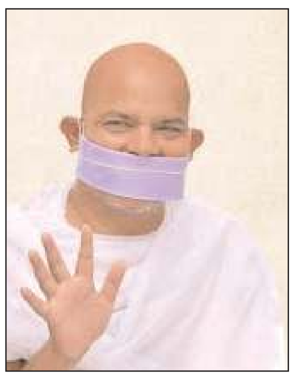

नई दिल्ली (ओपन सर्च)

भारत के कोने-कोने में अपनी अहिंसा यात्रा द्वारा नैतिकता, सद्भावना एवं नशामुक्ति का संदेश देने वाले आचार्यश्री महाश्रमणजी हैदराबाद में सानंद चातुर्मास प्रवास कर रहे है। अपनी मधुर वाणी से माधुर्य बरसाने वाले परम श्रद्धेय शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी ने आज जैन आगम ठाणं प्रवचन माला के अन्तर्गत व्याख्या करते हुए कहा कि स्वर की हमारे जीवन में व्यवहार में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वर का सामान्य अर्थ है ध्वनि,नाद। संगीत रत्नाकर के अनुसार स्वर वह है जो मर्यादित मधुर, स्निग्ध हो व श्रोताओं को आकृष्ट करता हो। ठाणं आगम में सात प्रकार के स्वरों का पूरा विवेचन किया गया है। पहला - षडज स्वर, छह से पैदा होने वाला। यानि जो नासा, कंठ, छाती, तालू, जिव्हा व दंत से पैदा हो। दूसरा - ऋषभ। वायु, कंठ और सिर से आहत होकर नाभि से उठा हुआ स्वर व ऋषभ की तरह गर्जना करने वाला स्वर। तीसरा - गांधार। नाभि से उठा हुआ व वायु कंठ व सिर से आहत होकर निकलने वाला स्वर। इसमें एक [illegible] प्रकार की [illegible] है अतः इसका नाम है गांधार। चौथा - मध्यम स्वर। जो नाभि से उठकर वायु, वक्ष और हृदय से आहत होकर फिर नाभि में जाता है। शरीर के मध्य भाग में उत्पन्न होंने के कारण इसका नाम मध्यम पड़ा। पांचवां - पंचम स्वर। यह पांच स्थानों से उत्पन्न होता है इसलिए इसका नाम पंचम स्वर रखा है। नाभि से उठा हुआ व वायु, वक्ष,कंठ, हृदय व सिर से आहत होकर व्यक्त होता है। छठा - धैवत स्वर, जो सब स्वरों का अनुसंधान करता है। सातवाँ - निषाद स्वर, इसमें सब स्वर निसन्न होते हैं, अभिभूत होते हैं।

आचार्यवर ने आगे कहा कि प्रधानता के आधार पर इन सात स्वरों के सात स्वर स्थान होते हैं। षड्ज का स्थान जिव्हा का अग्र भाग,ऋषभ का वक्ष,गांधार का कंठ, मध्यम का जिव्हा का मध्य भाग, पंचम का नासा,धैवत का दांत और होंठ का संयोग एवं निषाद का मुर्धा। पशु पक्षीयों के [illegible] अलग [illegible] स्वर होते हैं इसके [illegible] क्रमशः मयूर, कुकुट, हंस, गाय-भैंस, कोयल, सारस व हाथी उदाहरण के लिए उल्लिखित है। इसी प्रकार अजीव में वाद्यय में भी स्वरों के उदाहरण क्रमशः इस प्रकार है - मृदंग, नरसिंहा, शंख, झांझ, गौदिका, ढोल व महाभेरी। शास्त्रों में आगे इन सातों स्वरो के सात लक्षण भी आते है। षड्ज स्वर वाले व्यक्ति आजीविका पाते है।

ऋषभ स्वर वाले व्यक्ति को ऐश्वर्य प्राप्त होता है। गांधार स्वर वाले व्यक्ति गाने में कुशल होते है। वहीं मध्यम स्वर वाले व्यक्ति सुख से जीते है। पंचम स्वर वाले व्यक्ति राजा होते है। धैवत स्वर वाले व्यक्ति कलह प्रिय होते है और निषाद स्वर वाले व्यक्ति चांडाल, लड़ाई-झगड़ा करने वाले होते हैं। हमारे स्वरों के माधुर्य का भी अपना महत्व है। यदि किसी के पास स्वर माधुर्य कम भी हो तो भाषा व बोली का विवेक व माधुर्य तो होना ही चाहिए। हमें सोच-समझकर बोलने का प्रयास करना चाहिए। हमारी बात [illegible] यथार्थ पर आधारित होना चाहिए।

जागरूकता व सोशल डिस्टेंस द्वारा ही कोरोना पर पाई जा सकती है फतेह : स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू

चंडीगढ (ब्यूरो)

कोरोनावायरस महामारी पूरी दुनिया मे कहर बरपा रहा है वही देश मे भी कोरोना की रफ्तार हैरान करने वाली है। दुनिया के मुकाबले देश मे रिकवरी रेट सबसे ज्यादा बेहतर है। कोरोना को मात देने का एक ही अचूक व रामबाण ईलाज है सोशल डिस्टेंस व कोविड-19 के नियमों का पालन। ये बात पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने मनीषी संतमुनिश्री विनयकुमारजी आलोक से वार्तालाप करते हुए कही।

उन्होने कहा सोशल डिस्टेंसिंग का मतलब होता है एक-दूसरे से दूर रहना ताकि संक्रमण के ख़तरे को कम किया जा सके। कोरोना वायरस से खुद को सुरक्षित रखने का सबसे बेसिक और महत्वपूर्ण उपाय है कि हम सफ़ाई से रहें. साफ़-सफ़ाई का ध्यान रखना सबसे ज़रूरी है.अपने हाथों को समय-समय पर धोते रहें. समय-समय पर साबुन और पानी से हाथ धोएं. या आप चाहें तो एक अल्कोहॉल बेस्ड सैनेटाइज़र भी इस्तेमाल कर सकते हैं. सैनेटाइज़र को हाथों पर अच्छी तरह लगाएं. इससे अगर आप के हाथ पर वायरस मौजूद हुआ भी तो समाप्त हो जाएगा.

मनीषीसंतमुनिश्रीविनयकुमार जी आलोक ने कहा जीवन का हर पल और हर क्षण कीमती है अगर किसकी कद्र जीवन मे आ जाये तो जीवन मे निखार आ जायेगा और कभी भी जीवन मे अंधकार नही आयेगा। क्योकि जो दीपक खुद जगा हुआ है वह और दीपो को बुझाएगा नही बल्कि हजारो दीपको को रोशन करेगा। लेकिन जो दीप खुद बुझा हुआ है वह किसी और दीपक को कैसे रोशन करेगा। इंसान सोचता है कि वह ऊंचाईयो के शिखर को चूमे बिना संघर्ष कर बैठा बिठाये मुझे हर वस्तु मिल जाये कोई संघर्ष ओर कर्म ना करना पडे पर ऐसा संभव नही है क्योकि यह संसार कर्म भूमि है जो जैसा बोता है वैसा ही काटता है, यहां तो इस हाथ दे और उस हाथ ले वाला प्रचलन है। यहां संसार के अंदर उधार का सौदा नही है। अनुसार विपरीत स्थितियों को अनुकूल करने का प्रयत्न करना ही संघर्ष है, लेकिन इसके साथ विश्वास का होना आवश्यक है। विश्वास संघर्ष की थकान को महसूस नहीं होने देता। यह एक सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। इसलिए संघर्ष के दौर में अपनी मेहनत पर आस्था रखनी चाहिए। साथ में ईश्वर प्रार्थना से मिली शांति और संगी-साथी की सराहना मिल जाए, तो क्या कहने। जिंदगी का हर पल हमें कुछ सिखा कर जाता है, लेकिन यदि हम बिल्कुल भी होश में नहीं हैं तो हम इसका लाभ नहीं ले सकते।

श्री रामलला मंदिर के भूमिपूजन व निर्माण हेतू मां बगलामुखी धाम में विशेष तांत्रिक महायज्ञ

उज्जैन.एजेंसी

श्री गोरक्षपीठ, गोरखपुर के पीठाधीश्वर, अखिल भारत वर्षीय भेष बारह पंथ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों से श्रीराममंदिर निर्माण कार्य निर्विघ्न भूमिपूजन व निर्माण हेतू सम्पन्न हो इसके लिए उज्जैन के भैरवगढ़ रोड़, मां बगलामुखी धाम में पीठाधीश्वर महंत पीर योगी रामनाथजी महाराज के सानिध्य में नाथ सिद्धों, संतों, भक्तों एवं योग्य विद्वानों द्वारा विशेष तांत्रिक मां बगलामुखी महायज्ञ का आयोजन किया गया। पीठाधीश्वर महंत पीर योगी रामनाथजी महाराज ने बताया कि जो स्वप्न हमारी पीढियां 500 वर्षों से निरंतर देख रही है, हमारी सात पीढियों के अनवरत् संघर्ष का यह सुखद समापन है। पूर्णाहूति के माध्यम से हमारी बगलामुखी माता से यही प्रार्थना है कि वह सभी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सक्षम अधिकारियों एवं सेवकों को स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि एवं नवऊर्जा प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि मां बगलामुखी माता जिन्हें तंत्र की देवी माना जाता है, दस महाविधाओं में आठवीं महाविद्या है। वे एकमात्र ऐसी देवी है जिनकी तंत्र साधना, शत्रुओं का स्तंभन तथा रोग, सर्वबाधा एवं दुग्खदारिद्रय तथा कलह से मुक्ति प्राप्त करने के विशेष उद्देश्य से की जाती है।

हिल्स टाइगर रिजर्व में बाघिन की मौत के बाद जांच शुरू

कोटा.एजेंसी।

राजस्थान के कोटा जिले के मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में एक और बाघिन एमटी-2 की अचानक मृत्यु के मामले की जांच के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने जांच शुरू कर दी है। इस बीच बाघिन के एक घायल शावक को तो वन्यजीव विभाग की टीम कोटा चिड़ियाघर ले आई जबकि दूसरा शावक अभी लापता है जिसे वनकर्मियों की टीमें तलाश कर रही है। पिछले एक पखवाड़े से भी कम अवधि में इस टाइगर रिजर्व में पहले एक बाघ और अब बाघिन की मृत्यु के बाद चितित राज्य सरकार ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं। नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने वन मंत्री से इस मामले में जांच कराने और यदि कोई लापरवाही हुई है तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। केंद्रीय स्तर पर भी इस मामले की जांच के लिए एनटीसीए की टीम भी कोटा पहुंच गई जिसने स्थानीय टाइगर रिजर्व और वन्यजीव विभाग के अधिकारियों के साथ उस स्थान का अवलोकन किया जहां बागिन एमटी-2 का शव मिला था। इस रिजर्व में गत 23 जुलाई को एक अन्य बाघ एम टी-3 की फेफड़ों में संक्रमण के कारण मृत्यु हो गई थी।

आम रास्तों पर अतिक्रमण

देवकिशन राजपुरोहित

इस समय भू माफिया जहां भी भूमि देखते हैं तुरंत उस पर टूट पड़ते हैं।यह भू माफियाओं की खेप अब गांवों में भी पहुंच गई है।खएँ भी भूमि देखी और कब्जा सुरु।भूमि चाहे रकबा राज हो।गौचर हो।शमशान हो या तालाब।जब वे कब्जा करते हैं तो तीन लोगों का आशीर्वाद भेंट पूजा चढ़ कर जरूर लेते हैं ताकि वे उनके लिए ढाल का काम करें।ये तीन लोग होते हैं पटवारी,सरपंच,ग्राम सेवक।

स्वतंत्रता के समय तक हमारे प्रदेश में एक गांव से दूसरे गांव तक जाने के लिए आम रास्ते थे।आम रास्ते बनाते समय गांवों के जागीरदार,चौधरी इस बात का ख्याल रखते थे कि पशुओं के झुंड,भेड़ बकरियों के एवड़,ऊंटों के टोले किसी भी रास्ते से निकलें तो रास्ते मे करते हुए भी निकलें मगर किसी के खेत मे बिगाड़ नहीं करें। प्रत्येक रास्ता जब सेटलमेंट हुआ तो अलग से उसका माप भी राजस्व रिकार्ड में अंकित किया गया।कहीं पर आम रास्ता एक जरीब था तो कई जगह दो से पांच जरीब भी था।अनेक रास्ते आधा जरीब थे।आधा जरीब 66 फुट होती थी।कुछ लोग 66 फुट को जरीब कहते थे।जो भी हो रास्ते इतने बड़े थे कि लोगों का पशुधन आम रास्तों पर ही कर लेता था और आवागमन के लिये ये रास्ते बहुत ही सुविधाजनक थे। जन संख्या बढ़ी।सारी जमीन पर खेती सुरु हुई।जमीनों के भाव बढ़े और साथ मे आदमी का लालच भी बढ़ने लगा। परिणाम यह हुआ कि आम रास्तों के पास जिनके खेत थे उन्होंने ने आम रास्तों पर कब्जा करना सुरु किया।पटवारियों ने कभी किसी को टोका तो उनको खुस कर दिया गया।फिर आम रास्तों को खेतों में मिला कर मेड बंदी कर दी।ऊपर बाड़ लगादी गई और 10 बीघा खेत रास्ता मिला कर 15 बीघा हो गया।

अब सड़कें बनी तो 66 फुट के रास्ते मे 18 फुट सरकारी सड़क में आ गई।बाकी ओर जो बची थी उसे भी लोगों ने अपने खेतों में मिला लिया।

अब ऐसा लगता है कि खेतों के बजाय सड़क या आम रास्ते के बाद की गई है।उन आम रास्तों पर नेता अभिनेता,सभी अधिकारी निकलते हैं लेकिन उनकी नजर रास्ते पर किये कब्जे की तरफ कभी नहीं जाती।अब अव्वल तो पालतू पशुओं के टोले रहे ही नहीं ओर कही है भी तो उनके चलने,फिरने या चरने के लिए कोई आम रास्ता नहीं बचा है।

अब जब रास्ते ही नहीं बचे तो सड़क के किनारों पर वृक्षपारोपन का तो सवाल ही नहीं।ये वे रास्ते हैं जिन पर चलने वालों को कोई मतलब नहीं रास्ता चौड़ा था या सकरा।पशुधन नहीं रहा मगर एवड़ हैं।उनके चरवाहे जैसा रास्ता है बरतते हैं।आज पशुधन से अधिक तो चार पहिया ओर दो पहिया वाहन इन सकरिले रास्तों पर चलते हैं अनेक दीर्घटनाएँ होती हैं।लोग रो धो कर राह जाते हैं।करें तो क्या करें।इन रास्तों पर ट्रेक्टर ओर ट्रक जब चलते हैं तो इन रास्तों में गहरे खड्डे बन जाते हैं। जब बरसात होती है तो ये रास्ते बरसाती नदी का रूप धारण कर बाढ़ में परिवर्तित हो कर गांवों को चपेट में ले लेती है। अगर ये आम रास्ते अपने मूल स्वरूप में आ जाएं तो इन रास्तों पर बरसाती पानी फैल कर जमीन में सोखता रहता है परिणाम स्वरूप नजदीकी खेतों कुओ ओर तालाबो को पानी जमीन के माध्यम से पर्याप्त उपलब्ध होता है।

कुछ भी करना है वह सरकार को करना है।लोगों का दबाव होने पर सरकार एक परिपत्र जारी करेगी।रास्तों से कब्जे छुड़ाए जाये।आखिर बात पटवारी ओर सरपंच पर आ कर ठप्प हो जाती है।सरकारी परिपत्र फ़ाइल की शोभा बन कर राह जाता है।

सरकार को एक अभियान पूरे प्रदेश में रास्तों से अतिक्रमण हटाने का भी चलाना चाहिए।उस अभियान में स्थानीय सरपंच,पंच,ग्राम सेवक आदि पटवारी का साथ दे और पहले बड़े रास्तों से अतिक्रमण हटा कर रास्ते या सड़क के दोनों ओर वृक्षारोपण करे उन वृक्षो की जिम्मेदारी संयुक्त रूप से गांव की हो ताकि उस जगह कब्जाधारियों को पुनः कब्जा करने का अवसर नहीं मिले। ज्योहीं ये रास्ते खुल जाएंगे तो जमीन में पानी पहुंचेगा।आवगगमन सुलभ होगा और भूमाफियाओं से सरकारी आम रास्ते खाली हो जाए।

भारत की प्राचीनतम मौर्यकालीन आहत मुद्राओं पर मिलता है भगवान श्री राम सीता लक्ष्मण का अंकन, इतिहासकार डॉ अमित राय जैन का दावा!

बड़ौत के शहजाद राय शोध संस्थान में मौजूद है भगवान श्री राम के अंकन युक्त प्राचीनतम भारतीय मुद्राएं!

बड़ौत (ओपन सर्च)

जब से भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 500 वर्षों से चले आ रहे अयोध्या के राम जन्मभूमि विवाद का निर्णय भगवान राम के जन्मभूमि तीर्थ स्थल के पक्ष में देते हुए मंदिर निर्माण के आदेश केंद्र सरकार को दिए हैं सारे विश्व में भगवान श्री राम और उनसे जुड़े आस्था स्थलों व दुर्लभ विषय वस्तुओं के प्रति रुचि बढ़ी है। ताजातरीन शोध में प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ अमित राय जैन ने यह पाया है कि भारत की प्राचीनतम कही जाने वाली ईसा पूर्व पांचवी शताब्दी अर्थात 2500 वर्ष प्राचीन मौर्यकालीन पंचमार्क मुद्राओं पर भगवान श्री राम के लक्ष्मण और जानकी सहित छवि अंकित की गई थी जो कि हजारों वर्षो से भारत में परंपरागत रूप से भगवान श्री राम के प्रति आस्था और श्रद्धा का विशेष प्रगटीकरण का अति विशिष्ट उदाहरण है ! बड़ौत स्थित शहजाद राय शोध संस्थान के अति दुर्लभ मुद्रा संग्रह में मौर्यकालीन करीब 2000 पंच मार्क मुद्राओं में अति दुर्लभ कही जाने वाली करीब 20 चांदी निर्मित मुद्राएं भगवान राम सीता लक्ष्मण की छवि अपने में समेटे हुए है , जो कि अपने आप में एक अनूठे शोध व भारतीय परंपराओं में भगवान श्री राम के प्रति भारत के प्राचीन शासकों की श्रद्धा का भी प्रतीक है। भगवान श्रीराम को समर्पित भारत की प्राचीनतम मुद्राओं के विषय में विशिष्ट जानकारी देते हुए शहजाद राय शोध संस्थान के निदेशक इतिहासकार डॉ अमित राय जैन ने बताया कि आहत सिक्के/ पंचमार्क सिक्के 500 ई.पू. के लगभग पुराने सिक्के जो दूसरी शता. ई.पू. तक के प्राप्त हुये हैं। भारत में प्रचलित प्राचीन मुद्रा तथा मुद्रा प्रणाली की शुरुआत मौर्य काल में इन्हें सिक्कों के द्वारा हुई। प्रारंभ में चांदी के आहत सिक्के सर्वाधिक थे, ताँबे , काँसे के सिक्के भी प्राप्त हुये हैं। आहत सिक्के धातु के टुकडे पर चिन्ह विशेष ठप्पा मारकर (पीटकर) बनाए जाते थे। आहत सिक्कों पर चिन्हों के अवशेष भी मिलते हैं जैसे - मछली, पेड़, मोर, यज्ञ वेदी, हाथी, शंख, बैल, ज्यामीतीय चित्र (वृत्त, चतुर्भुज, त्रिकोण), खरगोश। इन सिक्कों का कोई नियमित आकार नहीं था। इस प्रकार के आहत सिक्कों के प्रचलन से भारतीय व्यापारियों के व्यापार में सुदृढता प्राप्त हुई। नवीन संपन्न वर्गों का उदय हुआ। भारत की प्राचीनतम मुद्राओं पर अन्य विशिष्ट चिन्हों के साथ एक विशेष प्रकार की भगवान श्री राम सीता और लक्ष्मण को समर्पित उनकी अंकित छवि वाली मुद्राएं भारतीय समाज का भगवान श्री राम के प्रति झुकाव समर्पण का प्रतीक है जो कि बड़ौत में मौजूद है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबइल : 9210092542 फोन :- 011-27380260 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

opensearch